

DPN 5890

Title : सारस्वती प्रक्रिया SĀRASVATĪ PRAKRIYĀ

Run. No. 6581

Cat. No.

Micro. No.

Subject व्याकरणम्

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 29 x 13.2 Folios 164 Lines (in a page) 8

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator स्वस्वपाचार्य Svarūpācārya

Scribe / donor योगनरसिंह / फणीन्द्ररत्नवज्राचार्य
yoganarasimha / Phanindra Ratna

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

vajracarya

Script : New. / Dev. / Bhuja. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thiyasaphu / one side yellow

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

↓
श्री गणेशाय नमः ॥ श्री सरस्वत्यै नमः ॥ ॥ प्रणम्य परमात्मानं ब्रह्म [बु]द्धी (धनी) शार्दुल सिद्धये ॥

सारस्वती मृतुं कुर्वे अदिपान्नाति विस्तारं ॥ ॥

स्फाप्ति वाक्य / Colophon

श्रीश्री पद्म हंस पाद राजकानुश्रुति स्वर्णाचार्य । विचिता सास्त्रिणी प्रक्रिया समाप्त ॥

लिखितं यं पञ्च देवा वरा कमल हो (से) मिल दिज वंदो दुग्धवाचार्य श्रीयोगनासिहनेति ॥

कालीकुल ~~स्वर्णाचार्य~~ पुस्तकमिदम् ॥

श्रीश्री देवाः / Contact List
✓ श्रीश्री प्रक्रिया प्रथम पाद
✓ स्वर्णाचार्यः
✓ स्वर्णाचार्य स्वर्णाचार्य
✓ " नृपतिवर्मा
✓ हंसनाथः पुस्तकालय
✓ " श्रीलक्ष्मी
✓ आर्य प्रक्रिया
✓ समाप्त
✓ गार्हपत्य
✓ अम्
✓ भावकर्म
✓ देवादि...

सारस्वती

फराणीन्द्ररत्न वज्राचार्य

सारस्वती

॥ शुभं ॥

फणीन्द्ररत्न वज्राचार्य

सानि

१

प्रयाजतमनःपुत्रमन्त्रविनयवर्तमानः

२ श्रीगणेशायनमः॥ श्रीसन्तस्येनमः॥ ॥ प्रथमपनमात्मानं बालधीवृद्धिसिद्धय
॥ सानस्वतीमृदुं कर्षे प्रक्रियात्रातिविरुनी॥ ॐ दयापियस्यानं नययुग्मदेवानिरधः॥ प्र
क्रियारुस्यकृत्स्नस्य कृमावकुं ननःकथं॥ तज्जतावत्संस्तुतव्यवहानाय सैगृकृतं॥ अॐ उम
० सुमानाः॥ अनेन प्रस्थाहान गृहस्थवर्धः॥ पतिगन्धक॥ तर्थासमानसंस्तुतविधीयत॥ नः
न अस्मत्समानाः॥ कथं न स्यात्मा जालाघवन आचार्ये पृथात्सवासन्यत॥ नेतृषू सुतुवसन्धिननसं
धयाविवक्तिरत्नारु॥ विवक्तिरत्नसुसन्धिर्हवनीतिनियमान्॥ लोकि कप्रयोगनिष्पद्य समयमा
तुत्वाच्च॥ रुस्वदीर्घप्लुत रुदाः॥ सवर्धः॥ ॐ तर्थास्वदीर्घप्लुत रुदाः॥ पनस्य न सवर्धः॥ रुन्धक॥
लोकाद्यस्य सिद्धिनिविरुति॥ ततो लोकप्रवर्धस्वादिसंस्तुतान्वया॥ एकमात्रा रुस्वः॥ धिमा

गुनः
१

ॐ दीर्घः॥ हिमाश्रुतः॥ व्यऊर्नवार्द्धमाहुर्की॥ एवमिन्द्रायूदाहिरुदाः॥ उच्चैर्नूपनस्यमाना
उदारुः॥ नीचैर्ननूदारुः॥ समवृत्त्यास्त्रनिहः॥ एतेऽगोर्सेधकनासि॥ एवमिन्द्रानसक्ति॥ उरुय
स्वनाः॥ अकानादयः॥ पञ्चवत्तान् एकां नादय उरुयस्वनाः॥ उच्यन्ते॥ अवर्जानामिनः॥ अवर्ध
वर्जः॥ स्वनानामिन उच्यन्ते॥ अनूकानातावत्स्वनाः॥ पत्याहानीजिअहयिषया व्यऊर्नान्यन
कामति॥ हयवनलः॥ अक्षनदमः॥ मरुधधरुः॥ ऊडदगवः॥ खरुः॥ ०५॥ वटनकपः॥ सवणः॥ आद्य
नास्यापत्याहानीजिघृकताः॥ आर्यतास्यामरुवर्धः॥ अक्राः॥ आदिवर्धः॥ नसगृकमानसूनामाप्र
त्याहानः॥ तथाहि॥ अकानावकानसगृहेकमारुः॥ अवपुत्याहानः॥ सवः॥ अ० उ० म० ०५॥ एते
अहयवनलः॥ अक्षनदमः॥ मरुधधरुः॥ ऊडदगवः॥ ०५॥ तथावत्सीरव्याकः॥ सीपयः॥ वटनकपः॥ ति

सानस्व
२

वपप्रत्याहान॥ मरुधघरुः॥ तिमसपुत्याहान॥ ऊडगवः॥ तिकवपुत्याहान॥ एवयुयुयन
यनपुत्याहान॥ कृत्ससकृत्तुगुभक॥ सख्यानियमसुनास्ति॥ हसाव्यऊनानि॥ हकानादय
॥ सकानाकावर्धुहसाव्यऊनानिरुवकि॥ स्वनहीनव्यऊनी॥ कृत्सकानसुखमृत्वाञ्चाननार्थत्वा
दितिसरुक॥ काय्योयत्॥ पुष्टयायतिनिका॥ कस्मैवित्कार्यायाश्चार्थमात्रावर्धुः॥ तिरुकारुव
ति॥ यस्मैस्त्रीकस्यलाप॥ वर्धुदर्गनेलाप॥ वर्धुवित्राधलाप॥ मित्रवदागम॥ गकृवदा
दग॥ स्वनानकृतिनाहसासंयोग॥ द्रोवहावागीता॥ हसाहसंयोग॥ उव्यक॥ कवृदुपूवर्ग
॥ उकानपवर्धुपनिगृहार्थ॥ अनदानामिनागु॥ नामिनास्नानकाअनृजउकगुहसंरु
का॥ आनेशवृद्धि॥ आआनउउउकवृद्धिसंरुका॥ अन्त्यस्वनादिष्टि॥ अस्थाय॥ स्वनसुदाः

गुनः
२

दिवं र्हि सैरु कारवति ॥ अन्त्यात्पूर्व उपधा ॥ अन्त्याद्वर्धमात्रात्पूर्वो यः स उपधा सैरु कारवति
 ॥ अर्से योगादि पत्रा रुस्व लघुः ॥ विसर्ग नस्वान स्यादि पत्रा दीर्घश्च गुणः ॥ मूर्धनासिका इन्द्रनासि
 कः ॥ मूर्धनासिका र्णा उच्चार्य मा ॥ इन्द्रनासिकः ॥ द्विविन्दुर्विसर्गः ॥ सिन्धु विन्दु नस्वानः ॥ ॥ ॐ
 किं जी अन्तरुति स्वनपाचार्य वृहो सैरु प्रक्रिया प्रक्रिया प्रथमपाद समाप्तः ॥ ॥ अधूना स्वन सै
 धिनधीयतः ॥ ॐ र्यस्व नः ॥ ॐ वरुह यस्व मा पय नस्वन पत्र ॥ वर्ध गृह न स वर्ध गृह सी ॥ कात्र गृह र्ध
 न कवल गृह नः ॥ वर्ध गृह र्ध न स वर्ध स्पापि ग्रह नीय मातः ॥ ॥ दधि आनय ॐ ति स्थितः ॥
 दधय आनय ॐ ति तो व रुवति ॥ ॥ हसै हसै ॥ स्वनास्व नो न रुह नावर्जिता हसा हसप न
 धि र्गवति ॥ ॐ ति ध कान स्पष्टितः ॥ ॥ प्रनर्धित्वा फ द्वित्व विधना द्वाववर्षि व्यतः ॥ अन्ना हसा
 नृप्यतः ॥ ॥ मरुजवा ॥ मलोनां मरुपत्र जवा र्गवति ॥ ॐ ति ध कान स्पष्टितः ॥ स

यद्वा लक्ष्मणं स कद वं युद्वि ३ =

सा. सं
३

वर्णत्वात्॥ वर्णवर्णसवर्ण००तिवचानाद्यथासख्यं वावकव्यं॥ स्वनहीनं पत्रं संयाद्य॥ दद्यात्तय
००तिसिद्धि॥ ॥ तर्कनवाचतस्माकं इग्यथमधुनायत॥ अत्र संवाचनार्थं यदद्यात्तयवनानन॥ अ
नुवितकिस्वननहितत्वात्नामिनः स्वन००तिनूत्रस्यात्॥ प्रत्ययनहितस्वनयस्य लोप००तिनस्यात्॥ न
सनहितत्वात्संयागकस्य लोप००तिनस्यात्॥ ॥ गेनी अगु००तिस्ति॥ ॥ अर्ह००तिविभषेनोत्र
नरुस्पष्टि॥ किं गु॥ ॥ नाद्यपादि॥ स्वनपूर्वाङ्कास्य नोयपादिर्हवति॥ जलपुम्बिका न्यायनं नन
रुस्थाद्यगमनं॥ पाषाद्यपि पुंन्यायन अथ कथं नस्यात्॥ अग्रे नरुत्वं धीयाति पश्चादरुस्पष्टि॥ ॥ गे
र्यगु॥ ॥ स्वन००त्यनूवरु॥ ॥ एवं मन्मगापियनसूगारुनेकोर्यसिद्धितगसर्वगसूगकना
पदाकनादनूवलिहृताव्या॥ ॥ गच्छत्यस्तस्यानास्मातिर्निर्गच्छ॥ ॥ उव॥ उवर्गवत्त्वमाप

गुरुः
३

[illegible]

सानस्व

४

॥ १ कषामनिंसभिः ॥ क्विन्नकानूनाधत्वास्वनवयकानवाध्व्याः ॥ पिङ्गव्युतिः ॥ अन्यगवामिणी
 हावरगम्युतिः ॥ आगमवेपर्यपसंगम् ॥ प्रथमत्रसवरर्हदीर्घः ॥ कनसेन ॥ स्वेनिती ॥ प्रोटः ॥ प्रेषः ॥
 पुष्पः ॥ उआय ॥ उकावाआयूरुवतिस्वनपन ॥ नेअकः ॥ नायकः ॥ उआव ॥ उकावाआवूरुवतिस्वन
 पन ॥ होः ॥ ताविह ॥ सापगवापराक ॥ पदाकस्तितानामयादीर्घकानवकानयापगवा
 रुवति ॥ तआगताः ॥ तआगताः ॥ तयागताः ॥ पटाः ॥ पतः ॥ पटविह ॥ तस्मात्सनी ॥ तस्मात्सनी
 नी ॥ तस्मात्सनी ॥ असोः ॥ असाः ॥ असाविः ॥ १ अम ॥ उआय ॥ उआव ॥ उआव ॥ उआव ॥ उआव ॥
 यस्पुः ॥ अयादीर्घावलापः ॥ ननुअन्यस्मिन् ॥ अपकृत्वाअनमित्तादीनः ॥ लापमिपूनर्नसीधि
 ॥ ह्रस्वसिदुहवतिः ॥ ह्रस्वः ॥ ह्रस्वः ॥ ह्रस्वयिति ॥ पूनर्गहृक्षन्नलोपमिहवत्यव ॥

गुनः
४

रा३

[illegible]

ति॥ नामधातावो॥ प्रमथरीयति॥ पार्वरीत॥ ० अल॥ अवर्ध० वरर्धपनसह अलरुवति॥ तव ० कानः
॥ तवल्कानः॥ नलयाः सावर्धवावकाव्य॥ पत्रिर्क॥ पर्यैक॥ पल्यैक॥ मकान ० कानोत्रसवर्धः
संक्षोभः॥ हाह ० कानः॥ हाहकानः॥ नलया ० लया ० वगवयावदकवावसावर्धम
लंकालविदाजनाः॥ १ १ १॥ अवर्ध० १ कान १ कानवपनसह १ कानारुवति॥ तव १ घी॥ तवेघी॥ तव १
धर्यै॥ तवेधर्यै॥ ३ ३ ३॥ अवर्ध० ३ कान ३ कानवपनसह ३ कानारुवति॥ तव ३ दनी॥ तवोदनी॥ तव
ओन्नर्यै॥ तवोन्नर्यै॥ ४ ४ ४॥ अवर्ध० ४ कान ४ कानवपनसह ४ कानारुसमास॥ विम्ब ४ ४॥ विम्बा
४॥ विम्बो ४॥ स्तूल ४ ४॥ स्तूला ४॥ स्तूलो ४॥ समासतिर्कि॥ तवो ४॥ वागद्विकल्पार्थः॥ ॥
०० तिणी अनरुतिस्वनूपाचार्यैवहोस्वनसन्धिः॥ ॥ अथपुनरुतिरावाच्यत॥ नामी॥ अदसा ३ मी

मर्थी॥ वपाङ्गुलं लक्षणं ह्यर्थी॥ ॐ म॥ ॐ मावा॥ पदाङ्गुलं वर्तमानाश्च पाङ्गुलं मपनं ॐ मावाङ्गुलं वर्तमानं ॥
वाक्मातृ॥ वाङ्मातृ॥ वाङ्मातृ॥ वदन्तं॥ वदन्तं॥ वदन्तं॥ वदन्तं॥ वदन्तं॥ वदन्तं॥ वदन्तं॥ वदन्तं॥ वदन्तं॥
यनी॥ तन्नयनी॥ तन्नयनी॥ तन्नयनी॥ तन्नयनी॥ तन्नयनी॥ तन्नयनी॥ तन्नयनी॥ तन्नयनी॥ तन्नयनी॥
मूनानि॥ ॐ तन्नयनी॥ मयतिष्ठत्यथपनं वपाङ्गुलं नोमानि ल्यस्य॥ चित्तमयी॥ चित्तमयी॥ मृत्तम
यी॥ मृत्तमयी॥ तन्मयी॥ तन्मयी॥ पदाङ्गुलं किंपनमात्मायत्नं॥ वपाङ्गुलं॥ वपाङ्गुलं नस्य गकानस्य
वाङ्गुलं॥ वाङ्गुलं॥ वाङ्गुलं॥ वाङ्गुलं॥ वाङ्गुलं॥ वाङ्गुलं॥ वाङ्गुलं॥ वाङ्गुलं॥ वाङ्गुलं॥
तन्मयी॥ तन्मयी॥ वाङ्गुलं॥ वाङ्गुलं॥ वाङ्गुलं॥ वाङ्गुलं॥ वाङ्गुलं॥ वाङ्गुलं॥ वाङ्गुलं॥ वाङ्गुलं॥
नं कश्चपसुदन्तं कश्चपसुदन्तं॥ तन्मयी॥ तन्मयी॥ तन्मयी॥ तन्मयी॥ तन्मयी॥ तन्मयी॥ तन्मयी॥ तन्मयी॥

तत्० कान॥ त० कान॥ त० जीनं॥ त० जीनं॥ तत्शोक॥ त० शोक॥ प्रसाहानस्य सैख्या
 नियमानासीति वचनात्॥ चटतकपानाच्छ० थयहो जउदगवा मरुधघरा पु० शनकमाश्च
 वति॥ ॥ तार्क्षिल॥ तवर्गस्य लकानपत्रलका नातवति॥ तत्लूनाति॥ तत्लूनाति॥ तवान्
 लिखति॥ तवांश्चिखति॥ ॥ अकस्थो द्विपुतदा नेरुवर्जिता यवला॥ सानूनासिकानि ननूनासि
 काश्चकणसानूनासिक० वनकानस्य लकानातवति॥ ॥ नवि॥ षकानपत्रवर्गस्य तासूत्वेन राव
 ति॥ तवान् षष्ठ॥ तवां षष्ठ॥ यान्तात्॥ पदाकवर्हमानादवर्गस्य नस्य स्का० पूत्वेन रावति
 ॥ षट्सीदकि॥ षट्सीदकि॥ षट्सीदकि॥ षट् नन॥ षट् नन॥ षट् नन॥ न० सकृद्वर्तनाकस्य प
 दस्य दृक्पत्रसंगगमातवति॥ टिकितावायक यार्वक व्यो॥ नान्विर्गु॥ नार्जिश्चिर्गु॥ तवा

सा. स्व
८

नूतनाति॥ हवास्फनाति॥ हवान्दीकत॥ हवांसीकत॥ हवान्० काभत॥ हवांसुकाभत॥
नद्व्यप्रभात॥ नकावपनवर्जितस्य द्व्यम्यत्रपत्रत॥ सकाभाहवति॥ हवान्द्व्यदयति
॥ हवांश्चदयति॥ हवान्कनति॥ हवांस्फनति॥ हवीतिकी॥ हवान्कनाति॥ अ० प्रभा० चि० न०
हि॥ हवान्द्व्यक॥ रगवका॥ नानुस्यपदस्य रगपत्रवाचगमगमाहवति॥ यद्वाधितं कदाधित
भव॥ हवान्गून॥ हवाञ्चून॥ हवाञ्चून॥ हवाञ्चून॥ कर्वेन्गून॥ कर्वेञ्चून॥ कर्वेञ्चून
न॥ कर्वेञ्चून॥ प्रभात० गयनी॥ प्रभाञ्चयनी॥ प्रभाञ्चयनी॥ प्रभाञ्चयनी॥ काजस्वादि० स्वन॥ इ
कावधकावधनका नाजस्वाइरुना॥ द्विर्हवति स्वत्रयत्रपदाकव॥ प्रत्यद्व० दी॥ प्रत्यद्विदी॥ स
गश्च० ह॥ स्रगक्षिह॥ नाजन्० ह॥ नाजन्निह॥ दीर्घत्वा हवानित्याह॥ दोनेक॥ जस्वाइरुना

गुनः
८

धुका नादि ह्वेति ॥ स्वसवपामसाना ॥ मसाना स्वसपत्रवपा र्वीति ॥ तव ह्वेति ॥ तव ह्वेति ॥ कविदी
घोदपिव कव्य ॥ जी ह्वेति ॥ श्व ह्वेति ॥ आ ह्वेति ॥ आ ह्वेति ॥ आ ह्वेति ॥ आ ह्वेति ॥ आ ह्वेति ॥ आ ह्वेति ॥
स्वानस्य मका ना ह्वेति स्वनेपन ॥ त आ ह्वेति ॥ त मा ह्वेति ॥ द ह्वेति ॥ द ह्वेति ॥ द ह्वेति ॥ द ह्वेति ॥ द ह्वेति ॥
कोनस्या नस्वा ना ह्वेति ॥ ह स पत्र पदा क्व ॥ त म ह्वेति ॥ त ह्वेति ॥ प ह्वेति ॥ प ह्वेति ॥ प ह्वेति ॥ प ह्वेति ॥
क ह्वेति ॥ ग म्वेति ॥ न म्वेति ॥ न म्वेति ॥ न म्वेति ॥ न म्वेति ॥ न म्वेति ॥ न म्वेति ॥ न म्वेति ॥ न म्वेति ॥
वक्ति म स पत्र ॥ य म्वेति ॥ य म्वेति ॥ य म्वेति ॥ य म्वेति ॥ य म्वेति ॥ य म्वेति ॥ य म्वेति ॥ य म्वेति ॥
स ॥ स ॥ स ॥ व कान ग ह्वेति ॥ तदा ह्वेति ॥ तदा ह्वेति ॥ तदा ह्वेति ॥ तदा ह्वेति ॥ तदा ह्वेति ॥ तदा ह्वेति ॥
न ॥ अ स्य य प स्य सव ह्वेति ॥ त्व क नाति ॥ त्व क नाति ॥ त्व क नाति ॥ त्व क नाति ॥ त्व क नाति ॥ त्व क नाति ॥

सा. स्व ९
 ति॥ वरर्जवर्जक॥ अन्स्वानस्य वरर्जपत्रवर्जकारवति॥ वर्जोरावपत्रनूपस्यादिस्यर्थः॥ यवस
 पत्रयवलावा॥ अन्स्वानस्य यवपत्रैलेयवलावारुकि॥ सूर्यता॥ सूर्यता॥ सूर्यवत्सुनः॥ सूर्यस
 नः॥ त्वलनाति॥ त्वलनाति॥ ॐ हृदसि॥ अन्स्वानस्य ॐ कानमापयच्छन्दसि गयसह न हृष
 पनरु॥ हंस॥ हंस॥ वर्यसाम॥ वर्यसाम॥ तनवि॥ तनवि॥ ॥ ॐ नित्यं अन्स
 धि॥ ॥ अथ विसर्गसंधिर्निर्गयत॥ विसर्गनीयस्य स॥ विसर्गनीयस्य सकाशात् वतिरवः
 सपत्र॥ क१ कनाति॥ क१ कनाति॥ क१ चनति॥ क१ चनति॥ क१ द्वादयति॥ क१ द्वादयति॥
 गयसवा॥ विसर्गनीयस्य गयसपत्रवासकाशात् वति॥ क१ गत॥ क१ भूत॥ क१ घृष्ट॥ क
 घृष्ट॥ क१ साधू॥ क१ साधू॥ क१ ध्या॥ क१ ध्या॥ विज्ञे सनीयस्य कवर्जपत्रवर्जसम्बन्धिः

गुन

९

निखपपन कथो वारुवति ॥ कपावृच्चानधरार्थो ॥ क४क नाति ॥ क४क नाति ॥ क४प वति ॥ क४प
वति ॥ वावस्पत्यादयः सहा सैशानि पात्साधवः ॥ वाव४पति ॥ वावस्पति ॥ तद्गृहो ४ कनपत्या
॥ नदवतया ४ सूट्गलापश्च ॥ वृहत्पति ॥ वृहस्पति ॥ तत्कन ४ ॥ तत्कन ४ ॥ कोन ४ कन ॥ का
नस्कन ॥ शन ४ कन ॥ शनस्कन ॥ हनि ४ वन्दु ४ ॥ हनिश्चन्दु ४ ॥ यगसूक्तानूपपयत तन्निपातना
सिद्धौ ॥ अ४काना नातिषू ॥ अ४काना विसर्जनीयस्य पदार्कना रुवति ॥ नागादिगधवर्जितेषूपनग ४
॥ अ४ह४पति ॥ अ४ह४प्यति ॥ अ४ह४गध ॥ अ४ह४र्ज ॥ अ४नातिष्विति विरगधधदहा नागौ ॥ अ४हान्
पी ॥ अ४हानथरुनी ॥ अपराकृत्वा दहायी ॥ अ४हापू ॥ अ४कानात्यनस्य विसर्जनीय उका ना रुवति
अतिपनत ॥ तपनस्कानस्य ॥ तपूसात्यना वातावान्गुम ४ ॥ क४अर्थ ४ ॥ कार्य ४ ॥ पदार्क

मा.स्व
१०

त्वाह ॥ हव ॥ अकानात्यनस्यविसर्जनीयस्यउकागारुवतिहवपन ॥ क४गत४ ॥ कागत४ ॥ देव४जा
 ति ॥ देवा४जाति ॥ मन४नथ४ ॥ मना४नथ४ ॥ अ४देवलापगु ॥ अ४वर्धत्यनस्यविसर्जनीयस्यलापगु
 वतिअ४वपन ॥ देवा४अ४गु ॥ देवा४गु ॥ वा४गा४वा४गा४ ॥ वा४गा४वा४गा४ ॥ अ४का४त्य४नि४त्य४स्य४वि४ष४य४प४वि४द्
 त्यदीर्घा४इ४दा४ह४न४ति ॥ क४न४व४आ४त्म४हि४र्त४म४र्तु ॥ क४न४वा४त्म४हि४र्त४म४र्तु ॥ य४ज्ञ४क४ह४ना४न४त्य४न४त४स४र्व४वि
 पा४त४ना४स्ति४द्वी ॥ स्व४न४य४त्वं४वा ॥ अ४व४र्ध४त्य४न४स्य४वि४स४र्ज४नी४य४स्य४य४त्वं४वा४रु४व४ति४स्व४न४प४न ॥ देवा४अ४गु ॥ दे
 वा४य४गु ॥ देवा४अ४गु ॥ रा४स४ ॥ रा४स४र४ग४म४स४अ४धा४स४ ॥ त्य४क४स्मा४त्य४न४स्य४वि४स४र्ज४नी४य४स्य४ला४प४गु४रु४व४त्य४व
 प४न ॥ रा४४उ४हि ॥ रा४४उ४हि ॥ र४ग४म४न४म४सु ॥ र४ग४म४न४म४सु ॥ अ४धा४या४हि ॥ अ४धा४या४हि ॥ ना४मि४ना४न४ ॥ ना
 मि४न४प४न४स्य४वि४स४र्ज४नी४य४स्य४न४हा४रु४व४त्य४व४प४न ॥ अ४ग्नि४अ४गु ॥ अ४ग्नि४न४गु ॥ प४द४य४ज४त ॥ प४द४य४ज४त

गुणः
१०

इव शसिर्ध्वं ॥ सपादसका ध्यायीति शिवाय सिद्धा विवाया मपि पूर्व प्रतिपन्न ॥ सुमतिर्ध्वं स्यात् ॥

अनरूपकृतिकस्य विसर्जनीयस्य न हा वाहवति ३

० वा

॥ हनि ४ ग कृति ॥ हनिर्ग कृति ॥ उषसा नावृध ४ ॥ उषसा विसर्जनीयस्य पदान् नाहवति वृधपन ॥
उष ४ वृध ४ ॥ उष वृध ४ ॥ अनरूपकृतिकस्य खपवा ॥ अनरूपकृतिकस्य विसर्जनीयस्य खपनेपन ४ ॥
वारवति ॥ गी ४ पति ४ ॥ गीपति ४ ॥ गीर्यति ४ ॥ धू ४ पति ४ ॥ धूपति ४ ॥ धूर्पति ४ ॥ अनरूपकृतिनपि ॥ प
वतसा नाजनिति वा ॥ पवतगदस्य कानादरगाहवति नाजनिपन ॥ हपवतानाजन ॥ हपवताः
नाजनिति वा ॥ न ४ अनरूपसर्वधनिधिसर्जनीयस्य पदान् नाहवति वपन ॥ पात ४ अत ॥ पातन ४ ॥ अत
४ गत ४ ॥ अतर्गत ४ ॥ निलापादीर्घ ४ ॥ अनरूपस्य अनरूपन लापाहवति ॥ पूर्वस्य वदीर्घ ४ ॥ पुन ४ नमन ॥ पुना
नमन ॥ शुकि ४ नृप्यात्मनाहति ॥ शुकी नृप्यात्मनाहति ॥ नामिना न ४ ॥ उच्च ४ नोति ॥ उच्चोति ॥
सेवाहस ॥ सगदादवगदात्यनस्य विसर्जनीयस्य लापाहवति हसपन ॥ स ४ वनति ॥ सवनति ॥ उष

११

[illegible]

गुनः
११

षू॥ जमनभोतीतिजमनमकाभोतीतिमयून॥ ॥ ॐतिविसर्जसन्धिः॥ ॥ अथविरुक्तिर्वि
हाव्यत॥ साविध॥ स्यादित्यादिध्वविरुक्तकैपदी॥ कथस्यादिविरुक्तिर्नास्त्रायाकता॥ अथविरुक्तिर्नाम
॥ विरुक्तिर्नहिर्नध्वविरुक्तिर्नार्थवद्धनूपनामाव्यत॥ कथञ्चित्समाध्यादिपादिपक्षस्यैव ॐतिः
कविरु॥ तस्मात्॥ सिञ्जसुअसुअमसु॥ दस्योसिहस्यस्यसु॥ दसित्यास्यसु॥ दसुअसुआम॥ दिअ
सुसुप॥ तस्मान्नामपनास्यादयः सुफविरुक्तयारुवकि॥ कथप्यर्थमात्रैकत्वविवकायाप्रमेकवचनद
वसि ॐतिस्तिरु॥ ॐकाउच्चावत्यर्थः॥ साविमर्ज॥ सकाननरुयाविसर्जनीयादरुगवति अध्याव
मपदानकव॥ दवः॥ अपदानककथी॥ आसुविरुक्तीति॥ द्वित्वविवकायामोअओओ॥ दवो॥ वरुत्वविव
कायाविरुवचनदवजसु ॐतिस्तिरु॥ जकानस्यत्सुहायीलापः॥ प्रयाजनजसीतिविरुगवदी॥ दीर्घविरु

सा.स्व
१२

देवाः॥ इन्द्रसि॥ अकानाङ्गसमास्तुक्कविद्वक्त्रव्य॥ देवासः॥ वाक्रधामसः॥ द्वितीयकवचनदत्त
अमृ००तिस्तिरु॥ अमगसानस्य॥ समानाद्रह्नयानमगसानकानस्यलापारवत्यधमा॥ देवी॥ देवा
॥ वरुवनदवगम्००तिस्तिरु॥ गकानगगीविरगवधार्थे॥ सानंप्रसः॥ पूर्णिमसमानाद्रह्नयस्याग
सस्तकानस्यनकानादरुगरवति॥ गगीगनिपन्नपूर्वस्यदीर्घोरुवति॥ यदादगस्तुद्धरुवति॥ सकृत्यु
हहापूननष्टव्या॥ देवान्॥ हनीयेवचनदवटा००तिस्तिरु॥ टकानाश्नुवन्धस्तुनतिविरगवधार्थे॥ ट
न॥ अनात्यनष्टा००नारुवति॥ अ००७॥ देवन॥ अहि॥ अकानस्यआर्त्तुरुवतिरुकानपन्न॥ देवायां
॥ वर्य॥ अकानात्यनस्पतिशारुकानस्याकानादरुगरवति॥ अ००७॥ देवउस००तिस्तिरु॥ वृद्धिः
विसर्जनीयो॥ देवो॥ अरुनक्तुवहिनक्तुयानक्तुनक्तुस्यकार्यैकर्त्तुर्वहिनक्तुर्मसिद्धीत्यात्॥ मनप्र

गुः
१२

असिध्वहिनममकन२॥२

अमर्जगर्तवदितामधादुपगर्गया४कार्ममकवंगर्त

थमत्र सवर्णदीर्घः॥ अकानस्य सिद्धिस्तथा भावकाव्यः॥ कर्णः॥ वदुर्थकवचनद्व
द्वदः॥ तिष्ठति॥ इकानदित्कार्यार्थः॥ सर्वः॥ इनः॥ अकानात्यनस्य दः॥ तस्यागग
भाहवति॥ कित्वादः॥ अयः॥ दीर्घः॥ दवाय॥ नित्यानित्ययान्नित्यविधिवलवान् अतिरूपनि
राधनियमान्ति॥ ननः॥ ननः॥ पूर्ववत्॥ दवायी॥ अतिवदुत्त॥ अकानस्य उत्तरवति॥ स
सकानरुकानवपनवदुत्त॥ दवः॥ पचमकवचनद्वदः॥ तिष्ठति॥ इतिनः॥ अकाना
त्यना इतिनरुवति॥ दीर्घः॥ दवात्॥ तकानस्य कार्यार्थवाहननत्त॥ विरुक्तिपदगयस्यला
पतिनप्राप्ति॥ पूर्ववत्॥ दवायी॥ दवः॥ षष्ठकवचनद्वदः॥ तिष्ठति॥ इतिनः॥ अका
नात्यना इतिनरुवति॥ दवः॥ वदुत्तवनात्वादत्तनत्त॥ अति॥ अकानस्य उत्तरवति॥ अः

सा.ख.
१३

सिपन॥ ७ अ० ॥ दवथा॥ नूठाम॥ समाना इह न स्यामान्तागमाहवति॥ टित्वादाशे॥ अ० ॥
वत्पनवर्हितव्ये॥ ननवात्रिभूमिणादोषथैनदुपुयाग॥ तस्मान्नामिन॥ स्वन॥ ०० ॥ स्पष्टाफिन्नैरु
वति॥ उका न उच्चा न भर्था॥ नामि॥ नामिपत्रे पूर्वस्यदीर्घाहवति॥ दवाना॥ सफम्येकववनद
दि॥ ०० ॥ तिष्ठित॥ अ० ०० ॥ ७॥ द० ॥ दवथा॥ किलाखे॥ स॥ कृतस्य॥ कवर्गोदिलावपुत्याहाना इह न
स्यकनचित्सू० ॥ कृतस्य सकावस्यवकावाद० ॥ अ० ॥ द० ॥ विपत्रीरुपु० ॥ ह० ॥ स० ॥ स० ॥
षत्वनस्याह॥ नामसयान॥ आमकुरवसिद्धि॥ आमकुरव० ॥ अ० ॥ म० ॥ क० ॥ र० ॥ म० ॥ न० ॥ र्थ० ॥ विहित
॥ सिद्धिसू० ॥ अ० ॥ ॥ समाना द० ॥ ला० ॥ पा० ॥ धा० ॥ ना० ॥ समाना इह न स्या० ॥ ध० ॥ ला० ॥ पा० ॥ ह० ॥ वत्प० ॥ धा० ॥ अ० ॥
समानादिनिपद० ॥ स्वपद० ॥ व्याख्ययी॥ अ० ॥ यथा॥ ह० ॥ हा० ॥ हा० ॥ ह० ॥ ह० ॥ ह० ॥ ह० ॥ वा० ॥ पु० ॥ मी० ॥ ०० ॥ त्या० ॥ दो० ॥ वि० ॥ ना० ॥ ध०

गुनः
१३

४ स्फातु ॥ अहिमूर्खाहि विक्कथ ह भद्रा कूप याग ४ ॥ हृदव ॥ हृदवा ४ ॥ उर्वी घट पट रूत क म वा हा
मयून हंस सानस साग न व रु नू ड मृग द क ना घ व मा स प क से व सी क न प नें व त ध न रु अ स्व
क ऊ ला द या ४ प्य काना का ४ पूर्णिमा ४ द व ग द व नू ॥ ॥ अ काना काना म पि स र्वा दी ना रु वि र ग य
४ ॥ स र्व ४ ॥ वि ४ ॥ उरु ॥ उरु य ॥ अ न्य ॥ अ न्य त व ॥ ॐ न न ॥ ॐ न म ॥ उ त न ॥ उ त म ॥ क ट न ॥ क ट म
॥ स म ॥ सि म ॥ न म ॥ उ क ॥ पूर्वे ॥ प न अ व न द कि त उ र अ व न अ ध न स्व अ न न ॥ य दू त दू य दू ॥
उ त दू ॥ ॐ द म् अ द स धि कि म् यू षा दू अ स दू र व डू ॥ ॥ उ त स र्वा द य सि लि ग ४ ॥ ॥ अ य
उ त ॥ ति ति र्ग न पा धा न्य उ व स र्वा दी ना रु वि र ग यान उ र गे न त्व ॥ ति स वि ती ॥ ति लि क्ता ॥ ॐ य न
न व स र्वा त्रि य त लि म् त्व न स र्वा दी ना न वि र ग य ॥ ति ध नि ती ॥ त स्मा त्रि य ४ स र्वा य स्य त स्मै पि य स २

सा.न
१४

वोयदहीतिसुर्वोदिकार्यनरुवति॥ तथा सर्वनामा कश्चिदस्मै सर्वोयः॥ त्यक्तनस्य दसम उल्ला
र्थः॥ सर्वोपयोयः उल्लार्थत्वं॥ नारुसमायम उरावः॥ अरुपुल्लिहत्वेन नूपनयीनिर्विगमत्वात्॥
सर्वः॥ सर्वोः॥ जसी॥ सर्वोदनका ना कात्य नाजसः॥ रुवति॥ गुनः॥ भिद्वे सर्वस्य वक्यः॥ गुन
त्वात्सर्वोदगः॥ अः॥ ७॥ सर्वः॥ अस्मिन्सा नस्यत्य को नलापः॥ सर्वः॥ सर्वोः॥ सानः॥ पूसः॥ सर्वोः
न॥ पुत्रोः॥ सानरु॥ वकानन रुमवर्धत्त्यः॥ पनस्यनकाने स्पष्टका नादः॥ रुवति॥ अरुस्तिरु
स्यनरुवति॥ सर्वोनिहादो॥ अवकृष्यनपि॥ अवपत्या हा नक्षकवर्जः॥ पवर्जः॥ वमर्ध्वववः
धनपिरुतिना न्यन॥ अपिग शानुक समुच्चयार्थः॥ नननं विग्नं कष्यो व्यधीवेनपि स्यात्॥ निर्वर्त
॥ उनः॥ कः॥ उनः॥ कः॥ उनः॥ पः॥ उनः॥ स्यः॥ ०॥ तिसिद्धति॥ सर्वः॥ सर्वोः॥ सर्वोः॥ वः॥ वः॥ वः॥

गुनः
१४

कवचनसर्वदंतिस्त्रिंशत्॥सर्वोदंस्मृत॥सर्वोदंनकानाकात्यनस्यचतुर्थकवचनदंतिस्तस्य॥
स्मृतागमाहवति॥दंनकसर्वोदंस्मृतिरितिहेसुकुमारदंतिस्तस्यानवृत्तिः॥सर्वस्मै॥सर्वोत्पी॥स
र्वेत्पी॥दसिन्न॥सर्वेत्तु॥दंतिस्त्रिंशत्॥अतः॥सर्वोदंनकानाकात्यनस्यातःस्मृतागमाहवति॥
सर्वस्मात्॥सर्वोत्पी॥सर्वेत्पी॥सर्वेत्पी॥सर्वेत्पी॥सर्वेत्पी॥सर्वेत्पी॥सर्वोदंनस्यमःस्मृतागमाहवति॥
आगमायगुणीरुतासुहृदक्षनगृह्यक॥अज्ञकानाकत्वात्सर्वोदंनितिवक्तव्यमन्यथाहवतामि
त्यनुसूपाफिर्हस्यात्॥उत्त्वयत्॥सर्वेत्पी॥दिसिन्न॥सर्वोदंनकानाकात्यनादिसिन्नहवति॥
सर्वेत्पी॥सर्वेत्पी॥सर्वेत्पी॥हसर्वे॥हसर्वो॥हसर्वो॥उर्वीविष्मदीनामकगृहपर्यन्तानासर्वेत्पी
वत्तुनूपनयी॥उत्तनउत्तमोविहायतोपत्यो॥अतस्तुदकाजवगदागच्छा॥पूर्वोदीननिवानाजस

52

[illegible]

गुः
१५

उहो॥उहो॥उहायी॥उहायी॥उहया॥उहया॥हउहो॥उहयगवानि सौह्यीदिवचनाहावः
 ॥७कवचनवरुवचनरुवत॥उहय॥उहय॥उहय॥उहयान॥उहयन॥उहय॥उहयस्मे॥उ
 हयस्य॥उहयस्मात्॥उहयस्य॥उहयस्य॥उहयसी॥उहयस्मि॥उहयवू॥हउहय॥हउहय॥स
 वोदीनीसीह्यायीजनदववत॥अकानाकस्यापिमासगदस्यविगयमाह॥मासस्यालोपावा॥मा
 सगदस्याकावस्यलोपाहेवोवति॥सर्वोसुवविरुकिषूपनत॥अकानलोपकैपे॥हसय॥सलोप॥
 हसाकादीवकाच्चपवस्यसलोपाहवति॥आर्विसर्ग॥मा॥मासो॥मास॥मासो॥मासी॥मासी॥
 मासी॥मासी॥मास॥मासान॥मासा॥मासन॥आर्विसर्ग॥आदवलोप॥मासी॥मासायी॥माः
 हि॥मासे॥मास॥मासाय॥मासी॥मासायी॥मास॥मास्य॥मास॥मासात्॥मासी॥मासा

मासः

मासाः

[illegible]

७८:
१६

नउच्चा न धर्मार्थः॥ अविर्सर्गः॥ तस्य पथमेकवचनहनिः॥ ओयूँ श्रुतधूमू॥ ॐ कानाका इका नाका चयन
स्य ओयूँ आपद्यत ॐ इरुवतः॥ सवर्णदीर्घः॥ हनी॥ ॥ १॥ अजसि॥ ॐ कानाकस्य उका नाकस्य अजसिः
पने १ काने अ न श्रुवति॥ १ अयू॥ हनयः॥ ॥ २॥ ॐ कानाकस्य उका नाकस्य धिविवय १ कान
अकान श्रुवति॥ पथमता धि लापः॥ पस्य लाप पस्य यल रुही॥ हरु नी॥ हरु नी॥ हरु नयः॥ अम
सानस्य हनी॥ हनी॥ हनी न॥ पूर्ववत्॥ ॥ ३॥ अमि॥ ॐ कानाका इका नाका चयन क्षाना श्रुवति
अमिया॥ हनिधा॥ अमि यामिति किं॥ वृज्या॥ १ धन्वा॥ हनिस्याम्॥ हनिति॥ ॥ ४॥ ॐ कानाकस्य उका
नाकस्य वदिति पने १ काने अ न श्रुवतः॥ अ० ॥ १ अयू॥ हनयः॥ हनिसी॥ हनिस्यः॥ हसिदसानस्य॥
१ दश्यामुरु न रुस्य हसिदसानकास्य लापा श्रुवति॥ आशदिति॥ अविर्सर्गः॥ हनः॥ हनिसी॥ हनि

सा.न
१७

[illegible]

५२

सादं न सुदत्त स्थितिः यः ॥ १ ॥ अथ ॥ अपदा कत्वात् ॥ लापि न न वति ॥ सरवाथो ॥ सज्जधनि स्पृष्टज्जधनि
 तिपदं ॥ २ ॥ सख्युनिस्पृष्टाप्यनवरु नीये ॥ अन्यथा ह सखे ॥ ३ ॥ एकजने काभानि वार्यता ॥ द्विवचसो कोने स्वावाच्ये
 दति ॥ सखायाः ॥ सखायः ॥ सखायं ॥ सखायो ॥ सखीने ॥ सखिपत्नी नीक ॥ सखिपति मद्यथा नीक ॥
 भगमात वति ॥ दक्षिणेषु पत्रेषु ॥ कित्वादक ॥ सर्वरुद्धीर्घः सहः ॥ दीर्घत्वात् नाना वति ॥ ४ ॥ यं स्व
 न ॥ सखा ॥ पत्नी ॥ भगमज्जमनि त्यं जनि त्यं तात ॥ सखिना ॥ पतिना ॥ ५ ॥ तिष्ठे न्यसिपथाग ॥ सखिः
 स्त्री ॥ सखिनि ॥ सर्वरुद्धीर्घः सहः ॥ ६ ॥ यं स्व न ॥ सखा ॥ सखि स्त्री ॥ सखि सः ॥ सखि ॥ सखिपति म
 द्यथा भगमात वति ॥ दक्षिणसार्धकात्रपत्र ॥ कित्वादक ॥ ७ ॥ यं स्व न ॥ सख्युज्जम् ॥ तिष्ठित ॥ न
 तादृश ॥ मकाना त्वनस्पृष्टसिद्धसाधनकार स्पृष्टकानात वति ॥ सचछिद्रित्वादि लापः ॥ सख्युः ॥

सा.न
१८

पक्ष॥ सखिणां॥ सखिषु॥ सख्यु॥ पक्षु॥ सखा॥ पक्षा॥ सखीनां॥ पतीनां॥ सफभ्यकवचन॥
कनोडिखोकात्रकतसखिपक्षात्रिगितिगभगभावकव्य॥ अकन सविधिप्रतिषेधन्यायात्रस
तं॥ इतिदीर्घत्वात् लापानतवति॥ पुस्यलापपुस्यलकृ॥ ओपत्रकदभविकृतमन
नवता॥ सखा॥ पक्षा॥ पक्षा॥ सखिषु॥ पतिषु॥ एवंअनिसखिअतिसखिसूसखि॥ सखिवा
पुसखिविकसखिपेवसखिसैववत॥ तृतीयादोहनिभदवत॥ पतिभदस्पुपमाद्वितीयया
हनिभदवत्येकिया॥ तृतीयादोसखिभदवतवकव्य॥ पतिनसेमासवसखिभदवधकव्य॥
तत॥ समासाकेस्यनादयोर्तवति॥ पुजापतिना॥ पुजापतया॥ ॥ आदि॥ द्विभयानिसेधिवचनाक॥
वि॥ इतिस्मृतं॥ अदादश्चनस्यादो॥ अदादश्चनकात्रावतिस्यादोपत्र॥ अर्धनितिनिषधत्वात्

गुरुः
१८

तद्योनरुवति॥ उओउओ॥ धो॥ धो॥ घास्यी॥ घास्यी॥ घास्यी॥ दयाश॥ दयाश॥ जिमदनिस्वेवद्रवचनाकृ॥ जि
जस्त००॥ तिस्रिगं॥ एओऊर्त्ति। सकारकृतं॥ अयादभ॥ गय॥ जीन॥ गिति॥ गिरु॥ गिरु॥ अनयका
जिमदस्पअयकाद२॥ रुवतिनामिपन॥ दिदेतस्यचवकव्य॥ नामीतिदीर्घ॥ पूरुंतनक॥ अयानां॥ जि
षा॥ अतिक्राकाप्रियामुयोथवाक॥ अतिगीर्ध॥ प्रियगीर्ध॥ पनमग्यार्ध॥ ०३॥ सादानायक॥ कतिगः
दानिस्वेवद्रवचनाकृ॥ कतिमदस्पअस्तसा लुक्कव्य॥ लूकिनरुनिमिरुं लूकि सति तन्निमिरुं
कार्मनरुवती स्वर्य॥ कति॥ कति॥ कतिगि॥ कतिरु॥ कतिरु॥ कतीनी॥ कतिष॥ जिषचायेस्व
नूप॥ ॥ ०४॥ कात्रपूरिंग॥ सुगीगद॥ ॥ सुगी॥ सा र्तमानियुवा स्वन॥ धाराजिकाभा कानथा
त्रियुवा रुवतस्वनपन॥ पुन॥ स्वनग्रहणीस्वनकार्याकनव्या वृत्त्यर्थी॥ तस्मादमम शानस्वन जाम०

हि२

सा.न
१८

सादिनरुवति॥ अरुस्वतुमदं नडसयस्व न एव गच्छतां॥ ॐ सादोनरुवति॥ सुप्रियो॥ सुप्रिय॥
सुप्रियं॥ सुप्रियो॥ सुप्रियो॥ सुप्रिय॥ सुप्रिया॥ सुप्रिणी॥ सुप्रिणी॥ सुप्रिय॥ सुप्रिणी॥ सुप्रिणी॥
सुप्रिय॥ सुप्रिय॥ सुप्रिय॥ सुप्रिणी॥ सुप्रिणी॥ सुप्रिय॥ सुप्रिया॥ सुप्रियो॥ सुप्रिय॥ सुप्रिया॥
॥ सुप्रिणी॥ हसुप्रिणी॥ हसुप्रिया॥ हसुप्रिय॥ एवं वकीपनि वकीपनी जन्मी मकी जन्मी पुरु
तय॥ तथेव सुधी मय॥ ॥ कुकानाकः स्वयंरुमय॥ स्वयंरु॥ स्वयंरुवो॥ स्वयंरुव॥ स्वयंरु
वी॥ स्वयंरुवो॥ स्वयंरुव॥ स्वयंरुवः॥ स्वयंरुणी॥ स्वयंरुति॥ स्वयंरुव॥ स्वयंरुणी॥ स्वयंरुसं
विष्णादि॥ ॥ सुनानी मयस्य विरमधा हसादी स्वनादी गुर्विरमय॥ ॐ काम उच्चानमार्थ॥ अविस्
मय॥ सुनानी॥ श्रीवा॥ धाता नवयवसंयोगं पूर्वोयस्मादीकाना इकाना नाना कितदन्तस्यानं कस्वनः

गुरुः
१८

संकाजस्थानकाजस्ययकाजवकाजोतवत॥ स्वपय॥ वर्षा रूपूनरुव्यतिनिकरुगदसुधीमशोवर्जि
यित्वावीयुह॥ दियेविवका॥ सनान्यो॥ सनान्य॥ सनान्यी॥ सनान्यो॥ सनान्य॥ सनान्या॥ सनानीयां
सनानीरि॥ सनान्य॥ सनानीयां॥ सनानीय॥ सनान्य॥ सनानीयां॥ सनानीय॥ सनान्य॥ सनान्या
॥ सनान्योदीनांवामानूजगभावकव्य॥ सनानीयां॥ सनानीनी॥ सफम्यकवचनसनानी॥ तिस्ति
॥ आम्हदियथा॥ आवकादीवकान्नीमदावाहनस्यठनामाद॥ आवति॥ आम्हनियम॥ तिस्तिगुंम
मृदिती॥ रुनाम्॥ तिस्तिवकव्य॥ कवलस्यान्न॥ पुथमैपुथोगा॥ रुनामानदुकावितिस्तिचित्ती॥ सनानी॥ स
नान्या॥ सनानीया॥ हसनानी॥ हसनानी॥ हसनान्य॥ ॥ नी॥ नियो॥ निय॥ नियमित्यादि॥ लू॥
लू॥ लूव॥ लूवा॥ लूयी॥ लूतिनित्यादि॥ वर्षा रूप॥ वर्षा रूप॥ वर्षा रूप॥ वर्षा रूपमित्यादि॥ हखलपू॥

सा. न
२०

एवं वसुहू नग्नहूपूनरुं भवदश॥ गामधी भवदश सना नी भवदवत्॥ वातप्रमी॥ अमी वातप्रमी विद्या कः
सिवातप्रमी निति॥ दो गुवातप्रमी भवदश सना नी भवदवत्॥ यवल्गु॥ यवल्गु॥ यवल्गु॥ हयवल्गु॥
००॥ सादि॥ ॥ सका नदश पूरुगिगश पिरु भवदश॥ सना॥ सको नाका सनस्य सना रवति॥ सच डि त डि त्वा
दि लापश॥ पिता॥ अनपथस॥ सका ना अनरवति॥ पथसपथपु॥ पितृ गो॥ पितृ न॥ रधनने॥ स
का ना का सनस्य रधनने रवति॥ सच डि त डि त्वा दि लापश॥ हपितृ॥ अमसे सा नस्य॥ सानपु स॥ भ
मि॥ पितृ न॥ पितृ गो॥ पितृ न॥ अन॥ हसहस॥ पिता॥ पितृ स्यां॥ पितृ शि॥ पूर्ववत्॥ पितृ॥ पि
रु स्या॥ पितृ स॥ सता कडे॥ पितृ॥ पितृ सी॥ पितृ स॥ पितृ॥ पितृ॥ नृणाम॥ नामि॥ पितृ न
नके॥ पितृ॥ ०॥ सका नस्या नरवति को पथ॥ पितृ मि॥ पितृ॥ पितृ॥ नृणां नामि निदीर्घ॥

गु.
२०

मसिरुपत्यवहूलावालावाहू९

39

गुनः
३१

नाका रगगद॥ ३॥ ओ नो ॥ ३॥ अकानस्यो कानाद रगग रुवति पच सस्यादिषूपनषू ॥ रगे ॥ ३॥ आव ॥ गवो ॥
गव॥ ४॥ ह रगे ॥ ४॥ आमुगसि ॥ ३॥ अकानस्यात्वं रुवति अमिगसि वपन ॥ सामान्यता विरग वावनवान् ॥ गं
॥ गवो ॥ ग॥ ४॥ ७ कदग विहं न मनन्यवत् ॥ ७०० ति न्यायात् ॥ कसमास ॥ ४॥ गस ॥ सकानस्यन कानाद
रग रुवति ॥ रगनूत्तु कन्दसि ॥ सान ४ प्स ॥ ४॥ अमुगसानस्यन स्यात् ॥ ३॥ अव ॥ गवा ॥ रग रयी ॥ रग रि ॥
गव ॥ रग रयी ॥ रग रयी ॥ ४॥ सि हसानस्य त्य कानलाप ॥ ४॥ रग ॥ रग रयी ॥ रग रयी ॥ रग ॥ गवा ॥ गवा ॥
कन्दसि रगनूत्तु वक्य ॥ ४॥ अरुवर्ह मास्य रगगदस्य आनू अगमा रुवति ॥ रगनी ॥ गवि ॥ गवा ॥
रगषू ॥ ह रग ॥ ह गवो ॥ ह गव ॥ ७ वीसूयो गद ॥ ३॥ अकानाका रगे गद ॥ तस्य हसा दो व विरग य ॥
॥ स्वनादावावा दग ॥ ४॥ रगे ॥ रगवो ॥ रगव ॥ रगवी ॥ रगवो ॥ रगव ॥ रगवा ॥ रगे रयी ॥ रगे रि ॥ रग

[illegible]

शान्त
३३

ॐ नमो कतना कतमा समा सिमा नमा एका पूर्वोपना दकिष्ठा उरुना अपना अधना स्वा
 मूकना ॥ विंध्यस्ये ॐ त्यादि ॥ जनाया स्वनादी जनस्वावकव्य ॥ जना ॥ जनसो ॥ जन ॥ अतिजन
 सी ॐ तिक विह ॥ कन्मर आवीतत्वन ॐ का नरु कपश्च जनसादग ॥ जनस ॥ जना ॥ हजन ॥ ह
 जन ॥ हजनसो ॥ हजनस ॥ हजना ॥ जनी ॥ जनसी ॥ जनसो ॥ जने ॥ जनस ॥ जना ॥ जनया ॥ ज
 नसा ॥ जनार्या ॥ जनाहि ॥ जनार्ये ॥ जनस ॥ जनार्या ॥ जनार्य ॥ जनाया ॥ जनस ॥ जनार्या
 ॥ जनार्य ॥ जनार्या ॥ जनस ॥ जनया ॥ जनसा ॥ जनाधी ॥ जनसी ॥ जनार्या ॥ जनसि ॥ जनया
 ॥ जनसा ॥ जनासू ॥ ॐ कानाक ॥ मुनि ॥ वृद्धिग ॥ वृद्धिग ॥ तस्यपथमादितीयायाहनिगवतय
 क्रिया ॥ वृद्धि ॥ वृद्धी ॥ वृद्धय ॥ वृद्धि ॥ वृद्धी ॥ वृद्धी ॥ वृद्धी ॥ वृद्धी ॥ वृद्धी ॥ ॐ यस्वेन

गुनः
२३

॥ वृद्ध्या ॥ वृद्धिर्लसी ॥ वृद्धिर्लसी ॥ ॐ इत्युक्त्या ॥ सुयौर्वर्हमानास्योमिका भा कानास्योपनषांदिताः
वचनानां वा जग माह वति ॥ ॐ यस्वन ॥ स्वनहीनपनषां संया र्क ॥ उवेने ॥ वृद्धो ॥ दिति ॥ वृद्धय ॥ २
वृद्धिर्लसी ॥ वृद्धिर्लसी ॥ वृद्ध्या ॥ वृद्धिर्लसी ॥ वृद्धिर्लसी ॥ वृद्ध्या ॥ वृद्ध ॥ वृद्धिर्लसी ॥ वृद्धिर्लसी ॥ वृद्ध्या
वृद्ध ॥ वृद्धिर्लसी ॥ वृद्धिर्लसी ॥ वृद्ध्या ॥ वृद्ध ॥ वृद्ध्या ॥ नृजाम ॥ नामि ॥ वृद्धीनी ॥ सुयौर्वर्ह
॥ ॐ ध्रुव ॥ तस्मादिवर्हना इवर्हना च सुयौर्वर्हमानास्योपनषांदिताः नामादरगाहवति ॥
वृद्ध्या ॥ अजग माहव आमया हाव ॥ अजग मायुहीरुता सुकुहृद नगृक न ॥ वृद्धो ॥ अ
सादेहवर्ह्या ददा अगृतदेव वति ॥ वृद्ध्या ॥ वृद्धिषू ॥ हवृद्ध ॥ एवमिति रूति धृति नृदिग
तिग किपुहृतय ॥ एवर्धन न रूपहृतयो ॥ पुकानाको ॥ सुलिता ॥ एवमवसूति सिध्य

सावस्व
२४

[illegible]

गुनः
२४

गमा रुवति॥ॐ यस्वन॥ॐ नद्ये॥नदीर्या॥नदीर्य॥नद्या॥नदीर्या॥नदीर्य॥नद्या॥न
द्या॥नजम॥नदीनी॥नघी॥नधा॥नेदीपू॥किंलाखंस॥एवंगेगीसनस्वतीवाक्कधीवेन
नमीरागीनथीहूमवतीकिंलानीप्रहरय॥एवंभवसु॥सिद्धाकिं॥लकी॥गदस्पवतत्वायाः
वास्तोपांनाम्नि॥लकी॥लकी॥लकी॥लोऊस्व॥हलकिं॥गर्वनदीवत॥॥स्त्रीग
दस्पवतत्वास्तोपांनाम्नि॥स्त्री॥स्त्रीकुवा॥स्त्रीगदस्पकुगदस्पवस्वनपनॐयूवोरुवत॥क्रि
यो॥क्रियु॥हृन्दि॥वामगति॥अमिगतिबपनस्त्रीगदगदस्पकुगदस्पवदेयूवोरुवत॥
स्त्री॥क्रियो॥क्रिय॥क्रिय॥स्त्री॥क्रिया॥स्त्रीर्या॥स्त्रीहि॥पूर्ववत्सुगदअटपश्चादियादग
॥क्रिये॥स्त्रीर्या॥स्त्रीर्य॥क्रिया॥स्त्रीर्या॥स्त्रीर्य॥क्रिया॥क्रिया॥स्त्रीर्षा॥क्रियार्षा॥क्रिया

सानस्व
२५

॥ स्त्रीषू ॥ ७ वीं श्री गद ॥ ॥ श्री ॥ श्रियो ॥ श्रिय ॥ श्रिय ॥ श्रियो ॥ श्रिय ॥ श्रिया ॥ श्रीर्या ॥ श्री
रि ॥ वयूवं ॥ ॐ यूवकालि यवर्ह माना द्वादि गविव नाना मजग माहवति ॥ श्रियो ॥ श्रिय ॥
श्रीर्या ॥ श्रीर्या ॥ श्रिय ॥ श्रिया ॥ श्रीर्या ॥ श्रीर्या ॥ श्रिय ॥ श्रिया ॥ श्रियो ॥ अदीनी वाने मोः
वकव्य ॥ श्रीर्या ॥ श्रीर्या ॥ ६ नाम ॥ अदीना मूलन स्य ६ नामाद रग रवति ॥ श्रियो ॥ अजग
माहाव आ माप्य राव ॥ श्रियि ॥ श्रिया ॥ श्रीर्या ॥ हृगी ॥ ७ वीं श्री गद नया ॥ पानि वका ॥ अ
वीर कीर नील क्री धी श्री मूलादि न ॥ सफा ना मवग दानि सुलापान कदावन ॥ ७ वीं
रुगद ॥ रुगद वधू जम्वादीना कुनदी गदवत ॥ नृप नर्या ॥ ॐ कान उच्चा नमर्थ ॥ श्री
विमर्ज ॥ वधू ॥ उवी ॥ वरक्षी ॥ वधू ॥ वधू ॥ वरक्षी ॥ वधू ॥ रक्षी ॥ हवधू ॥ वधू ॥ व

गुनः
२५

धूर्या॥वधूति॥दितामत्॥वरधे॥वधूर्या॥वधूर्या॥वधू॥वधूर्या॥वधूर्या॥वधू॥व
धू॥वधूनी॥वधू॥वरधू॥वधू॥ॐ त्यादि॥मातृगदस्यपिहगदवत्पुक्रिया॥माता॥मा
तृनी॥मातृज॥मातृनी॥मातृनी॥मातृ॥गसीतिदीर्घत्वी॥कुलिर्नित्वात्रत्वासावावि॥गव॥स्व
हगदस्यकृत्गदवत्पुक्रिया॥नेकानोक्त॥कुलि॥मात्रेगद॥तस्यसन्नेगदवत्पुक्रिया॥॥ग
गदस्यपूर्ववत्॥॥गो॥गवो॥गव॥ॐ त्यादि॥नोगदस्य॥नोगदवत्॥नो॥नावो॥नाव॥
ॐ त्यादि॥॥गर्वपूर्ववत्॥ ॥ॐ ति॥अनृतिस्वनृपाचार्यकृतंसाजस्वतीग॥स्वना
का॥कुलि॥मा॥ ॥अथस्वनाकानपूतकलि॥॥पद॥॥तुअकावाक॥कृगेहेले
॥तस्यप्रथमाद्वितीयकवचन॥अमाअम॥अकानाकानपूतकलि॥गत्यनया॥स्यभाजमूवः

न्य॥अन्यानि॥ २॥नृमदीर्घ॥ॐ तनत्॥ॐ तन॥ॐ नोतेति॥ २॥अन्यतनत्॥अन्यतन॥अ
न्यतनाति॥ २॥कतचत्॥कतव॥कतजाति॥ २॥कतमत्॥कतम॥कतमानि॥ २॥गर्भपूर्व
वत्॥ॐ कानाकाऽस्तिगद॥नपुंसकादस्यमाल्लुक्॥नपुंसकेलिङ्गात्यनयाऽस्यमाल्लुक्वति॥अ
स्ति॥युष्मी॥ॐ कानाकस्यउकानाकस्यमकानाकस्यवनपुंसकरधोवागुरधवकष्य॥हज्जस्व॥
हज्जस्वि॥उकैहि॥सन्धाधनरुगनसस्तिनृपसार्कतथानाकमथप्यदन्॥माध्मीदिनिर्वेष्टिगु
र्ध्वलिङ्गकनपुंसकव्याघ्रवदावनिष्ठ॥उगनर्सी॥उगनसपुनर्दृगस्रज्जन्त्यहस्॥ॐ त्यक्तवसि
र्ध्वजहवति॥ठित्वाट्टिलाप॥उगना॥हउगन॥हउगनन्॥हउगन॥हॐ तिपुन॥ॐ गक
नपुंसकगुर्ध्ववष्टि॥हवान॥हवानि॥हमरध॥हमध॥हकल्॥हकल्॥ॐ त्यादि॥नामिन

सा.न
२१

४ स्वने ॥ नाम्यनस्यनपसकलिमस्यनमागमारुवति ॥ स्वनेपन ॥ अश्वविवरुकिस्वनेपन
गृकन ॥ ननदद्युत्त्यादोनमो ॥ अस्तिनी ॥ नापधयादीर्घ ॥ अस्तीनि ॥ २ ॥ अस्तीनि ॥
॥ अस्तीनीनामागमारुवति ॥ ॐ कानस्यवाकानादरुगमारुवति ॥ दादोस्वनेपन ॥ अस्तीनी
नीटादीस्वनेपननामिन ४ स्वने ॥ ॐ कानस्यवा ॥ अस्तीनी ॥ अस्तीनी ॥ अस्तीनी ॥ अस्तीनी ॥
धया अस्तीनीनामागमारुवति ॥ गमादीस्वनेपनतद्वि ॥ ॐ कानस्यवा ॥ ॥ मकान
वकानाकसंयागमारुवति ॥ अस्तीनी ॥ अस्तीनी ॥ अस्तीनी ॥ अस्तीनी ॥ अस्तीनी ॥ अस्तीनी ॥
स्तीनी ॥ अस्तीनी ॥ अस्तीनी ॥ अस्तीनी ॥ अस्तीनी ॥ अस्तीनी ॥ अस्तीनी ॥ अस्तीनी ॥ अस्तीनी ॥
अस्तीनीनामागमारुवति ॥ अस्तीनी ॥ अस्तीनी ॥ अस्तीनी ॥ अस्तीनी ॥ अस्तीनी ॥ अस्तीनी ॥ अस्तीनी ॥

गुन ४
२१

नि॥ वानिधि॥ वानीधि॥ २॥ नपूसकस्य ऊस्व॥ नपूसकस्य ऊस्वा रुवति॥ अमधिकर्त॥ स्वना
शोनामिनः स्वनः॥ तिनूमागः॥ अमधि॥ अमधिनी॥ अमधीनि॥ २॥ यदावृक्षपूस्वपूर्ववद्वा॥
उक्षपूस्वनाम्यनूतनपूसकलीगिटादीस्वत्रपत्रपूर्ववद्वा रुवति॥ अमध्व॥ अमधिना॥ अमधिर्या
॥ अमधिरि॥ अमधिना॥ अमध्व॥ अमधिर्या॥ अमधिर्य॥ अमध्व॥ अमधिनः॥ अमधिः
र्या॥ अमधिर्य॥ अमध्व॥ अमधिनः॥ अमधिना॥ अमध्व॥ नमः कस्यापि दीर्घ॥ अमधि
नी॥ अमध्व॥ अमधिनि॥ अमध्व॥ अमधिना॥ अमध्व॥ अमधिषू॥ पूर्वदहावैपवात्यकः
नामिनः स्वनः॥ तिनूमागः॥ सामपी॥ सामपा॥ सामपाधि॥ २॥ गवर्धदववत्॥ उकावाकीमधू
गद॥ गस्यापि स्वत्रपत्रे नूमागमः॥ मधू॥ मधूनि॥ मधूनि॥ २॥ नामिनः स्वनः॥ तिनूमागमः॥

सा. स्व
२८

॥ मधूना ॥ मधूत्या ॥ मधूहि ॥ मधून ॥ मधूत्या ॥ मधूत्य ॥ ॐ त्यादि ॥ ह मधू ॥ मकानाक ॥ क ह ग द
॥ क ह ॥ नामिन ॥ स्व न ॥ क ह ति ॥ क ह ति ॥ २ ॥ ह क ह ॥ क ह सा ॥ क ऊ ॥ क ह त्या ॥ क ह ति ॥
क ह ॥ क ह त्या ॥ क ह त्य ॥ ॐ त्यादि ॥ र म धी पूर्व व ॥ ने कानाका अति ने ग द ॥ ऊ स्वा द र म स ध
क ना ध मि कानाका ना व क थो ॥ ना य म ति का क म ति नि क ली ॥ अ ति ति ॥ अ ति नि धी ॥ अ ति नी ति ॥
अ ति नि धि ॥ ॐ त्यादि ॥ अ कानाक उप र म ग द ॥ ऊ स्वा द र म स ध क ना ध मि ति ॥ उप गु ॥ उप गु
नी ॥ उप गु ति ॥ २ ॥ उप गु धा ॥ उप ग वा ॥ ॐ त्यादि ॥ अ कानाका अ ति ने ग द ॥ ना व म ति का क य
ऊ ली न द ति नू ऊ ली ॥ अ ति नू ॥ अ ति नू नी ॥ अ ति नू नि ॥ २ ॥ अ ति नू ना ॥ अ ति न वा ॥ ॐ त्यादि ॥ सर्व
नामिन ॥ स्व न ॥ ॐ ति नू म क पूर्व हा वा रु व मि स्व न प न ॥ ॥ ॐ ति गी अ नू ह मि स्व न पा वा र्य व

गु न ॥
२८

होस्व नानानपुंसकलिमां॥॥ अथ हसानां प्रलीगं पदार्थं ॥ तज्जह कानाका अनङ्ग
हगद॥ पञ्चस्वने इह आमागमावकव्य॥ मिदीयास्वेनात्यनावकव्य॥ सावन इह॥ अनङ्ग
हगदस्य सोपने नूमागमावति॥ हसप॥ सलोप॥ सयोगाकस्य लाप॥ सयोगाकस्य पदस्य
लापावति न संपदाकव॥ अनङ्गात्॥ नृन्निधानसामर्थ्यं॥ वसति सति दत्तालाव॥ यद्वाक
तपिदका न सयोगाकस्य लापाक नूपवेपनीत्य॥ अनङ्गाहो॥ अनङ्गाह॥ धावम॥ अनङ्ग
दस्य धोपने नूमागमावति॥ उर्वी॥ हसाङ्गलोप॥ हसाङ्गहनस्य ङलोपावति॥ ह अनङ्ग
न॥ ह अनङ्गाहो॥ ह अनङ्गाह॥ अनङ्गाहो॥ अनङ्गाहो॥ अनङ्गह॥ अनङ्गाह॥ वसति स॥ वीस
मुस धीस अनङ्गहो॥ तस्य दत्तं॥ न संपदाकव॥ अनङ्गाहो॥ अनङ्गाहो॥ अनङ्गाहो॥

विनामावसानम्॥ वक्ष्ये नाम ता वाज्रवसानसंस्तुत्या ५ =

वर्द्धना मरुवा मरुता नमः ५=

सा.ख
२९

[illegible]

गुन ४
२९

रगधूर्गा॥ रगधूरि॥ रगधूरि॥ रगइह॥ रगधूर्गा॥ रगधूर्गा॥ रगधूर्य॥ रगधूर्य॥
 रगइह॥ रगधूर्गा॥ रगधूर्य॥ रगइह॥ रगइहा॥ रगइही॥ रगइहि॥ रगइहा॥ रादघ
 ४ आदिजवानामिति धका जकन॥ रगधूयसुंतिस्त्रि॥ रवसचपामसानांमिनिकर्त्त॥ किला
 ख४स४॥ सुंतिषर्त्त॥ कषर्त्तया रगक्र४॥ रगधूकु॥ रगधूसू॥ मधूलिहगदस्य रुद४॥ हाट४॥ धा
 ताहका न स्पटल्वरुवनि॥ मसपनना मन्ध्रन स पदान्कच॥ वावसाना मधूनिद्र॥ मधूडू॥ म
 धूनिहो॥ मधूविह४॥ मधूनिहा॥ मधूनिश्या॥ मधूनिश्रिनिश्यादि॥ हाट स्वसचपामसानां॥
 मधूनिश्रु॥ लानैवहनीति लानवाङ्॥ लानवाहगस्य रुद४॥ गसा दोडु विरगव४॥ वाहावी॥ वा
 हावागदस्यो कानाद रगरुनि॥ गसा दोखनपन॥ लानोह४॥ लानोहा॥ लानवाश्या॥ लान

सा.सु.
३२

वाहिः॥रात्रोह॥रात्रवाश्यामित्यादि॥उर्वपृष्ठवाहगद॥पृष्ठोह॥पृष्ठोहा॥पृष्ठवाश्यामि
पृष्ठवाहिनित्यादि॥वानिवागदस्यरुद॥अवर्णोद॥अवर्णवर्णोदस्यनस्यवाहावा
वागदस्यउर्वरवति॥गसाक्षोस्वन्नपन्न॥वायूह॥वायूहा॥वानिवाश्या॥वानिवाहिः॥ॐ
दि॥उर्वगानिवाहगद॥कुलासाहगदस्यरुद॥सह॥वसादि॥सादिनृपसति सहसकान
स्यवकात्राद॥गहवतिनसपदान्कव॥कुलावाड॥कुलावाट॥कुलासाही॥कुलासाह॥ॐ
त्यादि॥मिगुद्रहगदस्यरुद॥डहादीनांघत्वत्त्ववा॥डहादीनांघहनांघत्वत्त्ववाहवति
॥धकाजसपन्ननामन्नश्चनसपदान्कव॥मिगुधुक॥मिगुधुग॥मिगुधुज॥मिगुधुट॥मिगुड
हो॥मिगुडह॥मिगुडही॥मिगुडहो॥मिगुडह॥मिगुडहा॥रुकात्राक्षोघत्वत्त्वककमस

गुनु४
३६

ऊवा॥ मिश्रधुर्ग्या॥ मिश्रधुर्ग्या॥ मिश्रधुर्ग्या॥ मिश्रधुर्ग्या॥ खसचपामसानी॥ मिश्रधुर्ग्या॥ मि
 श्रधुर्ग्या॥ ॐ ह्यादि॥ तथा तत्त्वमहादयः॥ नरुक्तुनगदानीत्येव वरुवचनाकः॥ चतुर्वाः
 श्रीव॥ चतुर्नगदस्यामागमावति॥ पञ्चसुपनधूरगौव॥ मिदं ह्यास्वनात्यभावकव्यः॥ उर्व
 ॥ चत्वाजः॥ चतुर्जः॥ चतुर्गुः॥ चतुर्गुः॥ चतुर्गुः॥ नःसर्यायाः॥ नरुक्तुनगदानीत्येव वरुवचनाकः॥ चतुर्वाः
 मानुजगमावति॥ चतुर्गुः॥ चतुर्गुः॥ पञ्चस्वितिविरगवधाम्स्त्रीपुलिङ्गः॥ समाननूपसमास
 प्रिय॥ चत्वाजोयस्यासावाप्रियवत्वाः॥ प्रियवत्वाजः॥ प्रियवत्वाजः॥ दावामितिसूक्तककस्य
 वनरुस्यसफमीवरुववनपनविसर्गः॥ नान्यस्यनितिवकव्यः॥ तस्माच्चतुर्गुः॥ चतुर्गुः॥ चतुर्गुः॥ चतुर्गुः॥
 नकानाकीनाजन्गवदः॥ तस्यनापधया॥ चतुर्गुः॥ चतुर्गुः॥ चतुर्गुः॥ चतुर्गुः॥ चतुर्गुः॥ चतुर्गुः॥ चतुर्गुः॥
 २६३

सा.स्य
३९

नस्यानागमयस्यलापश्रुतवति॥नमपदाकृवाधो॥नाजा॥अनागमयस्यतिनामाकस्येवाप
लकर्मनप्रभानसीत्यादीनलापश्रु॥नाजानो॥नाजान॥अध्वानिविनिविशषधत॥रुनाऊ
न॥नाजान॥नाजानो॥अध्वानप॥स्वभ्रमयूकाद्युगधो॥सा॥धृति॥धृतिनिकानस्यऊकान
॥ज॥रु॥रु॥जकानऊकानसीत्यादीनाहवति॥नारु॥नारु॥लोपशिपूतनर्तसंधिनिमित्तनियमा
दहीत्यादीनहवति॥नकुसन्धिप्रकनध॥वपपत्रि॥नवर्त॥विना॥ध॥पूर्वकार्यो॥नाऊर्यो॥
नाऊरि॥नारु॥नाऊर्यो॥नाऊर्य॥नारु॥नारु॥नारु॥नारु॥नारु॥नारु॥नारु॥
नारु॥वधा॥नारु॥नाऊनि॥नारु॥नारु॥नारु॥नारु॥नारु॥नारु॥नारु॥
अम्वयूकानिविनिविशषधत॥यका॥यकानो॥यकान॥यकान॥यकानो॥यकानो॥यकान॥

गुन॥
३९

यकना॥ यकसी॥ यकहि॥ सधम्मने॥ सधम्मना॥ आत्मन॥ आत्मना॥ आत्मसी॥ आत्महि॥ आ
त्मनेत्यादि॥ धनयूवनमघवनगघानापच॥ सूत्राजन्गद्वत्पुक्रिया॥ गसाहोविभय॥ ग्वाहवउ
॥ ग्वाहगत्तयनस्यवकानस्यउत्तवतिस्वनपत्रतद्धि॥ ००० पि००० कात्रव॥ गुन॥ गुना॥ ग्वासी॥ ग्वा
हि॥ ००० त्यादि॥ यूवनगद्वुवकानस्यात्तकनसवर्त्तदीर्घ॥ सह॥ यून॥ यूना॥ यूवसी॥ ००० त्यादि॥ म
घवनगद्वुवकानस्यात्तकन॥ उअ॥ मघान॥ मघाना॥ मघवत्यामित्यादि॥ पथिन्गद्वस्यहद॥
००० त्यादि॥ पथ्यादीनीमिकानस्याकानाद॥ ग्वाहवति॥ पच॥ सूत्यादिषूपवष॥ पथन्सि००० ति
हि॥ ००० त्यादि॥ पथ्यादीनीटिनात्तवति॥ सोपेनेवे॥ पथ्या॥ टिनात्तविधसोनेमथ्या॥ सि००० त्यादि॥ प
न्धानो॥ पन्धान॥ तस्यसन्धाधनहपथिन्॥ पन्धानी॥ पन्धानो॥ पथ्या॥ टि००० त्यादि॥ पन्धानो॥

मा.सं.
३२

[illegible]

गुणः
३२

पूषो द्योति ला पावटि कबिहू॥ उरय विल्पन नूप ययी॥ पूषि॥ पूषहि॥ पूषि॥ एव अर्यमा॥ अर्यमरहो॥ अर्यमहा॥ अर्यमही॥ अर्यमहो॥ अर्यमना॥ अर्यमना॥ अर्यमना॥ अर्यमना॥
ॐ ह्यादि॥ अर्यमि॥ अर्यमनि॥ सखागदा॥ पच३ न प्रहृतयाव हवचना कास्त्रिषूस्व नूपा॥
पच३ न जसू॥ तिस्त्रि॥ जसू॥ सा लूक्॥ षका नानका नाना सखाया॥ पच३ न यार्जग सा लूक्
कृतवति॥ लूकि न तन्निमिती॥ लूकि सति तन्निमिती कार्यं न कृतवति॥ पच३॥ पच३॥ पच३॥
॥ पच३॥ पच३॥ २॥ ॥ ॥ षका नानका नाना सखाया॥ पच३ न स्यामान् जगभा कृतवति॥ सखागस्यैः
के लोप॥ नामी नामि पच३॥ पच३॥ पच३॥ एव सफन न वन्दन प्रहृतय॥ पच३ म प
च३॥ प्रिय॥ पच३ यस्या सा प्रिय पच३॥ प्रिय पच३॥ प्रिय पच३॥ प्रिय पच३॥ प्रिय पच३॥

[illegible]

सा.सु.
३४

॥ तस्य न स पदा रुचादिज्वा नामिति रुकावः ॥ वावसाने ॥ गत्व कुतू ॥ गत्व कुद् ॥ गत्व वूर्ध्व ॥ ग
त्व वृद्ध ॥ रुगत्व कुतू ॥ रुगत्व कुद् ॥ गत्व वूर्ध्व ॥ गत्व वूर्ध्व ॥ गत्व वृद्ध ॥ गत्व वृद्ध ॥ गत्व कुर्षा ॥ ग
त्व कुहि ॥ गत्व वृद्ध ॥ गत्व कुर्षा ॥ गत्व कुर्षा ॥ गत्व वृद्ध ॥ खसेव पा मसानां ॥ गत्व कुत्स् ॥ जकाना
रु ॥ समाज्जगद् ॥ मानाजि समको ॥ किंव रुनाजनीपत्रमस्य मप्रवस्यात् ॥ कृगनाजादयः ॥
कुकानारुस्य षकानारुस्य गकानारुस्य वनाज्यज्जुस्रज्जुमृज्जुजाजादश्च षका नाहवति ॥ धगा
मे सपत्रनाश्रुन सपदा रुच ॥ यस्य षत्वमाख्या दादो तुलनिधधार्थ ॥ नन दहीत्यादौ तुलनेन हव
ति ॥ द्विट् ॥ अट्टट् ॥ ॐ त्यादौ तुल्ल्यादव ॥ अथ वाक्कविदी गजेभ्यर्त्य ॐ त्यस्य निवादी ॐ इष्ट ॐ
ति प्रयागे छग यद्यादिना कृत षत्वंधाउ ॐ लूनन दत्वमाहूदिति रूपयित्री ॥ वाउठ ॥ वकानस्य

गुनः
३४

७

वि०

सा.सू.
३५

स॥ मो॥ न॥ त॥ मो॥ तान्॥ नन॥ तार्षी॥ त॥ तस्मै॥ तार्षी॥ तस्य॥ तस्मात्॥ तार्षी॥ तस्य छं छं
॥ तस्य॥ तया॥ तया॥ तस्मिन्॥ तया॥ तयू॥ जर्वी॥ य॥ यो॥ य॥ यी॥ यो॥ यान्॥ जव॥ छं छं
जतो॥ जत॥ जतदन्वादर्गद्वितीयाटीस्वनादर्गवावकाव्य॥ उक्तस्य पूनन्किन्वादर्ग॥ छं छं
॥ जती॥ जनी॥ जतो॥ जतो॥ जतान्॥ जनान्॥ जनन॥ जनन॥ जतया॥ जनया॥ ॐ स्वादि॥ छं छं
छकात्राकस्तुत्वाष्ट॥ ॥ छगनाजाद॥ व॥ वा॥ वावसान॥ तत्त्वपाद॥ तत्त्वपाद
॥ तत्त्वपाद॥ तत्त्वपाद॥ तत्त्वपाद॥ ॐ स्वादि॥ थकात्राकाऽग्निमथुगद॥ वा
वसान॥ अग्निमत्॥ प्रत्याहाजस्य सीर्यानियमस्तु तास्तीति वचनाच्छथ० खरुनचिदक
पाजउदगवा॥ व॥ अग्निमत्॥ अग्निमत्॥ अग्निमत्॥ ॐ स्वादि॥ खसवपा

गुनः
३५

मसानी॥ अग्निमत्स॥ चकावाक॥ पत्तवृग॥ ४॥ अ॥ २॥ ४॥ प॥ ३॥ स॥ न॥ च॥ क॥ व॥ ४॥ मि॥ द॥ न॥ य॥ त्स्व॥ ना॥ त्प॥ न॥
 व॥ क॥ व॥ ४॥ प॥ त्प॥ न॥ व॥ सि॥ ०॥ ति॥ लि॥ न॥ ॥ क॥ ४॥ व॥ रि॥ ४॥ नि॥ ति॥ व॥ त्स्व॥ न॥ ७॥ का॥ न॥ ४॥ स॥ या॥ ग॥ न॥ स॥ य॥ ला॥ प॥ ४॥ व॥ का॥
 ला॥ प॥ ४॥ वा॥ ४॥ क॥ ४॥ व॥ व॥ र्ग॥ न॥ स॥ क॥ व॥ र्ग॥ न॥ द॥ र॥ ग॥ त॥ व॥ ति॥ ॥ ध॥ ग॥ म॥ स॥ प॥ न॥ ना॥ म॥ न॥ न॥ स॥ प॥ द॥ न॥ व॥ ॥ य॥ थ॥ स॥
 र॥ व॥ न॥ द॥ का॥ न॥ ४॥ प॥ त्प॥ ४॥ प॥ त्प॥ २॥ व॥ ३॥ ॥ प॥ त्प॥ ३॥ ४॥ ॥ र॥ प॥ त्प॥ ४॥ ॥ प॥ त्प॥ २॥ व॥ ३॥ ॥ अ॥ २॥ ३॥ ला॥ पा॥ दी॥ र्घ॥
 ॥ अ॥ २॥ ३॥ न॥ का॥ स॥ य॥ ला॥ पा॥ र॥ व॥ ति॥ ॥ प॥ र्घ॥ व॥ द॥ी॥ स॥ य॥ र्घ॥ ४॥ स॥ ग॥ म॥ दो॥ स्त॥ न॥ प॥ न॥ न॥ छि॥ न॥ ०॥ ०॥ पि॥ का॥ न॥ व॥ ॥ प॥
 ती॥ व॥ ४॥ प्र॥ ती॥ वा॥ ॥ नि॥ मि॥ ला॥ रा॥ वा॥ ने॥ मि॥ लि॥ क॥ स्या॥ प॥ रा॥ व॥ ४॥ वा॥ क॥ ४॥ म॥ रु॥ रु॥ वा॥ ४॥ प॥ त्प॥ ग॥ ली॥ ॥ प॥ त्प॥ रि॥ ४॥
 ॥ वा॥ ४॥ क॥ ४॥ कि॥ ला॥ त्स्व॥ ४॥ स॥ ४॥ प॥ त्प॥ क॥ ॥ न॥ छि॥ न॥ ॥ प्र॥ ती॥ वी॥ न॥ ४॥ ०॥ पि॥ ॥ प्र॥ ती॥ वी॥ ॥ ०॥ का॥ न॥ ॥ प॥ त्प॥
 ॥ व॥ क॥ ॥ प्र॥ ति॥ वी॥ ॥ प॥ त्प॥ वि॥ ३॥ ॥ ०॥ त्या॥ दि॥ ॥ ॥ वी॥ ति॥ र्य॥ व॥ प॥ रु॥ त॥ य॥ ४॥ ति॥ र्य॥ द॥ ॥ ति॥ र्य॥ २॥ व॥ ३॥ ॥ ति॥ र्य॥

न२

सा.स्य.
३६

सा.स्य.
३६

和

गुनः
३६

ना. २

३

सा.ख.
३७

[illegible]

गुनः
३७

हा हवति न स पदा न व ॥ सि ला प ४ ॥ वा र्चि स र्ग ४ ॥ दा ४ ॥ दा घो ॥ दा घ ४ ॥ दा ष ४ ॥ दा र्घ ॥ दा घो ॥ म २
 सा दो स्व न प न ३ ना न ना व क व ४ ॥ दा घ ४ ॥ दा क ४ ॥ दा वा ॥ दा क् ॥ दा र्घा ॥ दा र्घ ४ ॥ दा घ ॥ दा क् ॥
 दा र्घा ॥ दा र्घ ४ ॥ दा घ ४ ॥ दा क् ४ ॥ दा र्घा ॥ दा र्घ ४ ॥ दा घ ४ ॥ दा क् ४ ॥ दा वा ४ ॥ दा र्घ ४ ॥ दा र्घा ॥ दा क् ॥
 दा षि ॥ दा कि ॥ दा वा ४ ॥ दा क् ४ ॥ दा र्घ ॥ स र्ग वा सि वा न स प दा न व दी र्घा व क व ४ ॥ स र्ग ४ ॥ स र्ग २
 यो ॥ स र्ग व ४ ॥ स र्ग र्घ ॥ स र्ग यो ॥ स र्ग व ४ ॥ स र्ग वा ॥ स र्ग र्घा ॥ स र्ग र्घि ४ ॥ ०० त्या दि ॥ स का ना ना र्घ स
 ग द ४ ॥ पू सा ३ स द ॥ पू स ग द स्य प न ३ स्व स द ॥ द र्ग म ह व ति ॥ द का ना ३ त्या द र्ग म र्थ ४ ॥ उ का ना न र्घि २
 ध ना र्थ ४ ॥ वि ता न र्मि ति नू मा ग ४ ॥ मि द र्घा स्व ना त्य ना व क व ४ ॥ स्व न म ४ ॥ पू म न र्मि ०० ति ति ति ॥
 न र्मि म ह ना र्धो दी र्घ ४ ॥ र्था ग न र्म स्य ला प ४ ॥ पू मा न ॥ पू मा र्मो ॥ पू मा न्म ४ ॥ ह पू म न ॥ पू मा र्मो ॥ पू

36

न

३८

स्तिवान्म१॥ हस्तस्तिवन्॥ तस्तिवान्म१॥ तस्तिवान्मो॥ यस्यलाप१॥ ॐ श्रुश्रुय१ तस्यलापोरुवति॥
 स्वनेयकोनवपन॥ ॐ ति० कावलोय१ किलाख१ स१॥ तस्य१॥ तस्य१॥ वसति१ स० तिदत्वी
 तस्तिवस्तिमिषादि॥ कस्यपुत्रययिवसावै१॥ सववसग१ ह्रुश्रुत्वसो१ विविसोदीर्घ१॥ नन
 म॥ सुवा१॥ सुववसो॥ सुववस१॥ सुववस१॥ सुववसो॥ सुवव१॥ सुववसा॥ श्रुविसर्ग१॥
 हवे॥ उ१॥ सुववा१॥ सुववा१॥ सुववस१॥ सुववा१॥ सुववा१॥ सुववस१॥ सुववा
 १॥ ॐ लादि॥ उर्वचन्द्रमसग१॥ वन्दमा१॥ वन्दमसो॥ वन्दमस१॥ वन्दमस१॥ वन्दमसो॥ म
 वन्दमस१॥ वन्दमसा॥ वन्दमा१॥ ॐ लादि॥ उगन१ हस्यरुद१॥ उसनसो॥ उसनसपूव
 रगस१ नहस० त्यनेषीस१ र्धदाहवति॥ उतिवादि१ लाप१॥ उसना॥ उसनसो॥ उसनसो॥ उ

सा. स्व
३९

सनस॥ उ० सैनसो॥ धोना कृतादकृतावावकाव्य॥ रु० उ० गनन॥ रु० उ० गन॥ रु० उ० गन॥ उ० गनसी॥
उ० गनसी॥ उ० गनस॥ उ० गनसा॥ उ० गनात्पामित्यादि॥ अ० दस० ग० दस्य० रु० द॥ स्वदादनिमित्तसर्व
जाकाज॥ अ० दसि० ॐ तिस्ति० रु॥ सी० स॥ अ० दसा० दका० नस्य० सो० प० न० सत्व० क० वति॥ स० नो॥ अ० दस० ग
दस्य० स० नो० का० ना० द० र० ग० र० वति॥ अ० सो० दि० व० व० न० अ० द० उ० ॐ तिस्ति० रु॥ दस्य० मे॥ मा० इ॥ उ० अ० उ०
उ॥ अ० द० सा० म० का० ना० त्प० न० स्य० रु० स्व० स्य० रु० स्वा० का० ते० नो० वति॥ दी० घ० स्य० व० दी० घो० का० ना० र० वति॥ अ० म०
उ० ॐ तिस्ति० रु॥ ओ० य॥ अ० म॥ व० रु० व० व० न० स० र्वो० रु० सी॥ अ० ॐ ॥ अ० म॥ ॐ तिस्ति० रु॥ उ० नी० व० रु० स्व०
॥ व० रु० व० व० न० स० त्प० द० अ० दस्य० उ० का० न० स्य० ॐ का० ना० र० वति॥ अ० मी॥ अ० मी॥ अ० म॥ अ० म० न॥ म० त्वः
उ० त्व० व० रु० रु० ॥ टा० ना० मि० यी॥ अ० म० ना॥ दि० व० व० न॥ अ० रु० ति० पा० त्वी० प० श्वा० ना० इ० का० न॥ अ० म० र्वी॥ अ० मी॥

गुनः
३९

[illegible]

सा.स्व
४०

दिवावकानस्यउकानादरुगभवति॥सोपना॥ॐ यस्वभ॥आर्विसुर्ग॥धो॥दिवो॥दिव॥वामि॥दि
वगदस्यामिपनवाआकानादरुगभवति॥धो॥दिवी॥दिवी॥दिव॥दिव॥उनस्य॥दिवगद
स्यनसपनवकानस्यउकानादरुगभवति॥ॐ यस्वभ॥धूर्या॥धूरि॥दिव॥धूर्या॥धूर्य॥ॐ स्यादि
सकानाकदिवसुगद॥दिव॥दिवसो॥दिवस॥दिवसी॥दिवसो॥दिवस॥दिवसो॥दिवसी॥
ॐ स्यादि॥नरुगद्वेनगदनिर्त्यवववनाक॥सुचवुनासुयुतिस्तुवतस्तुवत॥सुयीवर्त
मानया॥सुचवुनगदयासुस्तुवसे॥ॐ स्यातावादरुगभवत॥मकानस्यमकोनवत॥नगस्तु
नान॥ॐ स्याननरुवति॥वतमु॥मनी॥वतमु॥वतस्तुति॥वतस्तुत्य॥॥नितुवतस्तुगदयाः
दीर्घोवतिनामिपन॥दुदसिगुवा॥वतस्तुनी॥वतस्तुर्षी॥वतस्तुषू॥॥वतिमु॥नरुगागि

गुनः
४०

न ग द ॥ आर्वि ह स्य ॥ धा नानि कान् कान् यो दीर्घा रुवति ॥ न रु हं कान् यो हं स प न यो ॥ ह स प
॥ स लो प ॥ आर्वि स र्ग ॥ गी ॥ गि नो ॥ गि न ॥ गि नो ॥ गि नो ॥ गि न ॥ ह गी ॥ गि ना ॥ गि र्यो ॥
गि रि ॥ गि न ॥ गि र्यो ॥ गि र्य ॥ गि न ॥ गि र्यो ॥ गि र्य ॥ गि न ॥ गि नो ॥ गि नो ॥ गि नो ॥ गि
ना ॥ न ना स्य पि ॥ न रु हं द्वि हि न स्य पि प न न रु स्य वि स र्ग ॥ न र्थ ॥ गी र्व ॥ उ र्व पु न धू ना द य
॥ ध का ना रु स मि ध ग द ॥ वा व सान ॥ स मि न ॥ स मि द ॥ स मि धो ॥ स मि ध ॥ स मि धी ॥ स मि
धो ॥ स मि ध ॥ स मि धा ॥ स मि ह्यी ॥ स मि रि ॥ ॐ त्या दि ॥ रु का ना रु क कुरु ग द ॥ वा व सान
॥ क कृ प ॥ क कृ व ॥ क कृ लो ॥ क कृ ल ॥ रु क कृ प ॥ रु क कृ व ॥ ॐ त्या दि ॥ रु का ना रु स्य द द य
॥ रु वा ल्य द द द निति स र्व जा कान ॥ आव रु स्त्रि यी ॥ अ का ना ना ना न ॥ स्त्रि यी वि रु मा ना रा ण्य

सा.त्व
४९

यारुवति॥पकानगिलापार्थःसर्वर्द्धदीर्घःसहा॥म्बिलिर्नसर्वो गद्वर्द्धपनयी॥म्ब॥स्या॥स्य॥
त्या॥सा॥न॥ता॥ती॥न॥ता॥तया॥तस्या॥तारि॥यद्यच्च॥तस्य॥तोस्य॥तास्य॥तस्या॥
तास्य॥तास्य॥तस्या॥तया॥तासी॥तस्य॥तया॥तासू॥या॥य॥या॥यी॥य॥या॥उः
वा॥उ॥ता॥उतामिषादि॥उर्वीकिमुगद्व॥का॥क॥का॥कामिषादि॥मकानाका॥
दमुगद्व॥॥यी॥मि॥यी॥॥दमुगद्वस्यमि॥मि॥यी॥रुवति॥सिसहि॥नस्य॥॥यी॥॥म॥॥ना॥
॥॥मी॥॥मा॥॥मा॥अनटीसा॥टीस्व॥अनया॥आस्य॥आरि॥अस्य॥दिगीमन्॥यः
टीश्च॥आस्य॥आस्य॥॥यादि॥चकानाकस्ववृगद्व॥वा॥क॥नितिकर्त्त॥वावसान॥त्व
क॥त्वग्॥त्ववी॥त्वव॥त्ववी॥त्ववी॥त्वव॥त्ववा॥त्वस्या॥त्वग्नि॥॥यादि॥मरुजवाः

गुन
४९

[illegible]

[illegible]

सा. स्व
४३

निमिरुल्लवनेमिरुल्लकस्यायल्लवश॥ सर्वास्तुतानि॥ पनमव्यामन्॥ पनमव्याम॥ पनमव्यामि॥ मृदादीनांस्वमाल्कि
कृत्तनत्तनरुवति॥ मृदावितिविभवधत्त॥ द्विवचनादोष्टनत्तकृत्त॥ ॐ मो॥ कृतीयादोष्टसर्वसंदवद्रपंनयो
वावसान॥ मृत्ता॥ मृद्॥ मृ॥ मृनि॥ २॥ तत्ता॥ तद्॥ ता॥ तानि॥ २॥ येत्ता॥ यत्ता॥ यद्॥ या॥ यानि॥ २॥ एतत्ता॥ एतद्ता॥ ए
ता॥ एतानि॥ २॥ किं॥ का॥ कानि॥ २॥ ॐ दं॥ ॐ मा॥ ॐ मनि॥ २॥ कृतीयादोष्टसर्वपुर्ववत्प्रक्रिया॥ चकानांमपुत्तु
मृद॥ स्वमाल्कि॥ चो३कृ३॥ वामवासाने॥ प्रमृक्॥ प्रमृग्ता॥ अ३र्लादीर्घथा॥ ॐ कानपन॥ प्रतीची॥ नृमयमथाप्र
थर्कि॥ २॥ चो३कृ३॥ मरुजवा३॥ प्रमृग्यां॥ ॐ म्यादि॥ जगता॥ जगद्ता॥ जगती॥ जगन्नि॥ जगता॥ जगत्यां॥ ॐ म्यादि॥
एवंमहृद३॥ महृत्ता॥ महृद्ता॥ महृती॥ मर्सेमहृता॥ ॐ तिदीर्घः॥ महृन्नि॥ महृता॥ ॐ म्यादि॥ एवंसकानांमपुत्तुपयस्तु
माजसुववसुप्रहृतयः॥ पयः॥ पयसी॥ पयसि॥ पयसा॥ पयास्यां॥ ॐ म्यादि॥ मृदस्तुमृदस्यस्वमाल्कीकृतमृ
विसर्गः॥ मृद३॥ द्विवचनादोष्टनत्तकृत्तविरुक्किकार्यचकृत्तमत्तोत्ता॥ मृन्ता॥ मृन्नि॥ २॥ मृन्ता॥ मृन्त्यां॥ ॐ म्या

गुनः
४३

ॐ

प्र २

दि॥ २॥ भवंपूर्ववत् ॥ ॐ ति ह सा क्तान पं स क लिं ग ॥ ॥ अथ युष्मदस्मत्तमदां स्वनूपनिनृषीत ॥ ॥ तथाश्च
वाच्यलिर्नत्वादिषपिलि र्मसु समाननृषी ॥ वाच्यमित्युच्यते यथा नन्निंगं रुजत तू सौ वि र्गवनत्वमा
पन्नं वाच्यलिर्नसु उच्यत ॥ ॥ त्वमही सिना ॥ युष्मदस्मदाऽसि सहियोऽत्वमहं ॥ ॐ त्वता वाद र्गभीः
रुवतः ॥ यथा सीर्यन ॥ त्वं ॥ अहं ॥ ॥ युवा बोधिवचन ॥ युष्मदस्मदाऽदिवचन पन्नं युव आव
ॐ त्वता वाद र्गभी रुवतः ॥ आमा ॥ युष्मदस्मदाऽपन्नं ओ आसु वेति ॥ युवा ॥ आवा ॥ ॥ यूयं वर्य
जसो ॥ जसा सहितया यूष्मदस्मदा यूयं वर्य ॐ त्वता वाद र्गभी रुवतः ॥ यूयं ॥ वर्यं ॥ ॥ त्वन्मद
कत्वे ॥ युष्मदस्मदा त्वदमद ॐ त्वता वाद र्गभी रुवतः ॥ ॥ कत्वे गम्यमानस ॥ आमसो ॥ युष्मद
स्मदाऽस्वना त्वं रुवत्सि स कान शि सि व पन्न ॥ त्वं ॥ मां ॥ युवा ॥ आवा ॥ ॥ त्वदादस्वत्वे क्त

सा.स्व
४४

गसीतिदीर्घत्वं॥ ॥ गसानावकव्य॥ युष्मान्॥ अस्मान्॥ ॥ त्वन्मदादङ्गकृत्तृकान्॥ ७
दा॥ ॥ युष्मदस्मदाङ्गनत्वंरुवतिटादि००॥ त्वया॥ पत्रयो॥ अमादङ्ग॥ त्वया॥ मया॥ युवासी
॥ आवासी॥ युष्मदि॥ अस्मदि॥ ॥ दुर्गममङ्गदया॥ दसहितयार्थयुष्मदस्मदाङ्गदुर्गममङ्ग
००॥ त्वत्वादादङ्गकृत्तृकान्॥ दुर्गम॥ मङ्ग॥ युवासी॥ आवासी॥ ॥ त्वत्त्वं॥ युष्मदस्मदाङ्गपत्र
त्यस्यैरुवति॥ गकानाङ्गकानादित्वव्यावृत्त्यर्थ॥ त्वत्त्वंरुवति॥ युवासी॥ अस्मत्त्वं॥ ॥
दसित्यसौसु॥ पत्रमङ्गदसित्यसाङ्गदुर्गममङ्ग॥ गकान्॥ सर्वोदङ्गार्थ॥ उकान्॥ उवाङ्गार्थ॥
॥ त्वत्त्वं॥ मत्त्वं॥ युवासी॥ आवासी॥ युष्मत्त्वं॥ अस्मत्त्वं॥ ॥ त्वममदसा॥ दसासहितयाः
युष्मदस्मदाङ्गवमम००॥ त्वत्वादादङ्गकृत्तृकान्॥ त्वत्त्वं॥ मम॥ युवासी॥ आवासी॥ ॥ स

गुन् ४
४४

चोदित्वा स्मृतं ॥ सामा की ॥ यूष्मदस्मदाऽप नऽसामा की रुवति ॥ यूष्मा की ॥ अस्मा की ॥ त्वयि ॥ मयि ॥
 यूव या ॥ आव या ॥ यूष्मा स् ॥ अस्मा स् ॥ ॥ अथ नया नाद ग विर ग व विधि ॥ नि नृ प्य क ॥
 यूष्मदस्मदाऽषष्ठी व डु र्थी द्वितीया हि स हि त या क म वा नो व स न सो ॥ ॥ यूष्मदस्मदा र्यथ स र्व
 नामी आद र ग रु व ति ॥ ॥ की दृ ग या षष्ठी व डु र्थी द्वितीया हि स हि त या ॥ त क क व व न न म रु व त ॥
 द्वि व न न वा नो ॥ व रु व व न व स न सो क वि त्व या म या न र्थे क म रु व त ॥ ॥ स्वामि न ग मा या
 त स्वामी म सी पु र्गी ग त ॥ न म रु ग व रु यो द हि म मा क म व य र्थी ॥ १ ॥ स्वामी वी सृ ज हा सा चो दृ
 ष्टा नो दान या व नी ॥ ना जा वी द स्य न दान रू न नो म धू सू द न ॥ २ ॥ द वा वा म तो वे वि रु न न
 का नो सौ ज ना र्द न ॥ स्वामी वा व ल्वा न् ना जा स्वामी ना सौ ज ना र्द न ॥ ३ ॥ न मा वा व रु वि रु र्था ॥

स २

सा.स्व
४५

प३ प
हाननादीयताधनी॥सानन्दानवधुंभामः॥पञ्चमानसद्विनिनः॥ ४ ॥त्वामामा॥अमासहितयार्थः
दस्मदस्त्वामा॥००॥हतावादर्भोरुवतः॥ ॥पञ्चमीत्वामदात्री॥पञ्चमामदरुदकी॥पञ्चमित्वाजगत्पु
र्यपञ्चमोपार्त्तपनी॥ ॥७वपुगुरुव॥पूजामम॥पूजस्तु॥पूजाम॥पूजस्तु॥पूजामकी॥पूजस्तु॥पू
जाम॥पूजस्तु॥पूजामा॥पूजस्तुपाहु॥पूजामापाहु॥अमयुवया॥अमश्रावया॥अमावी॥अमना
॥७वदीयतपाहुव॥रुदयुवी॥रुदयुवी॥पूजायुष्माकी॥पूजाऽस्माकी॥पूजाव॥पूजान॥पूजायुष्मा
स्तु॥पूजाऽस्मस्तु॥पूजाव॥पूजान॥पूजायुष्मान्॥पूजाऽस्मान्॥पूजाव॥पूजान॥नादी॥पादादीवर्हमा
नयायुष्मादस्मदानेनआदरभारुवति॥ ॥तवयगुवोनाजनममरुपतिगुव॥तवमिश्रितिया
निस्युर्मममिश्रितान्यपि॥नूडाविरुध्वनादवायुष्माकीकूलदेवेता॥स७वरुगवान्नाऽस्माकीपा

गुनः
४५

पनागकः॥ पादादविमिकि॥ ॥ पण्डिताननसिंहस्यनखलीगलकाटयः॥ हिमध्वंमिधार्धकः
गुह्यकृद्मानुषः॥ संधानपदादुग्रनखवन्निबसादयः॥ हनामनवदासास्मिनामसुर्यनिमानमः॥
दवास्मानपाहिहन्विस्त्रास्माननकसर्वदा॥ २ ॥ वादिहिध्व॥ वादिहित्रपिसंथागनेनआदगाव
कि॥ वादिनिपात॥ वादिनव्यथानिपातसंहावनि॥ ॥ ववाह॥ अह॥ ॐह॥ जव॥ जवी॥ ननी॥ पृथ
क॥ विना॥ नाना॥ स्वस्ति॥ अस्ति॥ शया॥ नकै॥ मृधा॥ मिथ्या॥ मिथ्य॥ अथ॥ अथस॥ कस॥ स्वस॥ उ
च्चैस्॥ नीचैस्॥ स्वन॥ अरुन॥ पातन॥ रुयस्॥ अरु॥ लिह॥ उरुसह॥ नमस्॥ अन॥ अरुनेवा॥ अरु
ना॥ अरु॥ कर्त॥ अमानानाप्रतिषेध॥ ॐवह॥ किल॥ खल॥ वै॥ हि॥ आनाह॥ रुग्ण॥ अन॥ सा
कै॥ साधु॥ यत्॥ तत्॥ स्वनाथ॥ ॐवर्वादिर्वैवानिपातसंहावनि॥ नजादिर्गैरस्मविहक्कार्थेनि

सा. स्व
४६

पात्यं॥ तस्मिन्निति तज्ज॥ यस्मिन्नित्यज्ज॥ कस्मिन्नितिकृहकृज्ज॥ तस्मिन्काल
यदा॥ तनप्रकाशतथा॥ यनप्रकाशयथा॥ कनप्रकाशकथं॥ अतनप्रकाशं॥ तस्मा
दितितत॥ यस्मादितितयत॥ कस्मादितिकृत॥ अस्मादिति अत॥ त॥ सार्वविरुक्तिषुकसु
सु॥ त्पक॥ सर्वसमादितिसर्वत॥ पूर्वस्मिन्निति पूजसाह॥ अधस्मिन्निति अध॥ पनस्मि
न्नितियने॥ अहिबहु॥ इना॥ रथवाय्य अहिप्रत्ययोरुवति॥ दक्षिणहिवसतिवाधुला॥ कि
म॥ सामान्यविदादि॥ किम॥ म॥ स॥ सामान्यर्थवित्॥ वनप्रत्ययोरुवत॥ कश्चित्॥ कोविद्॥ कः
विद्॥ कीविद्॥ कनविद्॥ कस्मैविद्॥ कस्माविद्॥ कश्चन॥ कोवन्॥ कीविन्॥ कोविदुस्ती॥ तद
धीनकात्स्नयावोसाह॥ नास्ती॥ धीर्ननाजसाह॥ सर्वे॥ तस्मै॥ तितस्मासाह॥ उर्य॥ र्यगी॥ कन॥ उनी

गुनः
४६

तदि२

कृत्य॥ उन्ननीकृत्य॥ सद्यदिकालनियाल्यत॥ सद्य॥ सपति॥ अधूना॥ ॐ दानी॥ सपिती॥ सपति॥ पु
र्ध्वयु॥ पनयु॥ अन्ययु॥ यदि॥ महि॥ ते नहि॥ मटिति॥ कूर्ध्व॥ आगु॥ गीर्धु॥ प्रादिनूपसर्ग॥ पु
॥ प॥ ना॥ अप॥ सम॥ अन॥ अव॥ निरु॥ निन॥ इरु॥ इन॥ वि॥ आरु॥ नि॥ अधि॥ अपि॥ अति॥ स
॥ उत॥ अति॥ प्रति॥ पति॥ उप॥ अत॥ अकन॥ आ॥ वि॥ अयंग॥ उपसर्ग॥ सहा॥ रुवति॥ प्राग्ध
ना॥ उपसर्ग॥ प्राग्धना॥ पुयाकृत्वा॥ तदव्यय॥ तदिदंवादिग॥ दनूपमव्यय॥ सहा॥ रुवति॥ क्रा
यकृत्वा॥ उक्ता॥ स्नात्वा॥ कप॥ प्रथम्य॥ विहाय॥ कुम्॥ कर्तु॥ दातु॥ धम॥ हानं॥ हानी॥ कार्त्तिको
नी॥ द्वि॥ विनीकृत्वा॥ वत्पुल्येयान्॥ घटवत्॥ आम्॥ कृत्स्ननाम॥ गम्॥ वरुण॥ ७० अन्य
पि॥ अव्ययादिरुक्कलुक्॥ अव्ययापनस्यविरुक्कलुक्॥ नमोदनिदं॥ अव्ययानिनिवर्त्ति

सा. स्व
४७

मदिति नियमाः॥ उर्कहि॥ सदृशीषु लिंगेषु सर्वोत्तमविरुक्तिषु॥ वचनमवसर्गव्ययनव्यतिरेके
व्ययं॥ ॥ उक्ताधिलिङ्गन्यवयान्यधुना लिंगविरुक्तिविधिस्तथास्तोत्रपुस्तकाश्च पुराण्युक्तं॥
आवतश्चिह्नं॥ यस्य लोपः॥ जाया॥ माया॥ मध्या॥ शुद्धा॥ धला॥ माला॥ ॐ स्थादि॥ अजादप्येव
कव्यः॥ अजा ॥ उक्ता॥ का किला॥ वाला॥ गूडा॥ गहिका॥ ध्रुवका॥ काप्यतः॥ कापि ॐ अगः॥
स्तियाकापि पञ्चपूर्वस्याकानस्य ॐ कानादङ्गरुवति॥ कन्यकादो नरुवति॥ कालिका॥ पात्रि
का॥ पाठिका॥ वरुपनिवाजिका॥ वस्त्रिणागुनिनलापमवाप्य नृपसर्गं याः॥ आपरेव रुः
साकानां यथावा वानिमादिमा॥ अवगच्छ॥ वगच्छ॥ अपि धर्मी॥ पिधर्मी॥ अवर्तमानः॥ वर्तमानः
॥ अस्मावास्तुत्याकापि पञ्चतदाशेषपूर्वस्य रुखावारुवति॥ वहीका॥ वहिका॥ नदीका॥ नदिः

गुणः
४७

का॥२॥ग्रयसीतमा॥२॥ग्रयसिमौते॥स्त्रीतना॥सुतना॥विडूषीतमा॥विडूषितमा॥विडूषुमा॥रुव
 तीतना॥रुवतिनोते॥रुवतना॥ॐ॥स्यादि॥वागुहसन्नोकादोनरुवति॥वागुहसद्वेनिधुम
 ननिपतस्यन्यकस्यर्थेष्वपिनिपातानामनकार्थत्वात्॥ॐ॥प॥नकानाकादकानाकादका
 वृत्तियामीपुल्ययातवति॥दधुनी॥दकिनी॥कनिधी॥मालिनी॥ॐ॥पिनाका॥प्रापावकव्य॥
 ॥नाली॥उवमन्युगपि॥द्विदम्नी॥ॐ॥प्रादी॥अन्नापाहानव्य॥॥द्वेउम्॥गुनी॥मधानी॥मका
 नान्तवात्॥कडु॥हडु॥अनकात्॥ओपगवी॥मकानाकानामपिमाहपिरुस्वसादन्नरुवति॥यस्य
 लापा॥ॐ॥अश्वय॥तस्यलापातवतिस्वनप्र॥विरुकिस्वनवर्जितस्वन॥यप्रत्ययविनहिता॥
 यकारं॥ॐ॥तिलाप॥द्विद॥षकानटकानडकानमकानान्वन्धात्तुमियामिपुल्ययातवतिष्व

यकारव२

सा.सु.
४८

नावकीटकूचनी॥उलमनी॥मरुवनी॥ॐत्यादि॥नदाद॥नदादग्नैस्तुयामीप्रत्युयाहव
नि॥नदीलोनी॥रगेतमी॥पचमी॥चकुथी॥दादगी॥सर्वनी॥ॐदादनाधीप॥ॐदाग्नैस्तु
यामीप्रत्युयाहवनि॥ॐदाधी॥रुवाधी॥सर्वाधी॥नूदाधी॥माहुलापाध्मायात्यविखानीप॥
कृत्रियावाय्योहा॥माहुजानी॥माहुनी॥उपाध्मायाधी॥उपाध्मायी॥कृत्रियाधी॥कृत्रिया॥आ
वाय्योधी॥आवाय्यो॥ॐसमाहानगुहश्रु॥कृयाध्ववदानीसमाहान॥जयी॥पूयागव॥शू
डपूचसमी॥गविषकिस्तुयि॥ॐपुत्रुयाहवनि॥शूडी॥शूडावा॥गहिकी॥गहिकावा॥चकाना
हो॥गपालिकाशेनहवनि॥आननयापध्मात॥जातिवाचिनाश्यकाभाध्मादकानास्तुयामीप्रत्यु
याहवनि॥मषी॥महीषी॥शूकनी॥हसी॥कूकूटी॥ब्राह्मणी॥कन्यकाशेनहवनि॥अयकानाः

गुनः
४८

पर

उपधादितिकी॥ कृत्रिया॥ वेग्धा॥ प्रथं वया वा विनाः ॥ तं पूवक वयः॥ कुमारी॥ किंश्वरी॥ कनरी पु
 हृतयः॥ प्रथमगृह्णतु॥ वृद्धा॥ सुविना॥ अतृगृह्णतु मिशुः॥ स्वामीदा॥ स्वामं वा विना वा कियामी
 प्रत्यया रुवति॥ सुमुखी॥ मृगकी॥ तं न्वमी॥ वागृह्णतु॥ पप्रवदना॥ कमलनयना॥ कल्याणकारा
 ॥ किमलयकना॥ मृदालजुजा॥ सुकंभा॥ सुकंगीवा॥ सुहृत्स्वपाक्षेन॥ कृदिकानादकनिपूवक वयः
 ॥ अमुली॥ अमुलिः॥ धूली॥ धूलिः॥ आजी॥ आजिः॥ अकं विनिविश्वयधतु॥ कृतिः॥ रूतिः॥ जे
 वं मन्वाग्नेष्टस्त्रियामिप्रत्यया रुवति॥ जेका नादगश्च॥ जेआय॥ मनायी॥ मनावी॥ चकानान्नान्न
 कानस्योवा॥ वृषाकपायी॥ पत्न्यादयानिपात्यक॥ पत्नी॥ अकर्वेली॥ सखी॥ अर्द्धजलनी॥ युवती॥
 अग्निपि॥ प्राविषादयः गदनिपात्यक॥ प्रतीवी॥ उदीवी॥ प्रावी॥ अवाविषादयः गदनिपा

मन्वाग्नेष्ट

सा.स्व
४२

त्यक्त॥ पाणिगृहीती॥ उनी॥ पितामही॥ मातामही॥ स्हाली॥ कृष्णी॥ रगधी॥ रुली॥ कउली॥ रगाक
ली॥ कामुकी॥ ॐ त्यादि॥ दानगदानिर्त्यवहवनाक्त॥ पुलिनी॥ दाना॥ दानान्॥ दाने॥ दान
नत्य॥ दानस्य॥ दानार्थी॥ दानयू॥ वीर्गुम्भत॥ उका नानुगुहवाविभावास्तिया मूप्रत्ययारुवति
॥ पट्ट॥ पट्टी॥ मृदू॥ मृद्वी॥ तनू॥ तन्वी॥ लघू॥ लघ्वी॥ पादुनिस्साक्षेन॥ उरुड॥ उका नानुकास्ति
यामूप्रत्ययारुवति॥ पीगू॥ वामानू॥ कनहानू॥ युनक्ती॥ युवनगदीस्तियति॥ प्रत्ययारुवति॥
युवती॥ अथानामत्वात्स्यादय॥ आवकादा ॐ तिसिलोप॥ ॐ वकाक्षसर्प॥ सलोप॥ पूर्वङ्पर्यन
नैर्य॥ ॥ ॐ तिसुप्रत्यय॥ ॥ अथविरक्तार्थनिनूयत॥ लिङ्गार्थप्रथमा॥ अतुप्रत्ययास
तिनिकमर्थवक्तृद्वन्पीलिङ्गस्येवार्थसन्मातृप्रथमाविरक्तकिर्तुनिवे॥ कानकहृदःपिलिङ्गाद

व३

गुन४

४२

हिनायः प्रतीयतः सलिमार्थः ॥ लिप्ताद्यापि प्रथमार्थः कृतिकविम्बः ॥ ॥ प्रथमायुक्तकर्त्तव्यात्
 द्वितीया कर्मकवर्त्तव्यात् प्रथमा कर्मकवर्त्तव्यात् ॥ तत्तुम्बः ॥ अन्धः प्रथमः ॥ वः
 विनिवनाजः नानावात्कुमाना नानुयतः ॥ वात्कुमाना नानुयतः ॥ वात्कुमाना नानुयतः ॥ वात्कुमाना नानुयतः ॥
 सक्तः कियतः ॥ ॥ कुमाना ॥ गतेनेस्वेन नानुयतः वनानकाः ॥ योगीयः वगीतः मसीयः वगीतः
 जिताः ॥ आमकुः ॥ आमकुः ॥ आमकुः ॥ आमकुः ॥ आमकुः ॥ आमकुः ॥ आमकुः ॥ आमकुः ॥ आमकुः ॥
 विन्दुः प्रसीदय नमः ॥ कुमाना ॥ स्वन्मासाः ॥ क्रमध्वः ॥ सातः ॥ सातः ॥ सातः ॥ सातः ॥ सातः ॥
 सक्तः ॥ सक्तः ॥ सक्तः ॥ सक्तः ॥ सक्तः ॥ सक्तः ॥ सक्तः ॥ सक्तः ॥ सक्तः ॥
 महाप्रोक्तः ॥ महाप्रोक्तः ॥ महाप्रोक्तः ॥ महाप्रोक्तः ॥ महाप्रोक्तः ॥ महाप्रोक्तः ॥ महाप्रोक्तः ॥ महाप्रोक्तः ॥

तः
 र्थः

सा.ख
५०

रावया ॥ १॥ गवाविरुक्तादिनीयायाऽप्यर्थवृत्तीति ॥ कर्त्तृकर्मचक्रनदीसंप्रदानेन रथेव वा ॥ अ
पादानाधिकनष्टमित्याहुं कानकसिषट् ॥ कार्यकर्मकानकउत्पाद्यआप्यसंस्कार्यविकार्यः
वद्विनीयाविरुक्तारुवर्त्ति ॥ यद्रुत्वा राविरुत्पाद्य ॥ यस्मिन्मवप्राप्यरुतदातव्यं ॥ यद्रुगुम्भ
ननाधनमलापकयोवाकपेयतनसंस्कार्यं ॥ यत्पूर्वोवस्थापवित्यागमावस्थाकनप्रफिफि
यततद्विकार्यं ॥ ॥ कटंकनातिकानूकानूपपण्धतिवाक्यश ॥ नास्तीप्राप्तिधर्मिष्ठसामेत्
नामिसामपा ॥ अहिसर्वरसांकार्योधिगुपय्योदिषुत्रिषु ॥ अमुदिनीद्विजिनूकद्विनीयाप्रदिता
रुवृत्तान्यत्रापिदृग्धत ॥ अहिसागुर्मनदीवहति ॥ ॥ ६॥ नदीरुधनकन्दनादिकालामुरु
होयनवत्सनादि ॥ अधधमानकनयाजनादि रावस्तुदर्थस्यवनावधदि ॥ सर्वेतागुर्मनवाह्यर्थे

गुनः
५०

१ अहितः पणितः समया निकषाहा प्रतिया रादिभिर्याविरुक्ता वा तव किं ॥ अमस्याहितः अहिताग्रमग्रनग्रमग्रतिग्रम २

पर

॥ धिः एव दहती ॥ उपर्युपनिपूना हितं यावकां पतकि ॥ तस्य पत्रमाप्रदितं ॥ तस्य पत्रनूपमाप्रदितं
संरुस्यात् ॥ अमृते ॥ उपनि उपनिपर्वतंगद्वकि ॥ अरुध अरुधवर्क्यामि ॥ अरुध धिर्वर्तंगद्वकि ॥
॥ अरुध धिग्रमतिर्ध ॥ अरुध धिवार्धमृग ॥ अरुध धिर्वर्तंगद्वकि ॥ समयाग्रमंगद्वकि ॥ निकषाग्रमग्रमृते
प्राप ॥ अग्रमग्रमप्रतिग्रमयकान ॥ हाग्रमी ॥ ग्रमग्रमप्रतिग्रमवर्तंगद्वकि ॥ अग्रमग्रमी ॥ अग्रमग्रमी ॥ गद्व
हता ॥ समयाग्रमी ॥ निकषाग्रमी ॥ हतप्राप ॥ प्रतिग्रमी ॥ सूलवर्तंगद्वकि ॥ अग्रमग्रमी ॥ कालाधनोनेवर्त
र्येध ॥ क्रियानामधदेविकुरातावावृतिनेवकुर्य ॥ मासमेधीतनायातुकागपर्वतंगद्वकि ॥ अन्यथा मा
सस्यदिनधीतुकागस्यगकदशपर्वतंगद्वकि ॥ कर्तवीप्रधानक्रियाश्रयसाधनेव ॥ क्रियासिधूपकाज
कैकनरुधार्थहतीयाविरुक्तिर्वति ॥ क्रियाश्रयत्वकर्मोरीनामपिसीरुवति ॥ क्रियासिधूपका

सा.स.
५९

नकीसाधनी॥ ॥ हिन्नः गन्धनामधनावृक्षलाकनावृक्ष॥ कनाशविदिहर्षपित्ताननेयुध
नपूनः॥ दानपातुसंप्रदानकानकवृथी॥ वदविदगीददाति॥ द्वागयकन्याददाति॥ नाः
हृदहृददाति॥ नजकस्यवमुददातित्यादोसंप्रदानकानकत्वालावान्नवृथी॥ ननूदानस्य
किंनकरी॥ तदवाह॥ स्वसत्त्वनिजसर्नपनसत्त्वत्यादनीदानी॥ संप्रदानतदवस्यात्पूजानुग्रह
काम्यया॥ दीयमानेनसंयोगभूतस्वामित्वलरुनहियत॥ ननूनाहृदहृददातित्यनुपनेस
त्वात्यादनीरुवत्थककर्थनवृथी॥ तजुह॥ ॥ ददातिहृदहृदपूनेषानहीपननेवापितृकानवः
दानकाम्यया॥ यदीयनवासनयासपातुतदानपातुकथिनीमनिधुः॥ विरश्नवावरधोपवमी॥ वि
रश्नवाविरागस्तुयावधिश्चननयाश्रवैवलनयावाविवक्तिस्तुयादानपवमी॥ धवस्तुवाह

गुनः
५९

पठत् ॥ हृत्तागिभवतनि ॥ सर्वधर्षणि ॥ सनारूपनूधाहयः पिशानतत्पूजनी ॥ गुनधर्माववनं
 पथं कवीनां न सवद्वचः ॥ सिस्वामिस्वर्यनजनकस्वअवयवावयवित्वआधना ॥ धयत्वमवाविसे
 ॥ आधनसफमी ॥ आधनाधिकनदी ॥ षटविधमधिकनदी ॥ ओपरश्रविकी ॥ ओपरश्रविकीश्रुवि
 धी ॥ व्याप्तिगच्छतिपनः ॥ जलनोधावति ॥ वनव्याघ्रतिष्ठति ॥ सामपिकी ॥ अश्रुव्यापकी ॥ वेषी
 पिकी ॥ नेमिलिकी ॥ ओपवानकीवति ॥ ॥ कटरभक्तकूमात्राशोवतगभवः सुसंवनः ॥ तिलवृवि
 यतनलीहृदिबुक्तामृतीपनी ॥ यूद्धसन्नघ्नधीनाङ्गुल्यगुक्त्रिधर्षनी ॥ शोवः क्रियाकर्षणी
 पिसफमी ॥ वर्षतिद्वन्द्वो न आयातः ॥ पटल्यसूमालिनीपतिता नतिः ॥ कालपिसफमी ॥ वस
 ककोकिलाः स्वर्नकुर्वति ॥ सनदिपूव्यकिः सफच्छदः ॥ विनासहनमसलितनिर्द्धो नदी स्वाम्या

सा.स्व
५२

दिशिश्च॥ उभेनपि यागद्वितीयायाविरक्तयातवन्ति॥ विनापापं सर्वं कलति॥ अकनक्षकिनीः
किंजीवितन॥ अकनक्षामाहनिर्त्यादिपदाग्र्यं॥ सहसदृगं साकं साध्वं सौम्यं गच्छतीया॥ सरु
मिष्यत्तागतागुनः॥ सदृगं रश्मिमेव॥ साकं नयना रश्मिश्च दत्ता॥ साध्वं धनिर्हि धृक् साधुधा
समं च नुरक्षादितागुनः॥ नमः स्वस्तिः स्वध्वं स्वाहा अलं वषट्कारं चतुर्थी शानमोना जायेत्यय
॥ स्वस्ति नारु॥ पितृपुत्रः स्वध्वं॥ सामाय स्वाहा॥ अलं मन्त्रो मन्त्राय॥ वषट्कारं द्वाय॥ मन्त्राय गव
वमी॥ मन्त्रो नान्नमूकिः॥ अन्त्या गृहादिहावः॥ निष्ठा नरक्षयिष्ठि॥ निष्ठा नदी क्रिया गुह्यजातिः
तिः समदायात्पृथक् नर्तक्यौष्टी सफमी॥ क्रियापत्राधर्ममध्यगवदानाधकः प्रष्टुः॥ ग
वां कृष्णं संपन्नकीना॥ रगं वृक्षं कृष्णं संपन्नकीना॥ उभयं क्रियः शून्यतमाहवन्ति॥

गुनः
५२

५२

वा २ ष २

स्वाम्यादिथारगवष्टीसफस्योव॥गवास्वामी॥गवामधिपति॥रगवधिपति॥कर्हिंकार्यथान
कोर्होर्कनिंष्टी॥कर्हिंनिकाथोववष्टीरुवत्यकाशोवर्जिंरुदन्गधुपयुक्तमान॥वासस्यरु
नि॥गाननस्यप्रवर्त॥स्मननोवकार्यवष्टी॥स्मननोधुनोपयुक्तमानकार्यवष्टीविरुक्तिरुव
निवकावादिनीया॥मागु॥स्मनति॥मागनस्मनति॥होहोनीयापच॥मीववकवा॥जनविना
जनरुवति॥रुधु॥अनिस॥गध॥रुगकत्वनरुगकत्वात्॥रुयहोपच॥मी॥योनादिरुति॥
व्याघ्राकस्यति॥वियुत्यानाच्चकिरु॥वष्टीरुधुपयारग॥कस्यहोविर्यकन्यो॥रुर्थरावहनीया
॥गिष्यपुरुषपग्धति॥संसावमसानपग्धति॥यनगविकाव॥यना॥जीनागिनोविकाव
क्रमनस्मादगहनीयाविरुक्तिरुवति॥अक्राकान॥पादनरुवक्र॥कर्होवधिव॥विश

सा.स्व.
पु.३

षष्ठवः॥ मखनतिलोवनः॥ वपुषाचतुर्भुजः॥ गिनसारवत्वाटः॥ जनिकर्तुः॥ प्रकृतिः॥ जायमानस्य
कार्यस्यापादानमपादानसंरुहेवेति॥ तत्रापादानपत्रमी॥ यस्मात्पुजाः॥ पुजायन्तः॥ तत्सद्वृत्त
विद्वद्भ्यः॥ आहादियारुपचमी॥ आपाटलिपूजादृष्टदवः॥ तादर्थ्यवर्गुथीचवकव्या॥ सयः
मायशुर्तधहननाधर्मोयस्यमी॥ धर्मभाक्तायमधवीधनीदानायशुक्रयः॥ कुम्भादियारुगवर्गु
थी॥ कनोयुक्कृत्ति॥ मित्रायदुःकृति॥ गुणवरुअस्यति॥ कपलापपत्रमीचवकव्या॥ हर्मो
पुत्रः॥ हर्मोमानुषप्रकृतेः॥ असनापुत्रः॥ असनमानुषप्रकृतेः॥ त्वर्थः॥ निमित्त
कर्मसंयोगसफमी॥ ॥ वर्मसिद्धिपिनीहकिदकयाहकिदकनी॥ कलग्नचमविहकिसि
सिन्निपूकलकोहतः॥ विषयसफमी॥ तर्कवर्गुनः॥ वष्टीसफमोचानादववर्गुनीकोगता

गुनः
पु.३

गतः स चो नः ॥ नरुष साधुष्वदस्वपि स्वयमनार्थो यागि साधुमारर्जः ॥ नरुष साधुष्वनिवाजयव
दस्वपि स्वयमनार्थो यागि साधुमारर्जः ॥ मातापि नृदताः प्रवर्जं निपुणः ॥ अन्योक्तप्रथमा ॥ यदिदं
कार्यमन्यनाथान्नरुतावावाकैरुवति नराप्रथमाप्रयोक्तव्याः ॥ घटः कार्यः ॥ पटः कथनः ॥ इन्द्र
सिंहादिः सर्वज्ञः ॥ इन्द्राहमि ॥ पूर्णकुवक्रस्यमि ॥ वज्रकीर्तिनरुः ॥ ॥ ॥ निकाजकप्रक्रिया
॥ ॥ अथार्थवदिरुक्तिविगिहानापदानासमासानिब्रूयन् ॥ समासश्चान्वयनाम्ना ॥ पञ्चस्य नृ
तयपदयोः सम्बन्धः न्वयः नाम्नामन्वययोग्यत्वं सत्यवसमासात्तवति ॥ वगैर्हृदिपि ॥ नराकार्यो
पूनुषस्येत्यादीनरुवति अयूकत्वात् ॥ ॥ ॥ त्यादीविपत्तिनामन्वयसमासानास्ति ॥ सत्रवद्विधः ॥ अत्र
यीतावत्पूनुषादौ वरुवीहिकर्मधनयादिगुरुर्यति ॥ ननु पूर्वपदप्रधानोऽययीतावः ॥

सास्त्र
५४

हनिह नोपायस्याहावाः पापी॥ पञ्चगुणपुन्यारुमः नीलात्यलः पीताम्बनावरुहवि॥ दिगुगः
स्पृन्धोपनपदप्रधानो॥ दृढकर्मधनयाः श्रुत्यपनपुधानो॥ वरुवीहिनश्चप्रदधानः नस्य
क्रियाहिः सर्वधाइहमपदप्रधानाविधिर्वलवान्॥ एकपदमेकधर्ममकविराकि कर्त्तव्यसमा
सप्रयाजनं॥ स्त्रीअधिः० तिसिद्धिः॥ सिग्गदाहृदिनीयेकवन्ननजुम्॥ क्रियमधिकृत्यरुवरीति
विग्रहः॥ विग्रगदाहृकिमेवार्त्तः॥ अन्वययोग्यार्थपदसमर्थकः पदसमूहायाविग्रहावाक्कमिः
तियावत्॥ कृतसमासअव्ययस्यपूर्वनिपातावकाव्यः॥ पूर्वः अव्ययः वीर्यिहावः॥ अव्ययपूर्वप
दसतिथान्वयः साव्ययीहावसंस्कृतः॥ समासाहवति॥ ० तिसमाससंस्कृतायी॥ समासप्रत्यययोः
॥ समासवर्त्तमानायाविरुक्तः प्रत्ययवपन्नल्लुक्वति॥ लक्॥ उक्ताथमैपुनोयोगः॥ यायस्यलिङ्ग

गुणः
५४

ॐ ह पूर्वो प्रकृतिः सा तस्या पादी यतः ॥ नामसंख्यायां स्यादिविहकिः अधिस्त्रिंशतिः ॥ स नर्पुस
कम् ॥ साऽव्ययीतावानर्पुस कर्त्तुं गतवति ॥ नर्पुस कत्वा बुधत्वं ॥ अव्ययीतावान् ॥ अव्ययीतावाः
त्यनस्य विरक्तलं गतवति ॥ ननु अतिपूर्वस्य ॥ अधिस्त्रिंशत्कार्यी ॥ नायमति को नर्ममतिनिकः
ली ॥ नावमतिकार्यकूलं तदतिनूली ॥ ऊखादरगसंध्यकनाधमिका ना का नावकव्यो ॥ यथासा
दृश्य ॥ यथा गृह ४ सादृश्यं बलमानः समस्य गगकिं सनतिकम्पकवाती नित्यथा गकिं ॥ पूर्ववः
समासकार्यं कृतं ॥ अनामनतः ॥ अना नाकादव्ययीतावात्यनस्य विरक्तलं गतवति ॥ अर्कवर्जयि
त्वा ॥ पञ्चमीवर्जयित्वर्थः ॥ कृत्स्नसमीपं उपकर्म बलं ॥ उपकर्मयम् ॥ वाताद्याः ॥ यदि ४
त्यतया वा अस्त्वति ॥ उपकर्मन कर्त्तुः ॥ उपकर्म निरधितिः ॥ उपकर्म कर्त्तुः ॥ उपकर्मि धहि ॥ अ

सा.स्व
५५

वध्वनध्वार्थपनिमाननिध्वययावतिगद्वप्रयुक्तमानःव्ययपूर्वपदातावपिथान्वमाःव्ययीगावःसं
रूकसमासाहवति॥यावत्थामनुवितावतावाक्कृत्तमामनुयस्वति॥यावन्मनुमामनुयस्वा॥अगा
वानिनसूचकः॥मक्रिकानामगावावर्तं॥००तिनिर्मोकिक्वर्तं॥समाप्रत्ययानितिषष्टीलापः
॥००व्ययीगावः॥अमादीतत्यून्यः॥द्वितीयार्थपूर्वपसेतिदेतत्यून्यसंरूकःसमासाहवति॥
अमप्राफाअमप्राफः॥दागृहद्विनी॥दागृहद्विनी॥युपायदान॥युपदान॥वृकंरुययी॥वृकंरुययी॥ना
रूःपून्यः॥नाजपून्यः॥अरूवृग्भु॥अरूवृग्भु॥कविदमायकस्ययवर्त्त॥अग्नेआहिनी॥
आहितानि॥अग्नेआरूतः॥आरूतानि॥पूर्वरूतः॥रूतपूर्वः॥अरूतःसार्थ॥दकोनानाजा॥नाजद
कः॥समाससतिक्विदेकपश्यंस्तत्तु॥गजाध्वनी॥गजध्वनी॥आमानाध्वनी॥आमवर्त्तः॥

गुनः
५५

विषयः॥सूर्यनवा॥पानस्यवा॥सूनाया॥पानी॥सूनापानी॥सूनापाणी॥उर्वलोकिकप्रथागव
भक्त्ययी॥नजिच॥नजिपूर्वपदसतिनत्पून्यसंरुक्तसमासाहवति॥नवाकृतिश्रुवाकृति॥ना
॥समाससतिनत्पून्यश्रुकाजादत्तवति॥हसपन॥नाकादिवर्ज॥अनस्वन॥समाससतिनत्पून्य
अनादत्तवतिस्वनपन॥नअस्व॥अनस्व॥तस्मादन्धमहावधतदन्यत्तदन्यता॥अप
हर्षमेविनाधश्चनत्पून्यार्थपनिकीर्तिता॥अन्धदन्धाइनस्व॥धर्मविनूच॥अधर्म॥गुरु
तावाअग्रहमिति॥तदन्यतद्विनूचतदरावधूनत्पून्यवर्तततगुपिनाकादिवर्ज॥नअर्कनाकी
॥नअग॥नाग॥नस्त्रीपुंसकी॥नपुंसकी॥नकूली॥नाकूली॥००त्यादयः॥गदानाकादोदष्टव्या॥
तस्मादन्यत्तदन्य॥तनविनूचस्त्विनूच॥तस्यअरावस्तदराव॥वार्थद्वंद्वसमूहयान्वाचय

सा.स्व
पद

तथैतन्नयागसमाहानश्चार्थद्वयसमासाहवति॥ चकानवहृन्नाद्वयसन्नासोकर्मध्यानय॥ यः
स्ययस्माद्वहृन्नाद्वयसन्नासोकर्मध्यानय॥ यः
समूच्चयसमासानास्मि॥ पनस्यननिनपकयाप्रथकमकक्रियाहिर्सीवध
कामटगावशनयतिकमधक्रियाद्वयसर्वधन्वावयपिसमासानास्मि॥ पनस्यनमसर्वधन्वा॥ प
नस्यनान्वयथागत्वसक्तिः कक्रियाहिर्सीवधन्वा॥ तन्नतन्नयाग॥ ॐ तन्नतन्नयागसमाहान
ववार्थद्वयसमासाहवति॥ द्वाद्यल्यस्वनपुधान् ॐ कानाकानापूर्वनिपातावकाव्य॥ पुधा
नापुधानस्यपाकूपयाग॥ पद्व्यगुफ्वपद्व्यगुफो॥ अग्निधुमान्नतश्च अग्निमान्नतो॥ साका
श्चराग्यश्च साकृत्साग्यो॥ स्त्रीचपूज्यश्च स्त्रीपूज्यो॥ धवश्चखदिनश्च धवखदिनो॥ देवताद्वयपूर्वपदस्य

गुनः
पद

दीर्घोवक्त्रव्य॥ अग्नीषोमो॥ ॐ आबृहस्पति॥ अग्निः ४॥ सामादीनावर्त्तवक्त्रव्य॥ अदिगं द्याव॥ अग्निश्च
म॥ अग्निश्च ४॥ ॐ तन्न तन्न या एदिवचनी॥ ७ कवहावा॥ समाहा नावक्त्रव्य॥ गगमश्च कृमश्च य
नागमश्च॥ गगं कृमं पेनागं॥ वाग्रहं कृमं विदितन्न तन्न या एदिवचनी॥ अन्त्यादीनीं विरुक्किलाप
पूर्वपदस्य सगममावक्त्रव्य॥ अन्त्या अन्त्या॥ पन्नस्पन्नी॥ ७ कवदिगुर्द्वि॥ ७ कववर्त्तमानोदिगुर्द्वि
नर्पसकलिं एतवति॥ सीख्यापूर्वोदिगु॥ सीख्यापूर्व समासादिगुर्निगद्यत॥ समाहान् अन्तर्द्विगु॥
॥ समाहान् अर्थोदिगु॥ समासाहवति॥ तन्ना अन्तानादी प्रत्ययार्हवति॥ ननु पाशोदयस्य लोपः॥ पं
वसूकपालेषु संस्कृतशब्दः पञ्चकपालशब्दः॥ दग्धनीमोक्षं समाहान् दग्धनी॥ पञ्चशब्दः
४ समाहान् ॐ तिपञ्चशब्दः॥ नर्पसकली॥ पञ्चशब्दः समाहान् ४ पञ्चशब्दः॥ नर्पसकली ४ स्वर्त्त॥ शि

सा.सु.
५७

रुलति नृति ॥ प्रिरुलीति प्रयागनसाधुनित्यर्थः ॥ पात्रादिमदकायख्यादकादिगुस्तथा ॥ अनन्य
समाहाननदादीषुनिगयत ॥ पञ्चनानापात्रादीसमाहाननपंचपात्रौ ॥ त्रयोदशिवनानासमाहाननसि
उवर्णी ॥ ॐ ह्यादीसमाहाननप ॥ वरुस्यथ ॥ वरुवीहिबन्यार्थः ॥ अन्यपदार्थप्रधानाय ॥ समास ॥ स
वरुवीहिर्सेरुकातवति ॥ वरुधनीयस्यासौवरुधन ॥ अस्मिधन ॥ यस्यप्रधानस्येकदरगाविरगवध
तयायगुह्यायनसतगुह्यसर्विहान ॥ स्त्रीगस्यप्रधानस्येकदरगाविरगवधतयायगुह्यायनसतगुह्य
संप्रहानवरुविहि ॥ लम्बोकरहोयस्यसलम्बकर्ह ॥ तदुकर्हलम्ब ॥ वरुवीहोविरगवधस
फमकया ॥ पूर्वनिपातावकाव्य ॥ विगमवायस्यसविगुगु ॥ गृहधर्मोयस्यसगृहधर्म ॥ लालेला
वनीयस्यसलालावन ॥ उवनकीर्होयस्यसुवनकीर्ह ॥ वक्रपाष्पादोन ॥ वक्रपाष्पादोनयस्यसवक्र

गुनः
५७

पाणिः॥ॐ॥ति॥नरुपातिचक्रं॥गनु३धज॥पमनारु॥प्रजामधयात्रसू॥प्रजामधयासदयाव
रुवीहोअसू३गभारुवति॥सू३पजायस्यसू३पजा॥सूमधा॥इर्मधा॥असू३त्वा३त्वसा॥सा
वितिदीर्घ॥धर्मोदन्॥वरुवीहोधर्मोदप्रत्ययारुवति॥नायधयादीर्घ॥सूप३पस३प॥सू३धर्मो॥
नूपवतीहार्योयस्यसूनूपवदहार्यो॥अन्यार्थ॥स्त्रीलिंगस्यान्यार्थवरुमानस्यैनेरुस्वरुवति॥पूर्वदा
॥समाससतिसमानाधिक३पूर्वस्य॥स्त्रीगदस्यपूर्वदा३रुवति॥पूर्वदावादीमानिवृत्ति॥आपापि॥
नकुलतस्यादी॥नामसंज्ञायस्यादिर्वि३रुकि॥मवजवा॥नूपवती३र्य॥वागुह३कल्या३दीप्रिय॥
त्यादीनरुवति॥आदिगदादामानुहार्यो॥मनारु॥सूरुग॥भक्त॥वपला॥वामा॥वामना॥वाक्कृती
॥दका॥वसिका॥मेथिली॥ॐ॥त्यादयंगदा३कल्या३न्यादि३यु३या॥रुग॥रुगगदस्यान्यार्थवरुमान

सा. स्व
५८

स्य ऊस्वरुवति ॥ पञ्चगवायस्य सपञ्चगु ॥ व्याघ्रादि पूर्वपादगदस्या लापावकव्य ॥ सहस्रीपादोय
स्य ससहस्रपात् ॥ सूर्यगहनोपादोयस्य ससूपात् ॥ व्याघ्रस्य पादविषयादायस्य सव्याघ्रपात् ॥ द्विपात्
॥ गगनो स्वनपदादगध्रवकव्य ॥ सपद ॥ सपदा ॥ व्याघ्रपद ॥ व्याघ्रपदा ॥ द्विपद ॥ द्विपदा ॥
द्विपादस्यामित्यादि ॥ सहस्रपद ॥ सहस्रपदा ॥ टा उका ॥ समाससति ट अ उ क ङ्गुत्तपुत्ययात्
वति ॥ टकानस्तत्पू नू धा रू या उका नो द्वे च उवव ॥ ककानश्च वरू वी हो अकान ४ सर्वनामत ॥
अर्विथामहिमायस्य स अर्विथमहिम ॥ नावा ॥ नाकस्य पदस्य ट लोपात् वति ॥ यकानस्वनपद
॥ वागुहस्तकविन्नरुवति ॥ उपधा लापश्च वति ॥ अक्रामर्ध ॥ अपत्यय ॥ टिलापातावाता ॥ उप
धया लाप ॥ स्वनहीन ॥ आर्विसर्ग ॥ मध्याक्र ॥ सदिनाही ॥ अगुटिलाप ॥ कविता नाजा ॥ क

गुब्
५८

[illegible]

सा.स्व
५२

॥ न का वा सो ल ता व ति न क ल ता ॥ पू मां श्र सो का किल श्र ति पू स्का किल ॥ पू स ४ ख प र्म था २
ग न स्य ला पा व क व ४ ॥ पू म ग द र्म स या ग व प प न अ का न स्य ला पा ह व ति ॥ व प ०० मि किं पु
स न ४ ॥ ना म श्र क ता स मा स ४ ॥ पा द नू प स र्म स्य ना म श्र क द क ने स ही न स मा स व नू स र्म नू वा
ह व ति ॥ प क र्म स व द ती पु वा द ४ ॥ क र्म क वा ती ति क र्म कान ४ ॥ ग र्म द द ती ति र ग द ४ ॥ स हो द
सा दि ४ ॥ स मा स ति से स हा दी ना सा दि ह व ति ॥ पू नु द स ह व र्म न ०० ति स पू नु ४ ॥ स पि लु ४ ॥ स नू पः
॥ स ह स कि न र्म स वि स मि ति य ४ ॥ स ह श्र व ती स धी ॥ स म अ व ती ति स र्म ॥ ति ति न च ती ति ॥ ति
र्य ४ ॥ अ व ४ प व स नू च क व ४ ॥ अ व र्म नो ॥ अ व र्म नो वा च्य मा ना या म नू स्वा न ला य ४
॥ स मा प स र्म य ४ ॥ ०० य र्म न ४ ॥ वां क ॥ ७३ म ७३ मा वा ॥ ह स प ४ स र्म प ४ ॥ स ध ४ ॥ स म्प ४ ॥

गुनः
५२

निर्योः॥ कृत्स्नितयः॥ कृत्स्नितयः॥ कृत्स्नितयः॥ कृत्स्नितयः॥ कृत्स्नितयः॥ कृत्स्नितयः॥ कृत्स्नितयः॥ कृत्स्नितयः॥
 दर्थे॥ कासुत्पून्ववदर्थे कदादय पुत्पया रुवति॥ कृत्स्नितर्थे अर्न्तकदन्ती॥ ॐ वदर्थे कं
 दर्थे॥ का१८ कर्त्त॥ कृगदस्य तत्पून्ववदर्थे का आदर्थे रुवति॥ कदर्थे॥ कवा कर्त्त॥ का
 कर्त्त॥ पुन१८ कृत्स्नित॥ कालवर्त्त॥ पुनूववा॥ कापून्वव१॥ कपून्वव१॥ ववदगन् ॐ निस्तिग॥ व
 वउत्त॥ दहदगन् ॥ दहदगन् ॥ दहदगन् ॥ दहदगन् ॥ दहदगन् ॥ दहदगन् ॥ दहदगन् ॥ दहदगन् ॥
 लाप१॥ वाउग१॥ सीरवाया१॥ पुकानि॥ पूर्ववत्॥ वाउ॥ ववददे कायस्थिति विग्रह॥ वाभा द
 कस्य दहपुत्पय१॥ मकान अन्वदर्थे१॥ विना नूमागम१॥ मिदह्यात्पनावक व्य१॥ सीयाः
 गकस्य लाप१॥ रुसय१॥ सलोप१॥ वाउन्॥ वृहस्पति॥ मरुतयेना॥ मरुतयेना॥ मरुतयेना॥ मरुतयेना॥

सास्व
६०

॥ गुरुवति ॥ महर्षयः ॥ दिवाद्यावा ॥ समासकृतसतिशोभदस्ययावाद ॥ गुरुवति ॥ यावाहमी
॥ आकृतिग ॥ क्षय्यी ॥ दीपति ॥ जायापति ॥ अलकवित् ॥ कश्चित्समासकृतकृतद्विगुपिविर
कननगुरुवति ॥ कृष्णामृक ॥ कृष्णकामृक ॥ अमृयानिबन्धयमृयानि ॥ उन्नसिलामा
॥ कृदिस्युगतीति ॥ कृदिस्युक ॥ दिगभिमितिकृत्वी ॥ कृष्णकाल ॥ वाचायुक्ते ॥ दि ॥ गुरुदुः ॥ प
गुहाहर्ष ॥ समाससमाधिकृत ॥ अपिग ॥ कपार्थिवादिनामध्वमपदस्यलायावकाव्य ॥ ग
कृपियेठपार्थिव ॥ ग ॥ कपार्थिव ॥ दवपूजकावाक् ॥ दववाक् ॥ दवानांप्रियति
र्थदवसूर्य ॥ उकार्थनिबृत्तसति ॥ कविरुक्क ॥ नपदवाच्यत्वंसमानाधिकनदी ॥ आदध
द ॥ द्दिसमासकविदादिपदस्यलायाहवति ॥ नकावाधिकल्प ॥ कविरुक् ॥ मातस्वपिताव

गुनः
६०

पितृभ्यो॥ श्वशुरनश्च भगुभ्यो॥ इति तावत्पुत्रश्च पुत्रो॥ मतीर्द्ध॥ दक्षसमासपूर्वपदस्य अकारान्त
स्य वा आत्वं हवति॥ मातावपितावमातापितृभ्यो॥ इति तावत्पुत्रो॥ वाग्रहस्तु मातृनपितृभ्योऽंति
निपात्यन्त॥ दक्षसर्वोदित्वजसिवा॥ वर्धश्च आशुमाशुः कनश्च॥ वर्धश्च मकन॥ वर्धश्च मेक
ना॥ हिन्नार्थेति वृत्तं सति हिन्नविहकृन्तपदवाचित्वे वैयधिकनर्थ॥ वैयधिकनर्थवद्वी
होमध्वषदस्य लापाहवति॥ गंधस्य गन्धिनादरगवकाव्य॥ कुमूदस्य गंधिः वगैरक्षय
स्यासा कुमूदगंधिः॥ हंसस्य गमनमिव गमनीयस्याः साहंसगमेनास्ती॥ दिकर्सेख्यसीरु
या॥ दिकर्गर्धोसीरुयाविययपनदुल्यार्थसमस्य नंतत्पूनुषाहवति॥ अविगुहानित्य
समासः॥ अन्यपदविगुहापि॥ दक्षिष्मिन्नि॥ सफगमा॥ ॥ अंतिसमासप्रक्रियासमा

सा.स्व
८९

फ१॥ ॥ अथ तद्धि नानि नूयत ॥ तर्था पूर्वोक्तानां नाम पदानां मर्थोक्त न प्रणिपादनरित
०० तितद्धि न१॥ अपत्य अ१॥ नाम्ना पत्यर्थेऽद्य प्रत्यया रुवति ॥ उपरगत नर्त्य ०० तित्वाक् ॥
उपरगत १ अन ०० तित्तिरु ॥ समास प्रत्ययानि यिष्टी लाप १॥ एका नावृद्धेथ १॥ आदिस्व
नस्य चित्तिवृद्धि १॥ स्वनामी मध्य आदिस्व नरु स्य वृद्धि क्ववति ॥ त्रित्ति ति ति च तद्धि नप
न ॥ अत्रादिति ॥ त्रित्ति ति ति च प्रत्ययपन ॥ अने उ वृद्धि १॥ उका नस्य उका नावृद्धि १॥ वा ३
व्यस्वने ॥ उका नस्य उका नस्य व अव रुवति यका नस्व नपन ॥ नाम सैरुया स्यादि ॥ ओपग
व १॥ वसिष्ठ स्या पत्यमिति वाक् ॥ यस्य लाप १॥ वासिष्ठ १॥ रगत मस्यापत्य ॥ रगे तम १॥ अउ न
ति ॥ मातृग १ दस्य मका नस्य उ नूवति अतिपन ॥ वरुणी मातृ क्षामपत्य ॥ वाक्मातृ न १॥ धेमा

गुनः
८९

कुनः॥ वषाः॥ सप्तमातनि॥ वषाः॥ दस्यवका नस्यवत्वरुवतिमातनिपन॥ यदा कविरुमसाना
उमाः॥ उव्या॥ अतः॥ उव्या॥ अका नाकानामानुविमदादपत्यर्थः॥ उव्या॥ योरुवति॥
यस्य लापः॥ गीधनस्यापत्यं॥ रोधनिः॥ उव्या॥ देवदहस्यापत्यं॥ देवदहः॥ पुनर्देनस्यापत्यं॥
पोनर्देनिः॥ दमनथस्यापत्यं॥ दमनथिः॥ यरुदहस्यापत्यं॥ यरुदहः॥ वकादः॥ शुक्तिवका
वी॥ वहानपत्यं॥ वारुविः॥ ध्यायनरसयससीया गगनेन उक्तीपितृस्य दः॥ गगनेन उदन
यादः॥ कुलीनिगतिरुस्य दः॥ ध्यायनरसयससीया गगनेन उक्तीपितृस्य दः॥ गगनेन उदन
॥ वात्स्या॥ यस्य लापः॥ अनरुत्वा तावा रुक्मिया वात्स्या॥ गगने॥ वकानादिप गगनेन उदस्यापः
हनिजयनः॥ वनस्यापत्यं॥ वानाधः॥ पुनर्देनरु॥ अनरुत्वा रु॥ पुनाजयनी॥ आहिमूषा

सा.सु
६२

यशः॥ अग्नयः॥ अग्नयः॥ कपनपत्यः॥ काययः॥ आदिविदिः॥ अर्ननत्वादिपूः॥ अग्नयः॥
यस्यलोपः॥ सर्वेः॥ चकानात्सर्वः॥ स्यापिगः॥ र्गगयाः॥ अपत्यः॥ गगयः॥ मक्काः॥ अपत्यः॥
माहयः॥ पितृष्वसूनपत्यः॥ पितृष्वस्रीयाः॥ माहयः॥ सूनपत्यः॥ माहयः॥ स्रीयाः॥ अपनिबनपूर्व
पदस्यलोपाः॥ कः॥ नजयशीः॥ तनमृकः॥ नपत्यः॥ मार्कः॥ धुयः॥ कविस्त्रिलीगदहायिः
होमः॥ लवः॥ रुतः॥ कविः॥ अपत्यः॥ उत्पन्नस्यपुयस्यवरुतः॥ सनिकविद्विषिविवयलः
रुवतिः॥ गर्जस्योपत्योर्गर्जः॥ वत्साः॥ अग्नयः॥ विदहाः॥ गर्जयस्कविदाहवग्निकत्सा
गिलावसिष्ठः॥ गतमः॥ दुल्यायः॥ रुगित्यः॥ पनस्यवरुतः॥ लवः॥ वतीः॥ निकविः॥ रुतः॥ मगः॥
याः॥ देवतदमर्थः॥ देवतार्थः॥ दमर्थः॥ वाक्कापयारुवतिः॥ द्वादवगाः॥ अस्पतिः॥ रुतः॥

दमः

दि३

गुनः
६२

हवी॥ अष्टपुत्रय॥ सा मादवता अस्पति सोम्य॥ धृष्टपुत्रय॥ नदाददीत्वा सोम्य॥ दवहार्थमिदं
वस्तुं देवदुर्लभं॥ उक्ताथं मुनीप्रयाग॥ नामसंज्ञायां स्यादि॥ सर्वतश्च सोम्य॥ कविद्वया॥
कवित्वं चोक्तं न पनाथा वृद्धिर्लवति॥ आग्नीमान्तं कर्म॥ सोमार्थं॥ अग्रावने अष्टकं वा॥
गच्छात्तं समूहं॥ हिमावा॥ उक्ताष्टपुत्रया विषया नूनं शिनिता रवति॥ अजो रगो र्यस्यः
सा अजगुः शिव॥ तस्य धनं नाजगवः अजगवा वा व्यस्वन॥ कुमूदस्य र्गंधं वगैरधायस्य
स कुमूद र्गंधितस्या पत्न्यं स्त्रीवति को मुद र्गंधः॥ अष्टपुत्रय॥ आवगच्छि यती॥ धृष्टपुत्रयस्य
अष्टपुत्रयः॥ अष्टपुत्रय॥ विष्णुविदेव वृत्ती॥ गीता विदेव रवी॥ अष्टपुत्रय॥ कलरु
वक्रल्यी॥ अष्टपुत्रयानि हित्व नमदाद र्गकृतं यथा दस्मदा॥ एष पुत्रयानि हित्व॥ न वं

१

सा.सु.
६३

दंलदीयी॥मम००दंमदीयी॥कचित्पदान्कताप्रयधीया००त्युक्ताह॥चपाअवजवा००निदका
न००थायस्य००दंयदीयी॥तस्य००दंनदीयी॥अगुशीयप्रत्ययानदीया॥अता००॥चउनगदस्य
वलापाहवनिधप्रत्ययवपन॥नहिरुदनीय०॥अन्यस्यदक॥अन्यगेदस्यदमगमाहवति॥धी
यप्रत्ययपनत०॥अन्यदीयी॥अर्द्धजनीयी॥अतापिनहिली॥कानकागुक्रियायूक॥कानका
दपूकप्रत्ययाहवति॥क्रियायूककर्तृनिकर्मोतिवारिधया॥कृकर्मनकवर्तुकोकमी॥अ
गुअप्रत्यय०॥उक्तार्थनामप्रयोग०॥मथुनायाआगतामाथून०॥नित्वाहृदि०॥ग्रामरुवा०
ग्राम०॥धप्रत्यय०॥धूर्नवहतीतिरधोनय०॥धुर्य०॥नहिरु॥कनयको०॥रुवादर्थ॥कः
००नीन००य००क००॥प्रत्ययारवति॥निर्वैवैविकल्पिक॥काहृटहव०॥काहृटक०॥

गुनः
६३

काहृटक०॥

अमादागताकृष्णकावाग्रमीनः॥ अम्यः॥ ॐ न प्रत्ययः॥ सधीर्वीनः॥ समीनीनः॥ निवग्नी
 नः॥ ॐ न प्रत्ययः॥ यस्य लापः॥ ॐ न प्रत्ययः॥ यलापश्च॥ अकस्य यकानस्य लापारुवतिय
 कान ॐ न प्रत्ययवपनः॥ वकानाकविदतिपनपियनस्येकोलापारुवति॥ कन्यायां रुवः काः
 नीवः॥ पूष्यनयूकापोर्मासीपोषीतगुरुवपोषीनः॥ ॐ यावाः॥ कुरुगदस्य ॐ यावारुति॥
 कुरुवः॥ कुरियः॥ कागुः॥ कुरियः॥ ॐ न्दियः॥ अकोर्दिवतीति अकिक्कः॥ गद्विकनामीति ग
 दिकः॥ वदसर्वन्धिनीक्रिया॥ वेदिकी॥ नदादः॥ ॐ पः॥ कर्ककमलः॥ तार्किकः॥ ॐ क प्रत्यय
 ॥ यलापश्च॥ सतनी॥ किमादद्यादरुवाद्यर्थसतनीप्रत्ययोरुवतः॥ कुरुवः॥ कुरुस्यः॥ क
 रुआगतः॥ कुरुस्यः॥ कुरुवः॥ कुरुस्यः॥ कुरुआगतः॥ कुरुस्यः॥ अग्ररुवः॥ अग्रतनः॥ श्रीरुव

वा क्रधस्य वा वा क्रधता ॥ ता रुस्य निरुं सु लिगत्वा दाप ॥ ता वन पूस कत्वी ॥ वा क्रध ॥ वा क्रध
त्वी ॥ सु मन सा पूष्या धी रा व ॥ सो मन स्य ॥ सो रा ग्य ॥ वे इ व्य ॥ सर्व क य स्य लाप ॥ समा हा न ता व
गु ध ॥ समा हा ने वा न्य ता पत्य या रु व नि गु ध ॥ गु या धी स मा हा न गु ता भा प ॥ च का ना रु ग
म ता ॥ र्ज न ता ॥ व धू ता ॥ स हा य ता ॥ वा स क ध नू क हा रु क को रु क ॥ ॐ त्या दो कु प त्य य ॥ यो व न
मि त्या दा व ॥ ग ह ति ध ॥ त्या दो न्य प ॥ का वे चि की ॥ ॐ त्या दो ॐ कु प त्य य ॥ क र्म ध पि य दा व क व
॥ वा क्रध स्य ॐ दं क र्म वा क्रध ॥ ना स ॐ दं क र्म ना र्म ॥ ना र्म ॥ ना व ति ला प ॥ सा ध यो दो
य ॥ क र्म ध पि य दा व क व ॥ वा क्रध स्य ॐ दं क र्म वा क्रध ॥ क र्म धि सा धू ॥ क र्म धी ॥ स हा या
सा धू ॥ स त्य ॥ य स ग हि र्ज स स्य ॥ ला हि ता द ठि दि म न् ॥ ला हि ता द र्ज सा रा वा र्थ ॐ म न् पु त्य ॥

सा.सु.
६५

याहवति॥सवदिह॥ठित्वादि लाप॥लाहितस्य तावलाहितिमा॥कालस्य तावकालिमा॥अस्य
तावअनिमा॥अनूता॥अनूत्वी॥पक्रलाहितता॥लाहितत्वी॥लाहित्वी॥लघिमा॥लघुतालापव
॥लघुत्वी॥अन००मनि॥अवर्गस्य ताहवति००मनिपत्र॥सवठित्वादि लाप॥पृथः
तावपुथिमा॥मृदातावमुदिमा॥कृसस्य ताव१कसिमा॥रुसस्य ताव१सिमा॥००त्यादि॥
वहालोपा रूश्चवहा॥वहानरुनवामिमनामिकानस्य लापाहवति॥वहास्तानरुश्चदम
॥आदिगदादिक्षसाग्रहर्ष॥रू००मन००मिस्ति॥००कानस्य लाप॥रूमा॥उरुनोजनग
दवह॥अस्यर्थम००॥नाम्नाअस्यर्थमैरुपत्ययाहवति॥अस्यासित्वास्की॥क्षतमित्तरथा॥उ
कात्रान्मिधननार्थ॥विगानूम॥अस्वसावितिदीर्घ॥गवावितिदीर्घ॥गवाविद्यतः

गुनः
६५

ॐ हिरण्यमान् ॥ रणमन्त्रो ॥ रणमन्त्रः ॥ आदिसर्गः ॥ श्रीविद्यतः स्वतिथीमान् ॥ पीतिनस्यास्ती
तिपीतिमान् ॥ पुण्यस्तीतिधीमान् ॥ उक्तानां नृवंधत्वादिपु ॥ रणमन्त्री ॥ श्रीमन्त्री ॥ पीतिम
न्त्री ॥ धीमन्त्री ॥ नेदीवदुप ॥ ॐ कोमलस्थो नो मन्त्रे ॥ ॐ कोपस्थो रुवन्त्रे ॥ विजयंति
पुताका ॥ अस्यास्मिन् स्तीतिवेज्यन्त्रः ॥ मायास्यास्तीतिमायिकः ॥ यस्य लापः ॥ कविदुपयाधि
दपि ॥ पुस्त्यास्तीतिपास्तः ॥ गुहास्तीतिगुहः ॥ अर्चः ॥ अर्चमस्यास्तीतिअर्चः ॥ वारुः ॥ नाकाप
धवन्त्रि ॥ मकात्राकामकात्रापधदकात्राकामकात्रापधधवन्त्रिनोपस्थो रुवन्त्रः ॥ लादी
फो ॥ टिलापः ॥ उपस्थयः ॥ अत्र सा ॥ सो ॥ रुवान् ॥ धनी ॥ कुनी ॥ दह्यु ॥ दवदनीरुमी ॥ किंवान्
॥ गमी ॥ ॐ नारिणो ॥ नडिदाडिस्थवन्त्रः ॥ नडित्वान् ॥ मन्त्रवान् ॥ सन्त्रवान् ॥ ७ नकिंयल्लुह्यन्त्रः

सा. स्व
६६

पनिमारुधवकु॥ यरुशना॥ यरुशरु नात्वरु वनिव गोपन॥ यावान्॥ तावान्॥ किम॥ किमर्थं॥ कि
मगदस्पकिलादरुगारुवनि॥ चकोनात्वरु कुपत्ययस्पवकानस्पयकोनात्वरु॥ कियान्॥ अ०
यरुशेनदना॥ यरुशरु नत्वरु वनिपक० लादरुगारुवनिव गोवकानस्पचयकान॥ उतावान्
॥ किंयान्॥ उदादनिल॥ उदादरुगारुदिलप्रत्ययात्वरु॥ उदिल॥ उदनिल॥ पिच्छिनिल
॥ ओनत्वरु दनाइन॥ ओनत्वरु दरुगारु इप्रत्ययात्वरु॥ दकुन॥ यस्यलाप॥ अछादनाल॥
॥ अछाल॥ कपाल॥ निडाल॥ भीताल॥ अस्मायामधायुग्याऽस्वर्थेविनवकव्य॥ तपस्वी
॥ मायावी॥ मधवी॥ अग्नी॥ वाचाग्नि॥ वाग्मी॥ अनूवन्मर्थ॥ वपोऽनूवजवा॥ आलातोकरु
सितलभिनि॥ वाचाल॥ वाचाट॥ ०० वरुपनिस्माफीकल्पदग्धगीया॥ ०० वरुपनिस्मा

गुनः
६६

[illegible]

सा. स्व
६७

त्वायका नात्पूर्वमिकान॥ वका नात्पूर्वमुका न॥ पश्चादादिस्वनस्य वक्तिः तिष्ठति ॥ वेयाक
नध॥ सोवग्ध॥ ॐ नो जाना र्थ॥ जाना र्थे ॐ त पुस्त्या रुवति ॥ लङ्कित॥ अपित॥ नननमः
ॐ यस्विष्टा॥ पकर्थ॥ पकर्थे अतिगय र्थे नननमः ॐ यस् ॐ ॐ ॐ ॐ त पुस्त्या रुवति ॥ अतिग
यनकृ॥ कृकृन॥ कृकृनम॥ गुकृनम॥ ॐ यस्विष्टोक्तिगोविनिवकथो ॥ उटितला
प॥ उका शान्तिधनार्थ॥ सम्रहनाक्षोदीर्घ॥ अतिगयनलघुलघियान् ॥ लघियान्मो ॥ ल
घीयान्म॥ पापीयान् ॥ पापीयसी ॥ लघीयसी ॥ लघिष्ट॥ गुर्वोदिनिष्टमनीयत्सूगनादिहिला
प॥ गुर्वोदिगनादिनादृग्गरुवति ॥ ॐ ॐ मनीयत्सूटिलाश्चरुवति ॥ अतिगयनगुनू॥ गनीः
यान् ॥ गनिष्ट॥ गुनोरुव॥ गनिमा॥ प्रमा ॥ पृष्ट॥ पयान् ॥ सुविष्ट॥ वृविष्टान् ॥ पूर्ववत्

गुनः
६७

॥ॐ लाया छाग द्वादीयसू॥ छाग द्वात्यनस्य ॐ दीयसू ॐ कानस्य लाया रुवति ॥ कायान् ॥ कृष्ट
॥ दीर्घस्य डा य आ द ग ॥ अतिगयन दीर्घ डा यी यान् ॥ डा घिष्ट ॥ अतिगयन पु ग ह ॥ गेयान् ॥
॥ गुष्ट ॥ वहा निष्ठ धि ॥ वरु ग दस्य ॐ ह्रस्व य य न ॐ कानस्य यि रुवति ॥ वरु हान रु द ॥ रु
यिष्ट ॥ किमावया दारवा ना व न न म यी ना माग मा व कू व ॥ किं न नी ॥ किं न मी ॥ कृत स म यि
न मा ध व ॥ कृत स म यि मी मा न क क ली ॥ उवे स नी ग यति ॥ पवति न नी ॥ पवति न मी ॥ प ० ति
न नी ॥ प ० ति न मी ॥ प नि मान द घ्रा द य ॥ जान द घ्र ज ली ॥ मान मा ह ॥ पू नू य य मा ली ॥ सि ना द
य सी ॥ दया र्व रु ना र्वे कस्य नि धे न र द कि मा दि द्या उ न न उ न मो व कू यी ॥ क न ना रु व न ॥ का ग् ॥
॥ क न मा रु व नी ना कि क ॥ रु व ना र्य न ना कि क स न नी उ नू गृ क्ता उ ॥ र्खा या वि र ग षा व ध

सा.सु
६८

नरहादितिर्यागीयः॥ दयाः पूनरहाः॥ दितिर्याः॥ गुयाधर्मपूजनाः॥ गुःसंज्ञानतीः॥ हतीयः॥
षट्ककुनाषट्कः॥ वधुःपूर्वःषट्कः॥ वडुःपूर्वःषट्कः॥ कासंख्यायस्यतिकतिः॥ कतिपया
स्याथः॥ कतिथः॥ कतिपयथः॥ पंचादमः॥ पंचानापूर्वः॥ पंचमः॥ सफमः॥ अस्ममः॥
नवमः॥ दगमः॥ दववगः॥ उकादगः॥ दउदः॥ उल्लालिलोयः॥ उकादगः॥ दगः॥ गुया
दगः॥ अस्मादगः॥ विसंख्यादवतमः॥ विगः॥ विगतिमः॥ विगः॥ विगतिमः॥ संख्या
याः॥ प्रकाशधः॥ विधः॥ वडुः॥ गुहावृद्धिः॥ दधः॥ गुधः॥ दधः॥ गुधः॥ क्रियायाः॥ आवृत्तः॥
त्वसः॥ पंचवानानितिपचः॥ कत्वः॥ षट्कत्वः॥ दितिर्यासुः॥ दिनकः॥ दिनकः॥ दिपदेधिः
तीः॥ विपथितीः॥ वकादगः॥ वरुवानानितिवरुगः॥ रुजिगः॥ कतिगः॥ गहगः॥ अ

गुनः
६८

ल्यगं॥स्काकगं॥अनकगं॥पादगं॥तयायतोसरव्यायी॥द्विगयी॥त्रिगयी॥चतु॥द्विगयी॥त्रि
 तयी॥द्वयी॥त्रयी॥यस्यलाप॥टित्वाहं॥द्वियी॥त्रयी॥जघागहादतिजवलादयावकाव्य॥ज
 घाल॥जघिक॥जघानिक॥स्त्रीपूर्वोत्तमस्तस्ते॥स्ते॥धोस्त्री॥एगवानियात्या॥कतिपयादयः
 ॥कार्त्तव्यायतिस्तेकति॥सास्त्रव्यायर्वातकति॥यास्त्रव्यायर्वातयति॥ ॥००॥तिरुद्विगपक्रिया
 ॥ ॥अथआख्यातप्रक्रियानिनूयम्॥धगा॥वक्ष्यमाना॥पत्ययाधगाह्या॥त्वादि॥रसहा
 यामित्यादिदोमेधुसंस्कारवति॥सवजिविध॥आत्मनपदीपनस्मेपयुक्तयपदीयति॥आद
 नूदाहृदि॥अनूदाहृतादितश्चधगातात्मनपदंरवति॥जित्स्वनिर्गतउरु॥जित्॥स्वनिर्गतयः
 धगानूत॥आत्मनपदपनस्मेपदंरवत॥आत्मगमिश्चरुलेमात्मनपदी॥पनगमिश्चरुलेय

सा.सु
६२

नस्मैपदपथाकव्य॥ पनताऽन्यत्पूर्वोक्तनिमित्तविधुनाऽहितादन्यस्माध्वा॥ पनस्मैप
दस्मैवति॥ नवपनस्मैपदानि॥ तिवोदीनामस्य दगसंखकोनामानिनववनानिपनस्मैपद
संरुक्तानिरुवति॥ पनाध्वात्मनपदानि॥ पनातिनववनानिआत्मनपदसंरुक्तानिरुवति॥
वर्हमान॥ तिप्रतसंरुक्ति॥ सिपथसुथ॥ सिपवसुमस॥ तआरुंरु॥ सआरुध्वा॥ उवहम
ह॥ जालध्वा॥ पनिसमाफकिधापेनकिंतश्चवर्हमानेसंस्मिन्वर्हमानेअतिरुध्वातिवादयस्य
स्यारुवति॥ अस्मैतिवाद॥ पातिनीयानालदितिमंरु॥ नान्निन्नयुष्मादिनास्मदिनगणेश
थममध्वामाहमा॥ नामादिषूपदसुसुगितिगणेशपुयारुवति॥ नान्निपुष्कमानवः
गहापुष्कमानऽपिपुथमऽपुन्यारुवति॥ युष्मादिमध्वामतेरथेवास्यरुम॥ कर्हविपश्च

गुनः
६२

स२

॥ पीपनस्मेपदकलुनिरुवति ॥ चकानादात्मनपदमपि ॥ तत्तुलु ०० ॥ तस्मात्पनस्मेपदिनावि
कनक्षलिनादथायाचक ॥ तत्तुलु कलुविवकायापथमेकवचनरुतिव ०० ॥ तिसिदित ॥ पेकान ४ पि
तिका यार्थे ४ ॥ अपकलुनि ॥ धातानपुत्ययारुवतिकलुनिविरुतिन भूतिवादिषूचमुवृदियः
यन्मषूपन ४ ॥ पेकानाविकनक्षरुदरूपेनार्थे ४ ॥ गुण ४ ॥ धातानक्षरुतस्यनामिनागुरुक्षरुवः
तियितेपन ॥ अवाद्ग ४ ॥ रुवति ॥ द्वित्वविवकायांरुतसु ०० ॥ तिसिदित ॥ अयिदादिदिदित ॥ पेका
नर्तनादिर्कवविहाय अन्यपुत्ययादिसिद्ध ॥ रुवति ॥ किदित्येद्युसि ॥ किदिदितिवपनधागागु
क्षरुवति ॥ यूसर्विर्जयित्वा कृतेदिव्वचनाइसिपनरुगुरुक्षरुवति ॥ तनादितालुसिगुधपति
पुतिंयधपि अपुत्ययनिमिरुगुरुक्षरुवत्यव ॥ सुविस्मर्त ४ ॥ रुवत ४ ॥ वरुत्वविवकायांरुवः

गुनः
७०

यूस् ००० अगमा रुवति ॥ रुव यू ॥ अवि सग्ने ॥ रुव ॥ रुवर्त ॥ रुवता ॥ यामि यम ॥ अकानात्य
नस्यो याम् ००० रुवति ॥ रुवयी ॥ रुवव ॥ रुवम ॥ मिषा गुनं प्र घका रुवदिनि विधि ॥ रुवदसा
वाक् ॥ एव दया न गत्वा दिति सरोवनी ॥ विरुक्किय कानत्वा य स्य लो पान रुवति विरुक्कि स्वन
त्वाच्च ॥ आगी ॥ प्र नद्यो ॥ दुपत अकु ॥ हिन ॥ अति प आव प्र आम प्र ॥ ती आताम अका
मोत्त आर्था धी ॥ जे प्र आ हे प्र आम हे प्र ॥ अपा फ पार्थना मागी ॥ पनरु ह्यर्ग सनीवा ॥ प्रेवर्त स
वर्तनी ॥ रुव रुवा दय ॥ प्र स्या रुवति ॥ जर्ग सीला ला द्वा दिनी यानी ॥ रुक्का स्तान्ता मि विवा
वक्ता ॥ रुक्क गुण य रुवा यनी त्या द्वा य ॥ रुव रुव ॥ रुवता द्वा ॥ रुवती ॥ रुव रुव ॥ अता रु ॥
अकानात्य नस्य रुव रुवति ॥ रुव ॥ रुवता ॥ रुवर्त ॥ रुवता ॥ रुवानि ॥ रुवाव ॥ रुवाम ॥ अ

२३

सा.ख
७१

[illegible]

गुब्बः
७९

[illegible]

सा.स्व
७२

[illegible]

मुनूः
७२

सि॥ पवथ१॥ पवथ॥ वमाजा॥ पचामि॥ पचाव१॥ पचाम१॥ पवेत्तु॥ पवती॥ पवयु१॥
पवेश१॥ पवर्त१॥ पवकु॥ पवतातु॥ पवती॥ पवरु॥ पव॥ पव॥ पचेतातु॥ पवर्ति॥ पव
रु॥ पचानि॥ पचाव१॥ पचाम१॥ अपवर्तु॥ अपवर्ती॥ अपवन॥ अपव१॥ अपवर्ती॥ अप
वता॥ अपर्व॥ अपचाव॥ अपचाम॥ आत्मनपद॥ पवरु॥ पवर्ती॥ पवरु॥ पवम॥ प
वरथा॥ पवध्व॥ पव॥ पचावह॥ पचामह॥ पवरु॥ पवयाती॥ पवनन्तु॥ पवथा१॥ पव
याथी॥ पवध्वं॥ पवमा॥ पवेवहि॥ पवमेहि॥ पवती॥ पवती॥ पवकी॥ पवस्व॥ पवथा
पवध्वं॥ पवे॥ पचावह॥ पचामह॥ अपवरु॥ अपवर्ती॥ अपवरु॥ अपवथा१॥ अप
वथा॥ अपवध्वं॥ अपव॥ अपचावहि॥ अपेवामहि॥ गङ्गगतो॥ हित्वादात्मनपदी॥ रुः

यत्॥ गायत्॥ अगायत्॥ नायति॥ नायत्॥ नायत्॥ अनायत्॥ स्नेहवर्कय॥ गायति॥ गाय
 यत्॥ गायत्॥ अगायत्॥ स्नेहवर्कय॥ गायति॥ गायत्॥ गायत्॥ अगायत्॥ गायत्॥ गायत्॥
 ॥ गायत्॥ गायत्॥ गायत्॥ अगायत्॥ दपेभनेधे॥ दायति॥ दायत्॥ दायत्॥ अदायत्॥ द
 स्वप्न॥ दायति॥ दायत्॥ दायत्॥ अदायत्॥ कक्षहास॥ कक्षहास॥ कक्षहास॥ अकक्षहास
 ॥ कक्षहास॥ अक्षहास॥ कक्षहास॥ कक्षहास॥ अक्षहास॥ अक्षहास॥ अक्षहास॥
 ॥ नगर्सेकाया॥ नायत्॥ लायत्॥ घायत्॥ दायत्॥ नायत्॥ नायत्॥ नायत्॥ नायत्॥ नायत्॥
 पूजाया॥ अक्षहास॥ कक्षहास॥ दीपिबन्धनया॥ ॐ स्वादयाः श्रवणपित्वादयाः धातुपाभदवर्गनयाः
 ॐ दानीलूग्विकनक्षत्राणि अक्षहास॥ कक्षहास॥ कक्षहास॥ कक्षहास॥ कक्षहास॥ कक्षहास॥

नखमखसर्पनः ४ अगर्गः अगर्गः अगर्गः अगर्गः

मा.ख
७४

[illegible]

पुनः
७४

नकाना इरुनस्पहवति ॥ रगनर ॥ किलात्थ ४ स ॥ रगय ॥ गयार ० ॥ रगरध्व ॥ गय ॥ रगवह ॥ स
 मह ॥ गयीता ॥ गयीयार्ता ॥ गयीनहा ॥ गयीथा ४ ॥ गयीयार्थ ॥ गयीध्व ॥ गयीय ॥ गयीवहि ॥ ग
 यीमहि ॥ रगर्ता ॥ गयार्ता ॥ रगनर्ता ॥ रगेश ॥ गयार्थ ॥ रगध्व ॥ गये ॥ गयावह ॥ गया मह ॥ अरग
 त ॥ अगयार्ता ॥ अरगनत ॥ नूट ॥ अरु अरु ॥ अरगथा ४ ॥ अरयार्थ ॥ अरगध्व ॥ अगयी ॥ अरग
 वहि ॥ अरगमहि ॥ ॥ कृष्णकार्यावावि ॥ ७३ कानउयपदार्थ ॥ अवादाविपिस्मि ॥
 कुव ० पुत्यथारुवति नकाने सकाने सकाना दोपिनिपन अवादीविषय अवादरगे ॥ अ
 प्कलनि ॥ अपालक ॥ खवीति ॥ कृ ४ ॥ धादो गानिधोस्वन ॥ नूधगा ४ विकनस्य ॥ नादो
 गोस्ववरक्तवर्ध्यानिधोरुवत ४ स्वनपन ॥ अनकस्वनस्योर्मागपूर्वस्य उधोरुवत ४ ॥ ना

सा.सु.
७५

नष्पात्वा॥ अनपि विषय उवर्त्तनस्य वत्तनरुवति॥ किरु उव आदरगा रुवति॥ रुव रुव रुनि
त्पासे अनपि ग्रहर्ष शहा न नर्पी विषय॥ ववीति॥ कुवन्ति॥ ववीषि॥ वथ॥ वथ॥ ववीः
मि॥ कुव॥ कुम॥ आत्मन पदपि॥ कु॥ कुवार्ग॥ कुवर्ग॥ कुष॥ कुवार्थ॥ कुध्व॥ कु
व॥ कुवह॥ कुमह॥ कुव आह ध्वर्पवाना॥ कुव उरु नर्वाति वादी नर्पवाना॥ एष अउस उ
सुथ प्र अथुस॥ ॐ एत आदरगा रुवति॥ कुव आह आदरगा रुवति॥ आह॥ आह उ॥
आह॥ तरथ॥ थकाने पन कुवाह को न सत काना रुवति॥ आह॥ आह थु॥ वथ॥ ववी
मि॥ कुव॥ कुम॥ विधि सीता वदया॥ कुया॥ कुयाती॥ कुय॥ कुया॥ कुयाती॥ कुया
ती॥ कुया॥ कुयाव॥ कुयाम॥ कुवी॥ कुवीयाती॥ कुवीन॥ कुवीथ॥ कुवीयाथी॥ कु

गुनः
७५

३१९

सा.स्व
७६

लोपाहवति॥ अख्यु॥ यः अहिगमन॥ जनो॥ उकावस्यो कानादरगहवतिपिमिस्मि॥ योगि
॥ ययागु॥ योदु॥ अयोक्तु॥ यां प्रापन॥ जस्य प्र॥ स्मृत्कुरु॥ वागतिवन्धनया॥ पापूनरक्ष॥
रादिफो॥ मामान॥ लाग्रह॥ नादान॥ स्नासोव॥ ॐ स्यादयाऽन्यपिधुपाथादवगन्तव्याऽ
हानीलुग्विकनक्षस्यापिशहासादिगद्यस्यविरगय॥ कुर्यान्नादनया॥ कादृष्टिश्च॥ ॐ स्या
दगर्भस्यस्यनस्यापालुग्वतिरुस्मिनसतिधुमादिर्वचनी॥ सस्वनादृष्टिनदि॥ सस्वनाया
वयवाऽद्विबुक्तादिरुवेति॥ कुरु॥ पूर्वसंवन्धिना॥ कवर्गहकावेवाधुर्वीति॥ वर्ग
वदुर्थाहस्यसवर्ह॥ मपानजिववपा॥ पूर्वसन्धभिर्नामपानजिवावपाहवति॥ अरु
धघशानजिउदगवोरवति॥ खरुक्क० पानावटतकपाहवति॥ शहाति॥ शरुक्क॥ ६

गुनः
७६

रव३

४॥दिनूक्ताइहनस्यानू०त्यनस्मारुवन्ति॥शुकनि॥गुह४॥किलात्स४स४॥शहावि॥शरुथ
४॥शरुथ॥शहामि॥अवमोबोलाप४॥पत्ययसम्बन्धिनउकानस्ववमा४पनयाबोलापाएव
नि॥कविदन्यजापि॥शरुव४॥शरुम४॥शरुम्भ४॥शरुयान्॥शरुयानी॥शरुयू४॥शरुयू४॥शरुयू४॥
॥शरुयानी॥शरुयान्॥शरुयानी॥शरुयाव॥शरुयाम॥छंदसितिवादिर्विधोवावकाव्य४॥श
हाति॥पातिनीयानांसंखालादुवादा॥गुह४॥शहाउ॥दित्वान्नगुह४॥शरुतात्॥शरुता
॥दन्तित्यत्॥शरुउ॥शरुगदाइहनस्याहधिवकाव्य४॥शरुधि॥शरुतात्॥शरुनी॥शरुत॥
पित्वात्गुह४॥शरुवानि॥शरुवाव॥दिवादात्॥गुह४॥अशहात्॥दित्वान्नगुह४॥अशरु
नी॥अनउस॥दिनूक्ताइहनस्यानूनउसरुवन्ति॥कतद्विर्वेनाइसिपनउरुवन्ति॥००त्य

सा.सु.
७७

कत्वा तु घ३ अरुहव३ गुघ३ अविमर्ज३ अरुहा३ अरुहगी३ अरुहग३ अरुहवी३ क
विदन्येनापित्थ कत्वा तु धा नानयु कानलोप३ अरुहव३ अरुहक३ अरुहम३ अरुहक३
अहादुगगी३ उका न आत्मन पदार्थ३ अका ना अदिमि विरगव नार्थ३ हा न कृति हि न३
का दे दि र अति दि त्वी३ अप क ह नि३ अपा लू क३ ज स्व३ पूर्व सम्बन्धि ना दी र्घ स्पृह स्वा र
वति३ ह उ अ लू कि उरु य धा न द या य द या३ अहादुगगी मादमान३ उ न वा पूर्व स्या कान
स्य काना द र ग्ग र वति३ लू कि स ति३ द लो ला पा न व ह र्गि ०० कान थै३ दि नू क धा ना कान स्य
ला पा र व ति हि मि स्व न प न ०० कान थै दि नि ह स प न३ जि ही न३ जि हा न३ जि ह न३ जि ही धा३
जि हा र थ३ जि ही र धा३ जि ह३ जि ही व ह३ जि ही म ह३ वि र धा३ जि ही तू३ जि ही या ती३ जि ही नः

गुनः
७७

६॥ जिहीथा॥ जिहीयाथी॥ जिहीधी॥ जिहीय॥ जिहीवहि॥ जिहीमहि॥ आमी॥ जिहीनी॥ जि
जिहानी॥ जिहनी॥ जिहीष॥ जिहाथी॥ जिहीधी॥ जिहो॥ जिहावहो॥ जिहामहो॥ अजिहीन॥ अजिः
हानी॥ अजिहना॥ अजिहीथा॥ अजिहाथी॥ अजिहीधी॥ अजिही॥ अजिवही॥ अजिहीमही॥ पूरु
धानदयावसया॥ न॥ पूर्वसेवभिनामकानस्याकानादं गुरुवति॥ मपानजिवचपा० तिव
कान॥ रुयालूकि॥ ०० निपूर्वअस्प० गु॥ विरुहे॥ विरुह॥ विरुगि॥ विरुर्षि॥ विरुथ॥
॥ विरुथ॥ विरुर्मि॥ विरुव॥ विरुम॥ विरुधो॥ विरुयात॥ विरुयाती॥ विरुयू॥ विरुया॥ वि
रुयाती॥ विरुयोता॥ विरुयाँ॥ विरुयाव॥ वियोरुमा॥ आमी॥ विरुर्कु॥ विरुत्तारु॥ विरुत्ता॥ वि
रुत्ता॥ विरुहि॥ विरुत्तारु॥ विरुत्तरी॥ विरुत्ता॥ विरुत्ताक्षि॥ विरुत्ताव॥ विरुत्ताम॥ क्षेप्तने॥ दिस्था

[illegible]

गुनः
७८

हि॥ जही नावा॥ जही नी॥ जहि ना॥ जहानि॥ जहाव॥ जहाम॥ अजहात॥ अनउस॥ उसिपत्र
आकावस्य लापारुवनि॥ अजही नी॥ अजह॥ अजह॥ अजही नी॥ अजही ना॥ दित्वा नावा
नाकावस्य लाप॥ अजही॥ अजहीव॥ अजही म॥ उदा उदान॥ उका नाद्वि नसि मक कायार्थ
॥ उका नउप पदार्थ॥ काद दिश्व॥ अपक रुनि॥ अपालक॥ जस्व॥ ददाति॥ दोद॥ दि
नूकस्य दाद नाकावस्य लापारुवनि॥ दिति पत्र॥ दसा विष्य सोपवा द॥ खस चपा मसानी॥
दह॥ दनिमि॥ ददमि॥ ददासि॥ दथ॥ दथ॥ ददामि॥ दद॥ दप्र॥ यादा दी सर्वज्ञाकाव
लाप॥ दद्यात॥ दद्यानी॥ दय॥ दया॥ दद्यानी॥ दद्यात॥ दद्या॥ दद्याव॥ दद्याम॥ उवादी॥ द
दाउ॥ ददावा॥ दाद॥ खस चपा मसानी॥ दही॥ ददु॥ दाहो॥ दादीनी होपन पूर्वस्य दका

सा.सू.
७२

नस्यलोपारुवमिधातानाकानस्यचकान॥दहि॥दलाघा॥दलं॥दल॥दहानि॥दहाव॥द
हाम॥दिवाद्योवन्॥अददात्॥अदली॥अनउत्स॥अदइ॥अददो॥अदलं॥अदल॥अद
दी॥अदद॥अदद॥दादनालाप॥०॥सादि॥आत्मनपदरपि॥अपलापपूर्वदाकानला
प॥दल॥ददात्॥ददत्॥दत्स॥ददाथ॥दद्व॥दद॥ददह॥ददह॥यादादो॥ददो॥
ददीत्॥ददीमात्॥ददीनत्॥ददीथा॥ददीयाथ॥ददीध्व॥ददीय॥ददीवही॥ददीमही
॥उवादी॥ददी॥ददात्॥ददत्॥दत्त्व॥ददाथ॥दद्वी॥दद॥ददावह॥ददामह॥अदल॥
अददात्॥अददत्॥अददत्॥अददत्॥अदद्वी॥अददी॥अददहि॥अदप्रहि॥इ॥अ॥
धनघपावधया॥पूर्ववल्लगादि॥उरयपदी॥काद्विध्व॥मराध्व॥मयानेजिववपा॥

गुनः
७२

[illegible]

सा.स्व
८०

॥ दधनी ॥ धत्स्व ॥ दधनी ॥ दध्नी ॥ दधे ॥ दधवहो ॥ दधमहो ॥ दिवा दो ॥ अधरु ॥ अदधनी ॥ अ
दधत ॥ अधत्वा ॥ अदधत्वा ॥ अदध्नी ॥ अदधि ॥ अदधहि ॥ अधेहि ॥ ॥ ॐ स्वादया काद
यश्च समाफा ॥ ॥ दिवादिगणमाह ॥ दिवू किञ्ज विजिगीवा व्यवहान युक्ति मुक्तिस्वप्न
मदमाद काकि गतिषु ॥ दिवति पूरू नितिदि ॥ दिवा दय ॥ दिवा दर्गत्तय प्रत्यया वतिवतुषु
पत्रषु ॥ अधापवाद ॥ आर्चिहस ॥ ॐ मिदी र्घ ॥ अरु दी र्घत्वा न्न गुण ॥ दीव्यति ॥ दीव्यत ॥ दीव्य
क्ति ॥ अद ॥ दीव्यसि ॥ दीव्यथ ॥ दीव्यथा ॥ वमावा ॥ दीव्यायि ॥ दीव्याव ॥ दीव्याम ॥ या ॥ ॐ तिः
ॐ ॥ दीव्यत ॥ दीव्यती ॥ युस ॥ ॐ द् ॥ दिव्ययू ॥ दीव्य ॥ दीव्यती ॥ दीव्यतू ॥ यामि यमा ॥ दीव्यय
॥ दीव्यव ॥ दीव्यव ॥ दीव्यउ ॥ दीव्यतादा ॥ दीव्यती ॥ दीव्यउ ॥ दीव्य ॥ दीव्यतादा ॥ दीव्यती ॥ दीव्यत

गुनः
८०

५३

[illegible]

सा. स्व
८९

[illegible]

गुनः
८७

37

सा.स्व
८२

[illegible]

७२

[illegible]

मा.स्व
८३

[illegible]

गुनः
८३

[illegible]

सा. स्व
८४

कनू॥ कनूतादा॥ कनूती कनूता॥ कर्वाहि॥ कनवाव॥ कनवामा॥ अकनागु॥ अकनू
ती॥ अकर्वेन॥ अकना॥ अकनूती॥ अकनूता॥ अकनवी॥ अकर्व॥ अकर्म॥ आत्मनप
दपि॥ कनूत॥ कर्वात॥ कर्वत॥ कनूष॥ कर्वोरथ॥ कनूध॥ कर्व॥ कर्वा॥ अनिखवमा॥ नू
लायावकाव॥ कर्वह॥ कर्मह॥ कर्वीत॥ कर्वीयाती॥ कर्वीनन॥ कर्वीथा॥ कर्वीया
थी॥ कर्वीधी॥ कर्वीया॥ कर्वीवहि॥ कर्वीमहि॥ कनूती॥ कर्वीती॥ कर्वीकी॥ कनूष॥ क
र्वीथी॥ कनूधी॥ नूप॥ कनवे॥ कनवावे॥ कनवामह॥ अकनूता॥ अकर्वीती॥ अक
र्वीत॥ अकनूथ॥ अकर्वीथी॥ अकनूधी॥ अकर्वी॥ अकर्वहि॥ अकर्महि॥ अर्वकध
किरुहि॥ सायी॥ करमाति॥ किरमाति॥ रूयादया॥ उपाभदवगकवा॥ ॥ उदादिप

गुनः
८४

क्यामाह॥ ॥ उद्व्यथना॥ उदादन॥ उदादगर्धनप्रत्यथारुवतिबहुवृषभनषु॥ अका
नउरुयपदार्थ॥ उदति॥ उदतु॥ उदतु॥ अउदतु॥ आत्मनपदपि॥ उदत॥ उदत॥ उ
दती॥ अउदतु॥ पवनतद्वदुपी॥ स्पृगस्पृगनि॥ मकानेगित्कार्थ॥ स्पृगति॥ स्पृगनी॥ स्पृ
गता॥ अस्पृगनी॥ सृजविमरुर्ज॥ सृजति॥ सृजतु॥ सृजतु॥ अस्पृजतु॥ स्फुनस्फुनरु॥ स्फुन
ति॥ स्फुनतु॥ स्फुनतु॥ अस्पृजतु॥ उर्वआत्मनपदपि॥ ॐत्यादि॥ ॥ अथकोदिगद्यप
क्रियामार्गन्दर्भयेति॥ ॥ श्रीकौण्डव्यविनिमय॥ ॥ कोनेउरुयपदार्थ॥ नाकाद॥ २
कादगर्धनाप्रत्यथारुवतिकर्तृविहितबुबहुवृषदषु॥ फुनारुधनक॥ कीधति॥ ॐहम
॥ नाॐत्यतस्याकानस्यैरुवतिदितिहसपने॥ कीधीत॥ नात॥ नाॐत्यतस्याकानस्यलो

सा.स्व
दथ

पाहवतिदिनिस्वयनयन॥कीधनि॥कीधसि॥कृदिथ॥कीदीथ॥किधमि॥कीधीव॥की
 धीम॥कीदीयात॥कीदीयाता॥कीदीयू॥कीदीया॥कीदीयान॥कीदीयात॥कीदीयी॥
 कीदीयाव॥कीदीयाम॥कीदीये॥कीदीना॥कीदीता॥कीदीत॥कीदीहि॥कीदीना॥
 कीदीन॥कीदीत॥कीधनि॥कीधव॥कीधम॥अकीधत॥अकीदीता॥अकीदीन॥अ
 कीध॥अकीदीत॥अकीदीत॥अकीदी॥अकीदीव॥अकीदीम॥आत्मनपदपि॥की
 धीन॥कीधत॥अनाइनादनत॥००हस॥नात॥कीदीष॥कीधस्थ॥कीदीर॥कीर॥
 कीदीवह॥कीदीमह॥कीदीयात॥कीदीयान॥कीदीनन॥कीदीध॥कीयोदीधी॥की
 धी॥कीदीय॥कीदीवहि॥कीदीमहि॥कीदीता॥कीदीता॥कीदीत॥कीदीष॥कीध

गुनः
८५

थी॥ की दी ध्वं॥ की रो॥ की एव हे॥ की एम मह॥ अ की दी न॥ अ की एम ता॥ अ की एम तो॥ अ की
दी था॥ अ की एम थी॥ अ की दी ध्वं॥ अ की सि॥ अ की दी वहि॥ अ की दी म हि॥ ग रु उ पा दान का व
या हानो॥ विज स कान॥ क ज आ कान॥ बध ना उन॥ व ग को नो॥ व च व्या जि क न र ए॥ प छि रिः
प्रा यो॥ व थ्रु र्द न॥ अ थ्रु नू पा क ठू त्या दि रू त वरी॥ ग ही कि ति ति व॥ ग रु का वि ण् व ण् क ण्
व ध व ध व च व च व ग वि च पु च्छ ण् स च व ग्धा दी नी कि ति ति ति च प न सं प सा न र्द र व ति॥
न रु स्म स कान॥ व का ना धि का ना क वि ति पि न पि सं प सा न र्द र व ति॥ गृ जा मि॥ गृ जी
त॥ गृ ऊ कि॥ गृ ऊ सि॥ गृ जी थ॥ गृ जी थ॥ गृ ऊ मि॥ गृ जी व॥ गृ जी म॥ गृ जी या न॥ गृ जी
या ती॥ गृ जी यू॥ गृ जी या॥ गृ जी या नी॥ गृ जी या न॥ गृ जी या॥ गृ जी या वा॥ गृ जी या मे॥ गृ

सा.स्व
८६

क्रातु॥ गृहीताद्या॥ गृहीती॥ गृहीतु॥ हसादानहो॥ हसाकक्रादग्नेषादानप्रयोत्सेरुवतिहोपव
॥ नानरुवति॥ अट४००॥ निहलोपि४॥ धर्त्वी॥ गृहाद्य॥ गृहिताद्या॥ गृहीती॥ गृहीत॥ गृहीतानि॥
गृहीव॥ गृहीम॥ अगृहीता॥ अगृहीती॥ अगृहीतु॥ अगृहीता॥ अगृहीती॥ अगृहीत॥ अ
गृहीता॥ अगृहीव॥ अगृहीम॥ ००॥ त्यादि॥ ७०॥ वीपूषपू०॥ पूकृति॥ पूकृतीयात॥ पूकृता॥ पू
कृता॥ अपूकृता॥ मूषकृय॥ मूषकृति॥ मूषकृतीयात॥ मूषकृता॥ मूषकृता॥ अमूषकृता॥ अ
ववाधन॥ जाजनिहो॥ जनिप्राइरुविरुअववाधनअनयोर्जद॥ रुवति॥ जानाति॥ जानि
त॥ जानति॥ आत्मनेपद॥ जानीत॥ जानोत॥ जानत॥ ल०३००००॥ ल्वा०६००००॥ ल्वा०६०००॥
नाजस्व॥ रुवति॥ ल्नाति॥ लनीयात॥ लनात॥ अलनात॥ सर्वेककहीनिपक्रियाददवा॥

गुन
८६

७ तच्च विरुक्तिवद्वयं सार्वधु कर्तृपत्रमाह्वधु कर्तृरूपानिधीयानी ॥ १००० तिकः
हपुक्रिया ॥ ॥ अथ राव कर्मस्य कपुक्रियानि नृप्यता ॥ अथ गदाधिका नार्थः ॥ आ
हुवि कर्मसि ॥ अकर्म कस्याधु ह्युवि राव स कर्म कस्याधु कर्मसि आत्मन पदं वति ॥
नविशत कर्मयथा क अकर्म का ॥ यव कर्मसि न पत्नी क्रियामाह स कर्म का ॥ जिल
जायी ॥ हस ह्ययी ॥ स्थागति निवृत्ति ॥ जागृनि जागृय ॥ अधु वृद्धो ॥ क्रिकय ॥ जिजय ॥ यिही
रय ॥ जिवपाधधन ॥ मृदूपाधधन ॥ भीरुस्वप्न ॥ दिवूकी जयी ॥ नूविदिफो ॥ ७० क
मका ॥ हयध आसगी हपु हतय ॥ लजा स ह्यसि ति जाग नदी ॥ वृद्धि कय रय जी विनम
नदी ॥ मयध की ज नूविदी स्यर्थ ॥ धु ग र्ग न मे कर्म कमाह ॥ सन्मा ग र्ग वलि ग ॥ स्याद

सा.सू.
८७

सुख्यञ्च कानके ४ धातार्थे ४ कवलीगुहा ॥ ०० स्थितिधीयत ॥ यच्च कुर्व ॥ धातार्थे कर्मोति
वयकुपुत्ययावतिव कुर्व पूर्विके मपन ४ ॥ ककावगुप्तपतिवधार्थे ४ ॥ रावमे कत्वा
कववनरवतिपथमपनूयस्य ॥ त्रयत ॥ रावता ॥ उधरुधामिके ४ ॥ आस्यतसहि ४ ॥ अका
नआत्मनपदार्थे ४ ॥ गयतगुदहा ॥ सर्वगुणीडागुरमावति ॥ अकर्मोकापिकदावित्सक
र्मकत्वमनरवीति ॥ तथावाकी ॥ धातार्थे वाधरश्चिक्श्चिरुमनूवरुत ॥ विगिनहितमवार्थमप
सर्गसिद्धिमता ४ ॥ उपसरर्जनधार्थवलादन्यगुनीयत ॥ विहानाहानसहीनपतिहानप
हानवित् ॥ ०० तिवचनात् ॥ सुखमनूहयतस्वामिना ॥ यच्च कर्मनिवपकाकि यामाहस
कर्मका ४ ॥ कट ४ क्रियतकानूक ४ ॥ त्वि ४ रवी कीयसनागे विनागे ४ रवी ही क्रिय ॥ अपकि

गुनः
८७

सा. ख.
८८

के. गे. ने. ग. ई. ॥ सी. ध. क. ना. ध. मा. ॥ सी. ध. क. ना. ध. मा. दु. ना. मा. ख. र. व. नि. ॥ अन. पि. वि. ष. थ. ॥ दा. द. नि. ॥
य. दी. र्च. ॥ गी. य. त. ॥ गी. य. त. ॥ गी. य. त. ॥ अ. गी. य. त. ॥ की. य. त. ॥ की. य. त. ॥ की. य. त. ॥ अ. की. य. त. ॥ नी. य.
त. ॥ नी. य. त. ॥ नी. य. त. ॥ अ. नी. य. त. ॥ र. ग. म. त. न. क. न. र. ॥ गी. य. त. ॥ गी. ये. त. ॥ गी. य. त. ॥ अ. गी. य. त. ॥ अ.
हा. क. र्पा. र. ग. ॥ ही. य. त. ॥ ही. ये. त. ॥ ही. य. त. ॥ अ. ही. य. त. ॥ पा. पा. न. ॥ पी. य. त. ॥ पी. य. त. ॥ पी. य. त. ॥ अ.
पी. य. त. ॥ ष. ग. ग. ति. नि. व. र. ॥ आ. द. ॥ क. ॥ ४. ॥ स्त. ॥ स्टी. य. त. ॥ स्टी. य. त. ॥ स्टी. य. त. ॥ अ. स्टी. य. त. ॥ त. ना.
त. ना. वा. ॥ त. ना. त. न. का. न. स्य. वा. आ. त्व. र. व. नि. य. कि. व. प. न. ॥ त. न्य. त. ॥ त. न्य. त. ॥ त. न्य. त. ॥ अ. त. न्य. त.
॥ ता. य. त. ॥ ता. य. त. ॥ ता. य. त. ॥ अ. ता. ये. त. ॥ म. ग. ती. ॥ गु. र. म. हि. र्म. या. ग. म. या. ॥ म. ग. ता. वि. स्य. स्य. ध.
ता. ॥ र्म. या. ग. म. द. श्र. म. व. र्म. स्य. गु. र. म. ह. व. नि. ॥ कि. ति. ति. व. प. न. ॥ अ. र्य. त. ॥ अ. र्य. त. ॥ अ. र्य. त. ॥ अ.

गु. नः
८८

र्यत॥स्मृ७३विनायी॥स्मर्यत॥स्मर्यत॥स्मर्यती॥अस्मर्यत॥यत्कर्मगुहसंयागात्कारुत्वं
 नविवक्तुं सकर्मकला॥क्रियमानकृयेकर्मस्वयमेवपसिध्यति॥स्वकर्त्रे४स्वगुरो४क३४
 कर्मकलुतितदि३४॥तताप्यतदवादाहनर्ष॥पच्यत३४दन्४स्वयमेवनाहं३४दन्पचामि॥प
 च्यत॥पच्यत॥पच्यती॥अपच्यत॥तिदिनविदान४॥रिचर्तकाष्टस्वयमेवनाहंकाष्टरिन
 ग्नि॥ल७३कृदेन॥लयतकदाव४स्वयमेवनाहंलूनामि॥लयत॥लयती॥अलूमते॥द्विकर्म
 कस्यादाहनर्ष॥इहियाचिप्रक्षिर्दिक्षिवि७३मूषकविस्तसिर्जिनिवहजिदलिक्कषमथमव
 पचायाधगतवा॥द्विकर्मकारुवर्ति॥धी७३पापने॥७३का३७३पदार्थ४॥आ६४फ४स्त्र४॥नग
 र्नीयतनागनिकेर्वमेवन४॥शूयावियाव७३यी॥रा३४नीयाच्यरु३४यमानायाचकन४॥या

सा. स्व
८८

व्यता॥ यावत्॥ यावती॥ अयावत्॥ दशाः न्यत्र निष्कर्म गत्यर्थं माक कर्मणि प्रत्ययान्तिः
यावादि रगे सत्त्वं न्ययथ नूवि॥ पक्षि ह्रीं प्रायी॥ गृही कृति वति सप्रमानं॥ पृच्छा न पथानं
पथिक न पान्द॥ गीष्वा वायस्त्वत्पृच्छा॥ ॥००॥ तिलाव कर्म प्रक्रिया॥ ॥ पुनः क
रुनि प्रधीयता पनाक॥ धप्॥ अकुम्॥ उस्॥ थप्॥ अथूस्॥ अ॥ धप्॥ व॥ म॥ ॥ अ॥ ॥००॥
न॥ स॥ आ॥ रथ॥ ध॥ ॥ व॥ ह॥ म॥ ह॥ धाताः पनाकृती काले स वा द्यः प्रत्यया रुवति॥ ॥ ७०॥
हानि द्वा॥ दि॥ श्र॥ न वा दि यो रग धाता दिवने रुवति॥ आ॥ क॥ ह॥ दो॥ पूर्वस्य उ कानस्य रुग द्
स्य आ॥ का॥ ना॥ रुवति स वा दो सति॥ षष्ठि निदिष्टे न्यायन ००॥ सु॥ कान॥ स्या॥ कान॥ ॥ रु॥ स्व॥ ॥ म॥ वा॥ ना॥
जव वपा॥ उ॥ वा॥ वृ॥ क॥ उ॥ वा॥ वृ॥ गा॥ मा॥ रुवति स वा दो पन॥ वृ॥ क॥ वि॥ धि॥ सा॥ म॥ थ॥ न॥ ग॥ र॥ स॥ वृ॥ धि॥ ॥

गुनः
८८

वरुव॥वरुवडु॥वरुव॥कादरुद॥कुरुदु॥कुरुदु॥कुरुदु॥कुरुदु॥कुरुदु॥
स्पवसादनिजगमातेनवतिअन्यस्मादुवतिनियमादिजगम॥वरुवीथ॥वरुवथ॥व
रुव॥वरुव॥वरुविव॥वरुविम॥वकथसमर्थवरुथववर्थइडाथउडाथगुरुअथ
मुताथ॥सादीना॥वलिर्वलवानवरुव॥इपचघपाक॥इकानपकानोअनर्वधार्थ॥दिः
रुतिद्विर्वा॥पूर्वहसाविरगव॥पूर्वस्याहेदिस॥मिषरुजून्यानूयन॥अरुउपधयावृद्धि॥धागा
नूपधयाअकानस्यवृद्धिर्हवतिजिगितिसिप्रस्यनत॥पपाव॥सादि॥किरु॥सादिनपिकि
रुवति॥लाप॥पवीकिरुवास्प॥पवादीनामनादभादीनीकितिनादीसतिपूर्वस्यलापारुवति॥
धगानकानस्यथेकसेहेस्येकागादरुभावरुति॥पवरु॥पवरु॥उकरुसस्यारावे॥कुरुअनिति

सा. स्व

२०

ब्रूवा ६२१ जगदुत्तु ॥ वरुथप ॥ अनित्तिधि कुनीधपावा ०० नरुवति ॥ सट्टकिर्त्तवावकव्यं
॥ किर्त्तादितात्पूर्वस्य लाप ॥ पविथ ॥ पपविथ ॥ पपक ॥ पवथ ॥ पव ॥ धब्रुमावानिद
वकुव्य ॥ तनाविकल्पनवृद्धि ॥ यथाव ॥ पपव ॥ पविव ॥ पविम ॥ आत्मनपद ॥ लापादि
पूर्ववत् ॥ पव ॥ पवात् ॥ पविन ॥ पविष ॥ पवात् ॥ पविध ॥ पव ॥ पविवह ॥ पविमह ॥ इ
ह ॥ कनेर ॥ दि ॥ श्रुतिद्वित्व ॥ कृपे ॥ ०० निसिद्धता ॥ इकावा ॥ द्वित्तिमककार्यार्थ ॥
॥ कान उरुयपदार्थ ॥ न ॥ पूर्वसंवन्धिनामकानस्याकावा ६२१ नरुवति ॥ कृहाथ ॥ व
ह ॥ अस् ०० निसिद्धता ॥ धाता नोमिन ॥ धाता नरुत्तस्य नामिना वृद्धि रवति ॥ पि ॥ ति ॥ वि ॥ पन
॥ वकान ॥ धित्वा तान्न वृद्धि ॥ कि ॥ त्वान्न गुण ॥ मनी ॥ वक ॥ वक ॥ वकथ ०० त्यासेन

गुनः

२०

[illegible]

सा. स्व
२९

र्थ॥ आमपुत्यय॥ कासीवकान॥ कासीवकु॥ कासीवकु॥ कासीवकाथ॥ कासी
वकर्थ॥ कोसीवकु॥ कासीवकु॥ कासीवकान॥ कासीवकुव॥ कासीवकुम॥ आसन
पद॥ कासावकु॥ कासीवका॥ कासावकिन॥ कासावकुध॥ कासानका॥ कासीकु
ध॥ कासीवकु॥ कासीवकुवह॥ कासीवकुमह॥ कासामास॥ कासामासे॥ कासामास
॥ कासामासिथ॥ कासामासि॥ कासामास॥ कासामास॥ कासामास॥ कासामासि
॥ कासामासिव॥ कासामासिम॥ कासामास॥ कासामासा॥ कासामासि॥ कासामासिथ
॥ कासामासा॥ कासामासि॥ कासामास॥ कासामासिवह॥ कासामासिमह॥ कासीव
रुव॥ कासीवरुवकु॥ कासीवरुव॥ वकासुदिफो॥ वकासीवकान॥ वकासीवकु

गुनः
२९

ॐ॥ व का सी वि कुं॥ व का सी मा स॥ व का सा मा सु दु॥ व का सा मा सु॥ व का सी वि रु व
॥ व का सी वि रु व दु॥ जा गृ नि डा रू धा॥ अ ऊ आ मू प ल य स्म द्ग वि धि आ र्या त व्य कि
नि क ता त दि त्व न गु ष ॥ सू हा स भि वि रू कि श्र यू या द स थ का न की त टि त ठु क्षी स ना
सा श्र द ग धा र्या त नि नू प्य त॥ जा ग नी च का वा॥ जा ग नी च कु दु॥ जा ग ना मा सु॥ जा ग
ना व रु वा॥ जा ग नी वि रु व दु॥ जा ग नी वि रु वू॥ ७ ध वृ क्षो॥ ७ धी च क्र॥ ७ धी च को त॥ ७
धी च कि न॥ ७ धा मा से॥ ७ धा मा सा त॥ ७ धा मा सि ने॥ ७ धी वि रु व॥ ७ धी वि रु वा त॥ ७ धी
व रु वि ने॥ वि द ह्ना न॥ अ का न उ च्चा व धा र्थ॥ आमि वि द गु ष ॥ आमि प ने वि द गु र्ध
न रु व ति॥ अन्य षो धा दु र्धा गु र्धा रु व र्थ व॥ वि दी च का न॥ वि दी च डे के॥ वि दी च कुं॥

सा.स्व
२२

विदमास॥विदमासुं॥विदमासुः॥विद्विवरुव॥विद्विवरुवकुश॥विद्विवरुवूश॥उषविद
मागृष्टावामूवकव्य॥उषावकान॥कविद्रुनस्यउवाद्ग॥उवाय॥विद्विकान॥विव
द॥जागर्नावकान॥जजागन॥ॐरुद्रगर्भीकनया॥ॐरुद्रिक॥ॐरुद्रिकान॥ॐरुद्रि
वकन॥ॐरुद्रिकामासान॥ॐरुद्रिकामासिन॥ॐरुद्रिवरुव॥ॐरुद्रिवरुवान॥ॐरुद्रिवरुविन॥ॐ
रुद्रिदि॥उरुविनकीउरुविक॥उरुविकान॥उरुविकिन॥उरुमास॥उरुमासान॥उरु
मासिन॥उरुवरुव॥उरुवरुवान॥उरुवरुविन॥ॐरुद्रवष्टायि॥ॐरुद्रविक॥ॐरुद्रि
विकान॥ॐरुद्रिविकिन॥ॐरुद्रिमास॥ॐरुद्रिमासान॥ॐरुद्रिमासिन॥ॐरुद्रिवरुव॥ॐरुद्रि
वरुवान॥ॐरुद्रिवरुविन॥ ॥ॐनिकोसादय॥ ॥अधुनाप्रत्ययाकस्यजामनि

गुनः
२२

नूप्यन् ॥ इह उक्कनर ॥ इका नाहितस्त्री मक्कार्थ ॥ उक्कान उक्तय पदार्थ ॥ उक्काया
मात्मनः सः ॥ धाता निष्ठाया मर्थ आत्मनः सप्रत्यया रवति ॥ कसने पंतिस्ति ॥ मेक
न ॥ मेकानस्य उक्का नाद ॥ रवति के निदि निवपन ॥ किन सप्त पंतिस्ति ॥ सावदिश्र ॥ साव
तस्य भिना दिश्र रवति ॥ कृहा धुनि निवकानः ॥ विकिन सप्त पंतिस्ति ॥ चाविह सप्त निदी
र्ष ॥ किलात्थः सः ॥ उक्कितिवर्त्त ॥ जलकुम्भिकान्नाथनन रुस्था र्गमदी ॥ विकिर्ष उक्कितिवर्त्त ॥
कासादिपुत्रयादा म्कसरूपनन उक्कितिवर्त्त ॥ विकिर्षा विकिर्षा ॥ विकिर्षा विकिर्षा ॥ विकिर्षा
वक्त्र ॥ विकिर्षा मासे ॥ विकिर्षा मासे ॥ विकिर्षा वरुव ॥ विकिर्षा वरुव ॥ विकिर्षा वरुव ॥ विकिर्षा वरुव
वृ ॥ नाम्नाय उक्का चास्या ॥ नाम्ना उक्का मर्थ यप्रत्यया रवति ॥ अकानस्य कान ॥ आम् ॥ पूजीया

स१ न२ का४

सा.ख
२३

वकाना॥पूरीयांचक३॥पूरीयांचक३॥पूरीयामास॥पूरीयामास३॥पूरीया
मास३॥पूरीयांचक३॥पूरीयांचक३॥पूरीयांचक३॥पूरीयांचक३॥पूरीयांचक३॥
॥उजपालेनावावहानथा३॥अकाउजानधार्थ३॥सपसप
३॥उजसप३॥तिस्ति३॥साधेद्वि३॥महानीजववपा॥खसवपाससानीमितीकली॥
वा३कनितिकेती॥किलाख३स३॥कखसियागक३॥आम॥वुडकाविन॥वुडकावि
क३॥वुडकावि३॥वुडकामास॥वुडकाविरुव३॥॥साधेद्वि३॥पवववपाक॥
पववप३॥तिस्ति३॥॥कायामासन३स३॥साधेद्वि३॥प३स॥पूर्वअकानस३॥
कानासवतिसपन॥वा३कनितिवसककान३॥किलाख३स३॥कखसियागक३॥
आम॥पिपकासास॥पिपकाविरुव॥पिपकाविकान॥वसुवसुन॥वुदादनितिजि॥

गुनः
२३

वृनादध्यानाजिपुस्यमारुचमि॥गुह॥७अय॥कासादिपुस्ययादामूकसरूपनर
॥वर्क्यविरुव॥वर्क्यविरुवु॥वर्क्यविरुवु॥वर्क्यविरुविथ॥वर्क्यविरुथू॥व
र्क्यविरुव॥वर्क्यविरुव॥वर्क्यविरुविवा॥वर्क्यविरुविमा॥वर्क्यामास॥वर्क्यामास
उ॥वर्क्यविकान॥वधनिदामा॥विरुत्ताचक॥विरुत्तामास॥विरुत्ताविरुव॥हीरुह्रीः
भीदिनूकानामाच्चावकाव॥ ॥जिहिरुय॥जिननूवधार्थ॥रिषपून्निहिरु॥दि
रुषनिहिरु॥रुष॥मपानजिवचपा॥वकान॥गुह॥७अय॥आमागम॥विरुयाव
कान॥विरुयाचक॥विरुयाचक॥विरुयामास॥विरुय॥विरुयु॥विरुयु॥विरुयिः
थ॥विरुथ॥विरुथु॥विरुथ॥विरुय॥विरुय॥विरुवि॥विरुमि॥रुदान॥रुहवाचकान

अग्निहोत्रं रुहावः

मा.ख
२४

॥ शुरुवीमास ॥ शुरुवीवित्तवा ॥ ॐ स्वादि ॥ शुरुवा ॥ शुरुवकु ॥ शुरुवु ॥ नानप्याद्यो ॐ तिनकाः
न ॥ शुरुवीथ ॥ शुरुथ ॥ शुरुवथ ॥ शुरुव ॥ शुरुवा ॥ शुरुव ॥ शुरुवि ॥ शुरुवीमा ॥ शुरुव ॥
नक्षपावधया ॥ ॐ कानउरुयापदार्थ ॥ द्विरश्रुतिद्वित्वेन ॥ ॐ तिश्रुकान ॥ शुरुव ॥
थकान ॥ गुह ॥ ॐ तिमकानस्यमन ॥ मपानजिववपा ॐ तिवन ॥ वित्तनाचकान ॥ वि
रुनाचकु ॥ वित्तनाचकु ॥ वरान ॥ वरु ॥ वरु ॥ वरुथ ॥ वरु ॥ वरान ॥
वरन ॥ वरुव ॥ वरुम ॥ जीलकूया ॥ द्विरश्रुतिद्वित्वे ॥ पूर्वस्यरुसादिरगष ॥ कुरुश्रुतिः
तिककान ॥ मपानजिववपा ॐ तिमकान ॥ तिमयाचकान ॥ तिमयाचकु ॥ तिमया
चकु ॥ तिमयामास ॥ तिमयामासु ॥ तिमयामासु ॥ तिमयावरुव ॥ स्यागपूर्वत्वा न

गुनः
२४

हा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ जिजाया ॥ जिजिय ॥ जिजियिव ॥ जिजियिम ॥ जिप्रत्यय ॥ पालनकर ॥ पालः
वह्नुवा ॥ पालयान्नकाना ॥ पालयामास ॥ ॥ विदस्तुवादीनपि आमुक्तेनूप्रत्ययपनः
वक्तव्यः ॥ विदीकन ॥ कु ॥ विदीकनूता ॥ विदीकनूनी ॥ विदीकनूतु ॥ विदीकनू ॥ विदीक
नूता ॥ विदीकनूनी ॥ विदीकनूता ॥ विदीकनूनि ॥ विदीकनवानि ॥ विदीकनवावा ॥ विदी
कनवाम ॥ ॐ ॥ ॥ जिजय ॥ सपनाकयाजिगि ॥ धासासपनाकयाजिनिजादरगा
वति ॥ आदरगानननीदिल्लक ॥ कृहाथु ॥ जिगय ॥ जिग्य ॥ कु ॥ जिग्यु ॥ जिगयिथ ॥ जिग
थ ॥ जिग्यथु ॥ जिग्य ॥ जिगय ॥ जिगया ॥ जिगिव ॥ जिगिम ॥ वेविस्थापकवयानल्यकानपि
हवादिर्वक्तव्यः ॥ सुफाशीकिलविललाप ॥ लपपनिहायर ॥ विललाप ॥ अतउपधाः

मा.स्व
२५

या॥ लाप॥ पच्चीकित्वा स्या॥ विलपदु॥ विलपू॥ विलपिथ॥ विललप॥ विलपथू॥ वि
लप॥ विललाप॥ विललयं॥ विलयिव॥ विलपिम॥ नोहंकलिर्गजगम॥ जगमा गतया
दकिष्ठादिर्ग॥ गम० गतो॥ ० काना ० दिक्कार्यार्थः॥ पूर्ववत्सवादिर॥ क्रहाश्रुनितिजकान
॥ जगम॥ गर्मास्वन॥ गम्हनृजनखन्घसे०० ल्पर्यमित्तूपधया लापा हवति किनिदिस्वनप
न॥ जग्मदु॥ जग्मू॥ जग्मिथ॥ जगेन्द॥ जग्मेथू॥ जग्म॥ जगम॥ जग्मे॥ जग्मिव॥ जग्मिम॥
हनहिंसागत्या॥ मूकानडञ्चानर्यार्थः॥ हनाप्र॥ द्वित्वं॥ क्रहाश्रुनितिपूर्वहकानस्पबकानरु
ह॥ मपोनीजवेवपा॥ ०० तिजकान॥ उपधया वृद्धिः॥ जघान॥ ॥ मूलैर्गिनोककुललाप
ल्लक्ष्मीमुखीराजविलासरङ्ग॥ जगलुयगा एगनूपसूता जघानकीर्तीकिल्लासद्भव॥ १

गुनः
२५

॥ २ ॥

वर्तुजवानासूनवारुदछुनहिनस्थदेसस्पविरुदवक॥ गिनीगिविहृददगाननसुजघानकी
सीकिलवासुदेव॥ गमास्व॥ जघ्रु॥ जघ्रु॥ जघ्रु॥ जघ्रु॥ जघ्रु॥ जघ्रु॥ जघ्रु॥ जघ्रु॥ जघ्रु॥ जघ्रु॥
न॥ जघन॥ जघ्रिव॥ जघ्रिम॥ जनिषाइरुवि॥ ०० का आत्मनपदार्थ॥ आत्मनपपेदेरुतय॥
गवास्व॥ ०० तिउपधयालोप॥ कांश्रुति॥ श्रुतिनिबूत्वेन॥ ०३ कान॥ ज०३॥ ज०३॥ ज०३॥ ज०३॥
नाईने॥ ज०३॥ ज०३॥ ज०३॥ ज०३॥ ज०३॥ ज०३॥ ज०३॥ ज०३॥ ज०३॥ ज०३॥
नन॥ अ०३॥ अ०३॥ अ०३॥ अ०३॥ अ०३॥ अ०३॥ अ०३॥ अ०३॥ अ०३॥ अ०३॥
वरद्रु॥ वरद्रु॥ वरिद्रु॥ वरिद्रु॥ वरिद्रु॥ वरिद्रु॥ वरिद्रु॥ वरिद्रु॥ वरिद्रु॥ वरिद्रु॥
॥ ० का॥ ०३॥ ०३॥ ०३॥ ०३॥ ०३॥ ०३॥ ०३॥ ०३॥ ०३॥ ०३॥

नमः

सा.सु.

२६

पकन खस न पाज सानामितिक कान ४॥ घसा ६४ स ४॥ घसा ६४ सा ४॥ स कान सव कामा ६४॥
रुवति किति णिति पन ॥ कय कु ४॥ जकू ४॥ जकिथ ॥ जघसिथ ॥ जघरु ॥ जकथू ४॥ जकू ॥ जघा
स ॥ जघस ॥ जकिव ॥ जकिम ॥ दूदा ३३ दान ॥ पूर्वपदन वन्ध ४॥ द्विती ॥ रुख आ मा ध ४॥ आ
काना मा धा मा ४॥ पन ६४ ३० रुवति ॥ आगान पि ॥ अविशमान अप्यु र्पया यन सा ३३ न प्रहस्ति
न्नन पि किति णिति वप न आ का ६४ रुवति ॥ ददो दानी तदा दाता पपो धर्य मूदा पुन ४॥ तस्ते ३
षीत रुदा रुदानी धनी हित्वा वनी यथो ॥ ददो ॥ दद कु ४॥ दद ४॥ ददिथ ॥ अ ० ३ ॥ ददथ ॥ ददा
ददथ ॥ दद ॥ ददो ॥ ददिव ॥ ददिमा ॥ पापान ॥ पपो ॥ पप कु ४॥ पपू ४॥ पपथ ४॥ पपाथ ४॥ प
पथ ॥ पप ॥ पपो ॥ पपिव ॥ पिपिम ॥ आगति निवृत्ते ॥ आ ६४ कू ४॥ स ॥ एवा दो द्विव वनी ॥ नः

गुनः

२६

[illegible]

सा.सु.
२७

सूव॥ उ॥ सूवा॥ उ॥ सूव॥ उ॥ सूमा॥ सीयागत्वान्नधामानिनिउव॥ कादित्वाद्वा॥ यजद्वपूजा
संगतिकननदानव॥ अकान॥ स्वनिउ॥ ह्यपदार्थ॥ यजद्वपू॥ तिस्ति॥ दि॥ वृ॥ नादि
॥ उपधायावृद्धि॥ धावादीपूर्वस्य॥ धावादीपनयजादीनां गहादीनां विधा॥ ह्यनापूर्वस्य सः
स्वनस्य सप्रसाननदीरुवगित्यकानस्य ॐ कान॥ सॐ यायजनोर्द्धनी॥ ययायवना॥ सी॥ सु॥
॥ सप्रसाननदीकिति॥ जयववस्वपवहवे॥ ऊ॥ ऊ॥ वे॥ पूर्वद्वसयिकानवकाननरु॥ सी॥ सु॥
न॥ ॐ कान॥ उ॥ कान॥ म॥ काना॥ र॥ व॥ कि॥ ॥ कितिपन॥ न॥ व॥ सी॥ प्र॥ सान॥ न॥ सी॥ रु॥ का॥ र॥ व॥ कि॥ ॥ स॥ स्वन॥
स्य॥ सी॥ प्र॥ सान॥ न॥ ॥ ज॥ स्व॥ स्य॥ ज॥ स्व॥ ॥ दी॥ र्घ॥ स्य॥ व॥ दी॥ र्घ॥ ॥ द्वि॥ ति॥ य॥ सी॥ प्र॥ सान॥ न॥ दी॥ ॥ स॥ व॥ र॥ ह्यु॥ दी॥ र्घ॥ ॥ १॥
ॐ॥ ज॥ उ॥ ॥ ॐ॥ र॥ ॥ ॐ॥ जि॥ थ॥ ॥ ॐ॥ सु॥ ॥ ॐ॥ ज॥ थू॥ ॥ ॐ॥ ज॥ ॥ ॐ॥ या॥ ज॥ ॥ ॐ॥ य॥ ज॥ ॥ ॐ॥ जि॥ वा॥ ॐ॥

गुनः
२७

जिम॥आत्मनपदपि॥ॐऊ॥ॐजाग॥ॐजिन॥ॐजिष॥ॐजारथ॥ॐजिरध॥ॐ
ऊ॥ॐजिवह॥ॐजिमह॥ववपनिगावरह॥एवाहोपूर्वस्यसंप्रसादनरी॥उपधावृद्धि॥
उवाव॥संप्रसादनरीद्वयी॥उचकु॥उवू॥उविथ॥उवृ॥उवथू॥उवृ॥उवावा॥उववा॥
उविव॥उविम॥कुञ्जवकायावावि॥कुवावविननपि॥कुञ्जवविनादरगाहवकिअन
पिविषय॥ॐकानउच्चादनमर्थ॥आत्मनपदपि॥उव॥उवाग॥उविन॥उविष॥उवा
रथ॥उविरध॥उव॥उविवह॥उविमह॥जिषपगयन॥जिअनवन्धार्थ॥आद॥स॥
स्त्र॥दिश्र॥संप्रसादनरीपूर्वस्य॥किलात्वं॥स॥उपधयावृद्धि॥सृष्टाप॥सृष्टकु॥
सृष्टपू॥सृष्टपिथ॥सृष्टपु॥सृष्टपथू॥सृष्टप॥सृष्टाप॥सृष्टप॥सृष्टपिव॥सृष्टपि

[illegible]

गुनः
२८

अर्व पूजायी॥ अकाम उरुय पदार्थः॥ पूर्ववत्॥ आनर्च॥ आनर्चुः॥ आर्चने॥ आन
 र्चिथ॥ आनर्चथुः॥ आनर्च॥ आनर्च॥ आनर्चिमा॥ आनर्चिव॥ विचर्चयेयन्॥ विनाम
 एवाशेवा किल्वक्वुः॥ निर्वृत्तः॥ कि आद्यः॥ दित्व कृत् किकि॥ कृहाश्रुः॥ दित्वा
 इपध्वावृद्धिः॥ शिर्विसर्गः॥ विसर्जनीयस्यः॥ क्वाश्रुतिश्रुतिमिस्यगती॥ निश्चिकोयविर्न
 नाजा॥ अर्स्यागयकानः॥ निश्चिकुः॥ निश्चिकुः॥ निश्चिकिथ॥ निश्चिकथ॥ निश्चिकः
 थुः॥ निश्चिक॥ निश्चिकाय॥ निश्चिकय॥ निश्चिकिवा निश्चिकिम॥ पक्व॥ विवाय॥ विव्यः
 उः॥ विव्युः॥ ग्रहउपादान॥ दिश्वतिदित्वी॥ पूर्वस्यहसादिः॥ गगनपून्निदिन
 ॥ कृहाश्रुः॥ दित्वा इपध्वावृद्धिः॥ जगह॥ ग्रहीकृतिविसर्पसानर्ण॥ जगृउः॥ जगृहः॥

सा.ख

२२

सदृशालित्वान्नसंप्रसादनं नूपातनवन॥ जगृहिथ॥ जगृहथ॥ जगृहथ॥ जगृह॥ जगृ
ह॥ जगृह॥ जगृहि॥ जगृहिम॥ व्यञ्जं सवनर॥ दिव्यवनादिपूर्ववत्ता॥ तवादी पूर्वस्थितिं
प्रसादनं॥ दीर्घत्वादीर्घसंप्रसादनं॥ फल॥ शिखाद्वि॥ धम्मोन्नोमिनं॥ निवृद्धि॥ ज
आय॥ संपूर्व॥ यकान॥ स्वनहिनीपन॥ स्यात्त॥ सीविव्यायस्वाकानेसत्त॥ गृहीदिः
निवृद्धिनीय॥ संप्रसादनं॥ सीविव्यकु॥ सीविव्यू॥ सीविव्ययिथ॥ सीविव्यथ॥ सीविव्यथ
॥ सीविव्या॥ सीविव्याय॥ सीविवीव॥ सीविवीमा॥ द्वितीयसंप्रसादनं॥ सीविव्या॥ सीविव्या
न॥ सीविवीन॥ वेञ्जं तनुसक्तान॥ व॥ अ॥ वयनपि॥ व॥ अ॥ धम्मोन्नोमिनपिविव्ययवयाद॥ ग
तवति॥ दि॥ अ॥ नि॥ दि॥ वी॥ पूर्वस्थितिं संप्रसादनं॥ अ॥ क॥ उप॥ ध॥ या॥ वृद्धि॥ उ॥ वा॥ य॥ दि॥ नि॥ संप्र

गुनः

२२

प्रसानदीपजाजवनामिसादि॥उयकु॥उयू॥उवयिथा॥उयथू॥उय॥उवाय॥उव
य॥उवैयिव॥उवैयिम॥व्यधताउन॥अकानउच्चानमर्थ॥दिरथनिदिली॥पूर्वस्थनिस
प्रसानदी॥यकानस्य॥उपधायारुद्धि॥विवाध॥दिनियस्ययजामिसा॥विविधकु॥
विविधू॥गरथाद्ध॥मरुजवा॥विवाध॥विविधिथ॥विविरधथा॥विविधथू॥विविध
॥विवाध॥विविध॥विविधिव॥विविधिम॥पच्छगीप्रायवावि॥पपाक॥पकाद॥सया
गत्यनस्पतवादनकिली॥ननकिलीतावानसंप्रसानदीमिसार्थ॥पप्रकु॥पप्रकु॥पेपेकि
थ॥पेपिकु॥पप्रकु॥पप्रकु॥पप्रकुव॥पप्रकुम॥नाजाद॥किली॥नाजाद॥पनस्पतः
वाशेपिदिर्जिगकिरुवति॥नारुदिफोननाजा॥नजकु॥नज॥नजिथ॥नजथ॥नजथू॥

सा.स्व
१००

नज॥नजो॥ननज॥नजिव॥नजिम॥ह०पोनपूथयाओमधमपूनूथेकववनना
कनानियालयन॥ ॥पूनिमवर्कदलनीहिनन्दर्नमूवाधनेत्रोनिहनामनामिध॥वि
गृकवकधमूदिववलीय००स्ममसास्ममर्हिर्सीदिव॥ ॥००तिधवादि॥ ॥अग्नि
वि॥यात॥याती॥यासुत॥यास॥यासी॥यासु॥यासी॥यास्व॥यास्म॥सीष्ट॥सीयासी॥
सीनत॥सीष्टा॥सीयासी॥सीधी॥सीय॥सीवहि॥सीमहि॥उवासीरुलिह॥धनानागि
वियादोदयातवकि॥रूयात॥रूयासी॥रूयासु॥रूया॥रूयासी॥रूयास्म॥रूयासी॥
रूयास्व॥रूयास्म॥सुणीमानेरूयात॥जीवपाधधन॥अकोनउरयपदार्थ॥जीवो
त॥जीवासी॥जीवसु॥जीवो॥जीवासी॥जीवास्म॥जीवासी॥जीवास्व॥जीवास्म॥

गुनः
१००

गतिगनक्षजीव्याहवान्॥ वचपनिताय॥ दिवात्सीपुसानदी॥ उवात्॥ जयदेवपूजासं
गतिकनक्षदानेषू॥ ॐ कात्॥ शुद्धाज्जदाने॥ ॐ कानउत्तयपदार्थ॥ शुक्कानाद्वितस्त्रिमका
र्यार्थ॥ दादन॥ दादनाकानस्येकानादरग्नवति॥ यादाक्षेपनयनस्मेपद॥ दयात्॥ द
यास्त्री॥ दयासू॥ दया॥ दयास्त्री॥ दयासू॥ दयासी॥ दयास्व॥ दयास्म॥ यादाद्विवितिव
चनात्नसीक्षदोकात्रावति॥ दासीष्ट॥ शुद्धाज्जधानक्षपावसया॥ ॐ दयात्॥ धासीष्ट॥
पापान॥ पयात्॥ करगेगेनेद॥ संधकनानोमा॥ रगयात्॥ वागतिनिवृत्ते॥ रुदयात्॥ मा मा
न॥ मयात्॥ मयास्त्री॥ मयासू॥ माह्मान॥ इकानात्मेनपदार्थ॥ मासीष्ट॥ मासीयास्त्री
॥ मासीनन्॥ मासीष्ट॥ मासीयास्त्री॥ मामाध्वी॥ मासीय॥ मासीवहि॥ मासीमहि॥ आहाकृत्वा

सा.सु.
१०९

ग॥ ह्यातु॥ रभतनूकन॥ सीधकनाममा॥ रभयातु॥ रभेहर्वकथ॥ सीयागदनामावा॥
सीयागदधोनानाकानस्येकानाद॥ रभरुवतिवा॥ यादादावनपिविवयथा॥ आकानाकबूसी
यागदिषूस्वाधाउवऊनीयी॥ रभयातु॥ रभयातु॥ ॐ ह्यादि॥ दूकउकन॥ यादादी॥ या
दादीपनमकानस्यनिठाद॥ रभरुवति॥ दकानाववधानमर्थ॥ क्रियातु॥ क्रियास्ती॥ क्रि
यासू॥ ॐ ह्यादि॥ कभ॥ मंगलव॥ क्रियासू॥ कश्चअश्च॥ ॐ ह्यादि॥ आत्मनेपदपि॥ उ॥
मकानस्यसिस्थाननिठा॥ पनयागुहानरुवति॥ अनर्षरुवति॥ ॐ गिनियम॥ कवीष्ट॥ क
वीयास्ती॥ वीयासू॥ उह्यपदी॥ चवीष्ट॥ चवीयास्ती॥ चवीन॥ दूउ॥ दूतो॥ आद॥ द॥
स॥ स्तावीष्ट॥ स्तावीयास्ती॥ स्तावीन॥ स्तावीष्ट॥ स्तावीस्ती॥ स्तावीध्व॥ स्तावीया॥ १

गुनः
१०९

स्त्रीबीवहि॥स्त्रीबीमहि॥ ॥स्वस्तने॥ ॥ता॥तानो॥तानस॥तासि॥तास्व॥तास्व॥
 तास्मि॥तास्व॥तास्म॥ता॥तानो॥तानस॥तासि॥तासारथ॥तासि॥ताह॥तास्व॥तास्म॥
 ॥७॥सिंह॥२॥गताविन्यर्थतादथातवनि॥सिसतासीस्ययामि॥४॥ता॥४॥पत्रवीसिस्तता॥
 सीस्यपा॥०॥स्यतवी॥०॥जगमातवनि॥गु॥४॥तविता॥तवितानो॥तवितान॥तवितानि॥
 तवितान्द॥तवितान्मि॥तवितान्स्व॥तवितान्मा॥२॥तविताकुमानस्यनाकृता॥४॥नेकस्वना
 दनृदा॥७॥कस्वना॥४॥पु॥०॥अनृदा॥०॥स्यवीपठितानि॥०॥जगमानतवनि॥वित्री॥४॥
 य॥४॥पु॥०॥सकवी॥४॥पचवपाक॥पका॥पकानो॥पकानो॥पकान॥पकासि॥पकाः
 सारथ॥पका॥४॥पकाह॥पकास्व॥पकास्म॥४॥४॥देदानि॥दाता॥पापान॥पाता॥वि

[illegible]

सा.ख
१०३

नित ४॥ तास्य निः। विधुसिद्धो। विधुगतो। विधुगमस्तुर्मर्गल्यव। गुयानां अगुसमाननूपीरश्चः
नि॥ स्वसचपाजसानामिति न॥ सस्य नि॥ सस्यत॥ सस्यनि॥ गुवरभावरधरा॥ रभाविद्यति॥
ब्रूपाधगर्हविभावन॥ साव्यन॥ उधवृद्धो॥ उधिव्यन॥ गीहृस्वप्न॥ गीहृ॥ गीहृ सर्वगुगु
रक्षरवनि॥ स्यादोतविद्यनिस्प॥ सिस्यतासीस्यपामीदूअयादमश्च॥ मयिव्यन॥ अहाकृत्वा
रग॥ हास्यनि॥ इदाउदान॥ दास्यति॥ दास्यन॥ दूउत्तुतो॥ स्ताव्यनि॥ स्ताव्यन॥ उजपालनास्य
वहानया॥ उजस्यनि॥ निसिद्धं॥ वा॥ कृनिनिगत्वी॥ स्वसचपाजसानामिति कर्त्वी॥ तास्तु नि
तास्तु न॥ सर्वजउपधयालधानिति गुध॥ स्पृक्रियाइति कमदिवादी॥ क्रियाया अतिकम
कृतश्चिदगुध्मादनिव्यहोसर्पादिवादिपननस्यपु॥ पुष्यथाहवनि॥ अस्पलृढिति संस्थापाति

गुनः
१०३

नीयानी॥दिवादावन्॥यदिसूदृष्टिःसूनार्कचारुविष्यन्॥नदासूतिकमरुविष्यन्॥अरुः
विष्यांगी॥अरुविष्यन्॥उजपालन॥अरुःकुरुवानुययागमिष्यन्॥नरुमर्गो॥इपवेवपा
क॥अपकुरुवानुययग्निःपाकलिष्यन्॥कलदिफो॥अरुनिष्यन्॥रुवानयमकृदित्या
दि॥मरुगुको॥२कान३दनूर्वधार्थः॥॥रुगसिः॥धनार्कमात्रकालसिः॥उत्पथारु
वतिदिवाक्षेपनः॥७वीसैल्लु॥००कान३सनतिविरगवधार्थः॥दिवादावन्॥अरुस
न००मिस्ति॥दाद३प॥पपनसंपदपनसनिदाधास्वा००३रुपिवनित्यः॥पनस्यसंलोपांरु
वति॥सचल्वकवा॥अरुगुदृष्टि॥अरुगी॥रुव३सिलापस्वन्नवृग्वकवा॥अरुवन॥
अरु३॥अरुगी॥अरुग३॥अरुवी॥अरुव॥अरुम॥अदा३दाने॥अदागु॥अदागी॥स्यो

सा.स्व
१०४

दिद॥ आका नाका धना दिद॥ रश्मि न स्य अनड स रुवति ॥ उस्या लाप॥ उसिप न आका
न स्य लाप रुवति ॥ अइ॥ अदा॥ अदानी ॥ अदात ॥ अदी ॥ अदाव ॥ अदाम ॥ अम ॥
धनयो सेषतया ॥ अधू ॥ अधर्मी ॥ अधूनि त्यादि ॥ अगति निवृत्ती ॥ अस्कातू ॥ अ
स्कर्मी ॥ अस्दू ॥ ॐ ॥ गतो ॥ ॐ ॥ ॥ सिला म गद र्गभव कव्य ॥ अगतू ॥ अगमी ॥ अगु ॥ पा
पान ॥ अपातू ॥ अपामी ॥ अपू ॥ रग धा धा चार धट् उर्ग विकल्प न द द याव कव्य ॥ सः
धक ना धमा ॥ रग ॥ अगतू ॥ अगमी ॥ अगु ॥ अगसीतू ॥ का ॥ अक्कातू ॥ अक्कामी ॥ अक्कु ॥
अक्कासीतू ॥ धा ॥ असातू ॥ असामी ॥ असू ॥ असासीतू ॥ घा ॥ अघातू ॥ अघीमी ॥ अघु ॥ अघा
सीतू ॥ अधू ॥ अधर्मी ॥ अधर्मी ॥ अधू ॥ अधसीतू ॥ रध टा द धा दे ग श्रवाव कव्य ॥ अदधू ॥

गुनः
१०४

अ॒र्ध॒नी॥ अ॒र्ध॒न्॥ घट॒व॒श्या॒नी॥ मा॒ट॥ मा॒ग॒दृ॒ष्य॒यु॒क्त॒मा॒न॒अ॒ट॒ला॒पा॒रु॒व॒ति॥ रु॒त॒सी॥
अ॒ज॒ग॒म॥ कि॒ला॒ख॒स॥ इ॒ति॒इ॒॥ मा॒घ॒टि॒ष्ट॥ मा॒घ॒टि॒षा॒नी॥ मा॒घ॒टि॒ष॒त॥ मा॒घ॒टि॒षा॥
मा॒घ॒टि॒षा॒थी॥ मा॒घ॒टि॒ध्वं॥ र॒ध्व॒व॒स॒ला॒प॥ व॒क॒वा॥ मा॒घ॒टि॒षि॥ मे॒घ॒टि॒स॒हि॥ मा॒घ॒टि॒षा॒हि॥
न॒मा॒ग॥ सा॒ध्व॒न॒स॒मा॒ग॥ ग॒र्वि॒त॒म॒दि॒नी॥ स्म॒या॒र॒ग॒पि॒अ॒ट॒ला॒प॒मि॒ह॒न्ति॥ उ॒र्व॒स्म॒रु॒त॥ व॒रु॒
मा॒ना॒र्थ॒या॒अ॒पि॒स्म॒या॒र॒ग॒रु॒ता॒र्थ॒ता॒व॒क॒वा॥ अ॒रु॒स्म॒रु॒नी॒त॥ य॒ज॒ति॒स्म॒य॒धि॒दि॒न॥ सि॒
ह्य॥ प॒प॒न॒स्म॒प॒द॒प॒न॒स॒ति॒सि॒धि॒रु॒व॒ति॥ सि॒त्वा॒वृ॒द्धि॥ इ॒ह॒उ॒क॒न॒र॥ अ॒का॒न॒व॒ट्ठ॒न्ति॒
सि॒ह॥ स॥ सि॒ग॒दृ॒ष्य॒न॒या॒दि॒स्या॒नि॒ज॒ग॒मा॒रु॒व॒ति॥ नि॒ना॒का॒धी॒ता॥ ने॒क॒स्व॒ना॒द॒न॒रा॒रु॥ नि॒
ना॒का॒र्षो॥ नि॒ना॒का॒र्ष॥ अ॒का॒र्षि॒ता॥ अ॒का॒र्षी॥ अ॒का॒र्ष॥ रु॒उ॒ह॒न॒र॥ प॒नि॒उ॒प॒स॒र्ग॥

五

सा.स्व
१०५

॥ पर्यहावीत् ॥ पर्यहावीत् ॥ पर्यहावीत् ॥ वदव्यकायीवावि ॥ हनसि ॥ दिवादावत् ॥ अ
तउपधाया ॥ ति वृद्धि ॥ सि सतासी स्यामिन् ॥ सनिमिद्वितिय ॥ जगम ॥ ॥ ॥ ॥
उह नस्य लो संपातवति ॥ ति म न ॥ दी र्घत्वी ॥ अवादीत् ॥ अवादीत् ॥ अवादीत् ॥ अवादी
॥ अवादीत् ॥ अवादि ॥ अवादि ॥ अवादि ॥ अवादि ॥ अवादि ॥ अवादि ॥ अवादि ॥ अवादि ॥
नमर्थ ॥ पावाजीत् ॥ पावाजि ॥ पावाजि ॥ पूर्ववत् सा धनीयी ॥ कक कलखसुजा
गृया हदिवर्ज ॥ गृह उपदान ॥ अगृहीत् ॥ अगृहीत् ॥ अगृहीत् ॥ सहमवर्ष ॥
असहीत् ॥ गमूदमु उपगम ॥ अगमीत् ॥ कमुपादविक्रय ॥ अकमीत् ॥ अयदयगमी
॥ आयीत् ॥ अदयीत् ॥ नयूगद ॥ अनयीत् ॥ अनयि ॥ अनयि ॥ अनयि ॥ अनयि ॥ अनयि ॥ अनयि ॥ अनयि ॥

गुनः
१०५

[illegible]

सा.ख
१०६

॥रादनि॥लापाऊस्वाकूमसा॥अदिता॥अदिवागी॥अदिवता॥अदिथा॥अदिवाथी॥अ
दिधी॥अदिवि॥अदिवहि॥अदिष्वाहि॥अध॥अधनधपावसया॥अधिवाती॥अधि
वत॥प्रकांनवृद्ध॥प्रकागवाचपनिरुवाचनिर्हयवाच्यस्वा॥ॐत्यस्यआत्मनपदंर
वति॥रुवानस्व॥ॐतिप्रकाग॥अहंति॥ॐतिप्रतिरुवायी॥अहनीरुतादेवदहति
॥ॐतिनिर्हय॥प्रसिद्ध॥प्रसिद्धवागी॥प्रसिद्धवत॥ॐ॥अधयन॥ॐकानआत्मः
नपदार्थ॥ॐ॥वागीसो॥ॐ॥वागीआदरभरवति॥सोपने॥अधगीसतन॥ॐतिरि
ता॥किलात्व॥ॐतिवर्ती॥सूति॥ॐ॥अधगीस॥अधगीवागी॥अधगीवता॥अ
धगीस॥अधगीवाथी॥अधगीधी॥अधगीवी॥अधगीवहि॥अधगीवहि॥वा

गुनः
१०६

ॐ लस्य ॐ सनन ॐ तिलिग ॥ किलात्य ४ स ४ ॥ इति ४ दू ४ ॥ दिवादावता ॥ स्वनाद ४ ॥ ज
नो ॥ अधिपूर्व ४ ॥ अर्धेष्ट ॥ अर्धेष्टाणी ॥ अर्धेष्टन ॥ अर्धेष्टा ॥ अर्धेष्टाथी ॥ अर्धेष्ट
॥ अर्धेष्टि ॥ अर्धेष्टहि ॥ अर्धेष्टमहि ॥ नृसद ॥ सिपलयादि की पूर्ववत् वृद्धि ॥ तिथि ॥ ॐ ग
गमश्च ॥ अनाविस ॐ तिलिग ॥ ॐ न ॐ तिमलोपो दीर्घश्च ॥ अनावीत ॥ अनाविष्ट ॥ अना
विष्ट ॥ अनावी ४ ॥ अनाविष्ट ॥ अनाविष्ट ॥ अनाविष्ट ॥ अनाविष्ट ॥ अनाविष्ट ॥ अप
यथाकं ॥ मसात् ॥ मसाद् इह न स्प सलोपात्त्विति ॥ मसपन ॥ वो ४ कु ४ ॥ अपका ॥ अपक्रान्ति
॥ अपक्रान्ति ॥ अपकेथ ४ ॥ अपक्राथी ॥ अपग्धि ॥ अपक्रि ॥ अक्रमसात्वात्रलोप ४ ॥ अप
क्रपहि ॥ अपक्रहि ॥ अपाकीत् ॥ अपाकी ॥ अपाकू ॥ अपाकी ४ ॥ अपाकी ॥ अपाका ॥ अ

विनावरक ॥ ॐ निमावा ॥ ॐ निमाधा मावा ह्युत्पया हवति दिवा सोपन ॥ सनपवाद ॥ ६ का
नागुप्तप्रतिरेव धार्थ ॥ अनूधन ॥ अनूधनी ॥ अनूधन ॥ अनिमानामिवत ॥ नामिवता अनि
माधा मा ॥ यनसोपदसिप्रत्ययपेनवृद्धिर्तवति ॥ खसवपामसानी ॥ अनोत्सीता ॥ मसानु
मरुजवा ॥ अनोद्धी ॥ अनोत्सु ॥ अनोत्सी ॥ अनोद्धी ॥ अनोद्ध ॥ अनोत्सी ॥ अनोत्सु ॥ अनो
त्सु ॥ किदिनद्विधिकनर ॥ ॐ निमावा ॥ अकिदत ॥ अकिदनी ॥ अकिदन ॥ अकित्सीता ॥ अ
किदी ॥ अकित्सु ॥ अकित्सी ॥ अकिदी ॥ अकिद ॥ अकित्सी ॥ अकित्सु ॥ अकित्सु ॥ दिवकी जः
विजिगीषा व्यवहानयुति सुतिस्वप्नमदमादकानिगतिषु ॥ दिव ॐ स ॐ नितिदिन ॥ उपधा
यालधानितिगुप्त ॥ ॐ ट ॐ नितिस्कानलापादीर्घश्च ॥ अदवीत् ॥ अदविष्णी ॥ अदविष्णु

सा. स्व
१०८

॥ अदवी॥ अदविही॥ अदविह॥ अदविषी॥ अदविष्वा॥ अदविष्वा॥ विवृसवायी॥ उ
कानउदिक्कार्यार्थ॥ अगापिदिववत्॥ असवीत्॥ असविही॥ असविष॥ असवी॥
॥ असविही॥ असविह॥ असविषी॥ असविष्वा॥ असविष्वा॥ दृगिनपुकर॥ उपधले
यो धात्रितिगुह॥ ॐ निगावति॥ अदर्मत्॥ अदर्मती॥ अदर्मन्॥ अदर्म॥ अदर्मती॥ अ
दर्मत्॥ अदर्म॥ अदर्मव॥ अदर्मम॥ ॐ ननूवन्धॐ गावतिविरगवमर्थ॥ नानामस
दर्म॥ दृगादीनामसपन अनानीवति॥ प्रथमगुह॥ दृगवनाजादिनामितिवत्वी॥
वटा॥ कस॥ किलात्स॥ कस॥ करवस्यारगक॥ ॐ दागमन्त्र॥ अडाकीन्॥ मसात्॥ दूहि
॥ दू॥ अडाही॥ अडाह॥ अडाकी॥ अडाही॥ अडाह॥ अडाकी॥ अडाह॥ अडाह॥

गुनः
१०८

[illegible]

मा.त्व
१०६

[illegible]

गुनः
१०६

[illegible]

मा.सू.
११०

॥ अधूकाव ॥ अधूकाम ॥ लिह आस्वादने ॥ पूर्ववत् सकृत्प्रत्ययश्च ॥ अलिक्रतुः ॥ अलिक्रती ॥
अलिक्रनः ॥ विष्णुपुत्रसन् ॥ कृगनाजादवतिषर्त्तुं ॥ षरीः ४ कः ४ सः ॥ किलाख ४ से ॥ ॐ तिषर्त्तुं
॥ प्राविक्रतुः ॥ मिहसवनं ॥ अमिक्रतुः ॥ कथविशेषः ॥ पूर्ववत् ॥ अकथता ॥ श्लिष आलीगे
रहा ॥ अश्लिषतः ॥ पूषादिवाक् ॥ ॐ त्यादि ॥ ॥ ॐ त्याङ्घ्रिध्वजकेसरेषु काना समाप्ताः ॥ ॥
अथ हावकर्मैराभगाविरक्तकिनिनृया ॥ ॥ ॥ ॥ गगोडुविकर्मधीनिनीयमादात्मनय ॥ ॥
पदानि प्रशस्तक ॥ हसलायी ॥ दिश्च ॥ हरह य ॐ निम्बित ॥ आस्तादाविद्यात्वं ॥ रुस्वः ॥ मपा
नजिव वपा ॐ निव को नः ॥ उवावुक ॥ अनपूर्वः ॥ सुखमनुवहवदवदहन ॥ उपसर जे
नवलादन्यतनीयत ॥ अनुवहविभो ॥ कादिवाद् ॥ अनुवहविधा ॥ अनुवहवारथा ॥ अनुव

गुनः
११०

हविः॥ अनुवह॥ अनुवहविवह॥ अनुवहविमह॥ लाप॥ पच॥ कित्थवाप॥ उपवक
पाके॥ पव॥ पवाह॥ पविन॥ पविष॥ पविथ॥ पविः॥ पव॥ पविवह॥ पविमह॥ कनूः
विस्तान॥ कन॥ कनाह॥ कनिन॥ मनस्तान॥ मन॥ मनाह॥ मनिन॥ दादानु॥ आतानपित्याः
कानलाप॥ दद॥ ददाह॥ ददिन॥ स्त्रा॥ मेव॥ आद॥ दद॥ सस्त्रह॥ सविनासया॥ स्त्रेस्त्रेह
वक्रय॥ स्त्रेय॥ तिस्त्रिह॥ संधनाममो॥ पूर्वस्यह॥ सादि॥ गव॥ नकानलाप॥ कृहाध्वनि
गकान॥ आतानपित्याकानलाप॥ जरल॥ जरल॥ जग्निन॥ मन्त्र॥ मन्त्राह॥ मन्त्रिन॥ ददो॥
ददाह॥ ददिन॥ दद॥ सादि॥ पूर्ववह॥ स्वनाकानाधुनीहनेगृहगवित्तवकर्म॥ ४॥ सिसृताः
सिसृपामिद्वावकव्य॥ अग्निमिसिस्त्रादय॥ तिस्त्राद्वि॥ त्सहाया॥ सिसृतासिसृपामिद्

सा.सू.
१११

[illegible]

गुप्तः
१११

५२

वि४

सा.स्व
११२

काभी॥अ॒रु॒ग्ध॑॥अ॒रु॒कि॑॥अ॒रु॒स॒हि॑॥अ॒रु॒भ॒हि॑॥धृ॒ज॒ध॒न॒र॒ध॑॥ज॒क॒न॒उ॒र॒य॒प॒दार्थ॑॥नि
न॒आ॒रु॒पू॒र्व॑॥नि॒ना॒ध॒नि॑॥नि॒ना॒ध॒नि॒वा॒नी॑॥नि॒ना॒ध॒नि॒व॒न॑॥प॒द॒ग॒मो॑॥अ॒क॒न॒उ॒च्चा॒न॒ध॑
थे॑॥प॒र॒य॒ादि॑॥प॒र॒य॒त्सा॒नी॑॥प॒र॒य॒प॒स॒न॑॥रु॒य॒ग॒द॑॥अ॒रु॒नि॑॥अ॒रु॒नि॒वा॒नी॑॥अ॒रु॒नि॒व॒न॑
॥व॒व॒प॒नि॒रा॒ध॒र॒ध॑॥अ॒वा॒वि॑॥अ॒वा॒वा॒नी॑॥अ॒वा॒वि॒व॒न॑॥ग॒रु॒उ॒पा॒दा॒नि॑॥ध॒का॒ना॒वे॒द्य॒र्थ॑
॥अ॒रु॒उ॒प॒ध॒या॑॥अ॒ग॒हि॑॥अ॒ग॒हि॒वा॒नी॑॥अ॒ग॒हि॒व॒न॑॥धी॒ज॒प॒ा॒प॒न॑॥नि॒व॒पू॒र्व॑॥नि॒व॒
ध॒यि॑॥नि॒व॒ध॒यि॒वा॒नी॑॥नि॒व॒ध॒यि॒व॒न॑॥ह॒न॒हि॒सा॒यी॑॥ह॒ना॒ध॒॥अ॒घा॒नि॑॥अ॒घा॒नि॒वा॒नी॑॥
अ॒घा॒नि॒व॒न॑॥पा॒पा॒न॑॥आ॒ना॒यू॒क॑॥आ॒का॒ना॒का॒दा॒ना॒र्य॑ग॒मा॒रु॒व॒ति॒जि॒मि॒व॒प॒न॑॥अ॒पा॒यि॑
॥अ॒पा॒यि॒वा॒नी॑॥अ॒पा॒यि॒व॒न॑॥क॒रो॒णे॒व॑॥अ॒स्त्रा॒यि॑॥अ॒स्त्रा॒यि॒वा॒नी॑॥अ॒स्त्रा॒यि॒व॒न॑॥अ॒स्त्रा॒यि॑

गुनः
११२

ॐ ॥ अस्त्रायि वाथी ॥ अस्त्रायि धी ॥ अस्त्रायि ॥ अस्त्रायि धिहि ॥ अस्त्रायि धिहि ॥ अस्त्रायि धिहि ॥ अस्त्रायि धिहि ॥ अस्त्रायि धिहि ॥
नक्षत्रायि धिहि ॥ निपूर्व ॥ न्यधायि ॥ पदगता ॥ पदाद ॥ कर्तृयन्त्री ॥ वक्ताव्य ॥ अपिगदा
तृणावकर्मधिव ॥ उदपादि ॥ उस्त्रे ॥ उदपत्ता ॥ उदपत्ता ॥ उदपत्ता ॥ उदपत्ता ॥ उदपत्ता ॥ उदपत्ता ॥
॥ उदपत्ता ॥ यस्त्रिस्त्रिहात्र ॥ उपधायिगुह ॥ अयाधि ॥ अयत्ता ॥ अयत्ता ॥ अयत्ता ॥ अयत्ता ॥ अयत्ता ॥
अवाधि ॥ अरुत्ता ॥ अरुत्ता ॥ अरुत्ता ॥ अरुत्ता ॥ अरुत्ता ॥ अरुत्ता ॥ अरुत्ता ॥ अरुत्ता ॥
॥ अरुत्ता ॥ वधनिर्दय ॥ अवाधि ॥ अरुत्ता ॥ अरुत्ता ॥ अरुत्ता ॥ अरुत्ता ॥ अरुत्ता ॥ अरुत्ता ॥
निवादया ॥ अरुत्ता ॥ अरुत्ता ॥ अरुत्ता ॥ अरुत्ता ॥ अरुत्ता ॥ अरुत्ता ॥ अरुत्ता ॥
तस्मिन्निधायि ॥ अरुत्ता ॥ अरुत्ता ॥ अरुत्ता ॥ अरुत्ता ॥ अरुत्ता ॥ अरुत्ता ॥ अरुत्ता ॥

सा-स्व
११३

ॐतिवकान॥ हसहाया॥ वारूप ॐतिस्ति॥ सधा॥ यहादिपु लयाक ४ गदाधाकुसं
होहवति॥ धाकुत्वातिवाद्यरुकाजानवन्धत्वादात्मनपदी॥ अप्कहेनि॥ अदं ॐ ल्याकान
लोप॥ अतिगयनरुवतीति वारूप॥ वारूप॥ वारूप॥ अवारूप॥ उजपालनाय
वहानया॥ यहुद्विथ॥ मयानीजवचपा॥ जहीतिगुह॥ वाहुक॥ अप्॥ आदाथ ॐ॥
वाहुक॥ अद॥ वाहुक॥ विधि॥ वाहुक॥ वाहुकयाती॥ वाहुकनन॥ आगिधि॥ वाहु
कती॥ वाहुकती॥ वाहुकती॥ कस्तन॥ अवारुक्क॥ अवारुक्कती॥ अवारुक्क॥ ॐ ल्यादि
॥ ह्यालीका॥ वाहुव्यता॥ वाहुव्यता॥ वाहुव्यता॥ वाहुव्यता॥ वाहुव्यता॥ वाहुव्यता॥ वाहु
व्य॥ वाहुव्यता॥ वाहुव्यता॥ विरधो॥ वाहुव्यता॥ वाहुव्यता॥ वाहुव्यता॥ वाहुव्यता॥

गुनः
११३

३१

वातुष्यार्थी॥वातुष्यधी॥वातुष्यय॥वातुष्यवहि॥वातुष्यमहि॥आगिषि॥वातुष्यती॥वातु
ष्यती॥आदाथ००॥वातुष्यकी॥वातुष्यस्व॥वातुष्यार्थी॥वातुष्यधी॥वातुष्ये॥वातुष्यावहे॥
वातुष्यामहे॥कस्तन॥अरावूष्यता॥अरावूष्यती॥अवातुष्यता॥अरावूष्यथा॥अरावू
ष्यधी॥अवातुष्य॥अवातुष्यावहि॥अवातुष्यामहि॥चकानाधातुकाविक॥महवैविह
॥मामूकन॥मामूकन॥मामूकन॥विरधो॥मामूकन॥मामूकयाती॥मामूकनन॥आ
गिषि॥मामूकती॥मामूकती॥मामूकती॥अनयतने॥अमामूकन॥अमामूकती॥अ
मामूकन॥लिहआस्वादन॥यहृदिश्र॥उपधायालघागुं॥अमकहृनि॥ललिक्क
न॥ललिक्कन॥ललिक्कती॥अललिक्कन॥रुदनोदनया॥यहृदिश्र॥कहाश्रुनि

सा.स्व
११४

तिवर्त्त॥य०००तिदीर्घ॥आरूयत॥आरूयत॥आरूयती॥अआरूयत॥विदहान॥पूर्व
वद्विर्त्तगु॥अप्॥अद्॥वविद्यत॥वविद्येत्॥वविद्यती॥अविद्येयत॥विदलाना॥वि
दसकाया॥अयानामपि॥कमवन्नूपी॥रूपवकपाक॥आत॥यदिसतिपूर्वस्य अकान
स्य अकाना रुवति॥पापव्यत॥पापव्यत॥पापव्यती॥अपापव्यत॥प० व्यकर्त्त॥यद्दि
॥आत०००तिदीर्घ॥पापव्यत॥पापव्यतो॥पापव्यती॥अपापव्यत॥अद्सर्वत॥अगम्य
न०००त्याक्षेनपूर्वस्याकान॥स्वनादावतादीर्णयद्द्वक्वा॥स्वनाद॥प०॥स्वनाद॥
मादितीयावयवाश्चिन्नुका॥सस्वनादिरुवति॥अतगता॥०००तिनकानस्यसस्वनस्यद्विर्
वति॥अट्टयत०००तिस्त्रि॥आत०००तिदीर्घ॥अतिगयनअट्टतीतिअट्टयत॥धृष्ट॥

गुनः
११४

[illegible]

सा.स्व
११५

ननु नगः॥ जंगम्यत्॥ जंगम्यती॥ अजंगम्यत्॥ यद्विद्युः॥ कृहाश्रुः॥ उमाकस्यैत्वं निगमः॥
 नश्चापदानं मसः॥ ॐ स्थनूत्वा नः॥ उमूवलनः॥ यद्विद्युः॥ पूर्वस्य हसादि रगवः॥ मपानीज
 वचपा॥ नगगमः॥ अनुत्वा नः॥ वंजम्यत्॥ वंजम्यत्॥ वंजम्यती॥ अवंजम्यत्॥ हनहिंसाः
 गद्याः॥ कृहाश्रुः॥ मपानीज वचपाः॥ नगगमः॥ अप्॥ अद॥ जहन्त्यत्॥ जहन्त्यत्॥ जहन्त्य
 ती॥ अजहन्त्यत्॥ अदभीन आश्रुनिदिग्धः॥ हनहिंसायां यदि घ्री घ्रीरा वा वकव्ये॥ घ्री
 घ्रीयत् ॐ तिस्रिः॥ पूर्वस्य हसादि रगवः॥ नका नलोपः॥ कृहाश्रुनिति मकानः॥ मपानी
 जवचपा ॐ तिमकानस्य जकानः॥ यदिसमिति गुहः॥ अघ्रीयत्॥ अघ्रीयत्॥ अघ्रीयती
 ॥ अजघ्रीयत्॥ पगुहिंसायां॥ पपग्धत्॥ पपग्धत्॥ पपग्धती॥ अपपग्धत्॥ अपपग्धत्

गुनः
११५

ल्यव्यक्तायां वि॥ पूर्ववत्क॥ जंजयत्॥ जंजयत्॥ जंजयती॥ अजंजयत्॥ जंजल्यत्
 ॐ ल्यादि॥ दहत्स्मीकनक्ष॥ ददत्तेके॥ ददत्त॥ ददत्ती॥ अददत्त॥ जहत्मेधन॥
 जंजयत्॥ जंजयत्॥ जंजयती॥ अजंजयत्॥ दग्धत्॥ दग्धत्॥ दग्धती॥ अदग्धत्॥
 कानस्य लापारुवति हिति वरुसपत्र॥ दग्धत्॥ दग्धत्॥ दग्धती॥ अदग्धत्॥
 रंशु आमदन्ति॥ मपानां जववपा॥ पूर्वत्रा लाप॥ वरुक्त॥ वरुक्त॥ वरुक्ती॥ अवरु
 क्त॥ मरुदकीतनून् वरुक्त॥ नृतीगा उविक्रप॥ ॐ कान ॐ दिक्कार्यार्थ॥ ॐ गृ
 हपथस्य॥ अदपथस्य धारा यो दिपवत् पूर्वस्य ॐ गगमारुवति॥ यदि सति गुह्य॥ ननी नृ
 त्यत्नत्॥ ननी नृत्यत्॥ ननी नृत्यती॥ अननी नृत्यत्॥ वरुवर्त्तन॥ वनी वरुत्॥ वनी वरु

सा.स्व
११६

एत॥ वनीवृत्त॥ अवनीवृत्त॥ वनीवृत्त॥ वनीवृत्त॥ वनीवृत्त॥ गृहउपादान॥ सैषसान
नी॥ कृहागृ॥ जनीगृ॥ जनीगृ॥ जनीगृ॥ जनीगृ॥ जनीगृ॥ पदसुसुधसुव
वृजुगृ॥ कर्गिपतिस्कीदादीनापूर्वस्यगमभावकव्य॥ यदिसति॥ पदगमो॥ नउपपूर्व॥
नापयनीपय॥ नापयनीपय॥ नापयनीपय॥ अनापयनेपय॥ सुसुधसुअध
पतन॥ यदिसतिद्विवनी॥ पूर्वस्यहसादिगव॥ नीगमगम॥ सनीसुसु॥ सनीसुसु
॥ सनीसुसु॥ असनीसुसु॥ नालोप॥ दनीधसु॥ दनीधसु॥ दनीधसु॥ अ
दनीधसु॥ ववृगमो॥ वनीवच॥ वनीवच॥ वनीवच॥ वनीवच॥ अवनीवच॥ असुअध
पतन॥ पूर्वस्यहसादिगव॥ मपाजेनेवचपा॥ वनीसुसु॥ वनीसुसु॥ वनीसुसु॥

गुनः
११६

नी॥ अ० वनी० स० त॥ क० गि० हि० सा० यी॥ क० हा० श्रु० ४॥ वनी० क० स० त॥ वनी० क० र० ध० त॥ वनी० क० ध० ती॥ वे
जेनी० क० ध० त॥ प० र० प० त० न॥ पनी० प० य० त॥ पनी० प० य० त॥ पनी० प० य० ती॥ अ० पनी० प० ने० ये॥ स्की० दि० न० ग
ति० र० ग० व० द० या० ४॥ न० स० ग० र० व० पा० ४॥ क० हा० श्रु० ४॥ वनी० स्क० य० त॥ वनी० स्क० य० त॥ वनी० स्क० य० ती॥ अ० स
नी० स्क० य० त॥ क० क० उ० क० न० र० द॥ क० य० त० ०००० ति० स्ति० त॥ अ० का० नि० ४॥ अ० का० ना० के० स० नि० अ० द० र० ग० र० व० ति० य
दि० स० ति॥ प० अ० दि० व० वे० नी॥ कि० क्रि० य० त० ०००० ति० स्ति० त॥ पू० र्व० स० ह० सा० दि० र० ग० व० ४॥ ०००० ति० न० रु० स० प० ला० प० ४॥
वृ० त्त्वं० गु० द० ४॥ य० ०००० ति० दी० र्घ० ४॥ अ० ति० ग० य० ने० क० मा० ती० ति० व० की० य० त॥ व० की० य० त॥ व० की० य० ती॥ अ० व० की०
य० त॥ क० क० उ० ह० न० र० द॥ ऊ० की० य० त॥ ऊ० की० य० त॥ ऊ० की० य० ती॥ अ० ऊ० की० य० त॥ वृ० उ० र्व० व० न० र० द॥ व० वी० य
त॥ व० वी० य० त॥ व० वी० य० ती॥ अ० व० वी० य० त॥ मृ० द्वा० द० द० र० ग॥ मु० मी० य० त॥ मु० मी० य० त॥ मु० मी० य० ती॥ अ० मृ०

सा.स्व
११७

मीयत॥ दादानि॥ दादनिनितिकान्नकन॥ दिर्वचनी॥ ददीयत॥ ददीयत॥ ददीयती॥ अद
दीयत॥ प्रागरन्धपादानि॥ प्राध्नी॥ प्राध्नी॥ लतयानीकानादरन्धवति॥ यदिपन॥
या॥ कु॥ मपानाजवचपा॥ ऊघीयत॥ ऊघीयत॥ ऊघीयती॥ अऊघीयत॥ ध्मागदाग्निसं
यागया॥ पूर्वस्यहसादिरगव॥ दधीयत॥ दधीयेत॥ दधीयती॥ अदधीयत॥ सागतिनि
वृत्ति॥ अदधे॥ त्र॥ नसग्धपा॥ दादनि॥ यदीर्घ॥ यदिगु॥ नवीयत॥ ययनयनयः
त्याहो नद कर्त्तुससततुगुगुका॥ निनियमा॥ कु॥ धानीचटनारुवति॥ नसीयत॥ न
सीयत॥ नसीयती॥ अनसीयत॥ स्त्रा॥ मे॥ पूर्ववत॥ सस्त्रीयत॥ सस्त्रीयत॥ सस्त्रीयती॥
असस्त्रीय॥ याप्राप॥ यद्दादनि॥ यदीर्घ॥ ययीयत॥ ययीयेत॥ ययीयती॥ अय

गुनः
११७

यीयत॥ रोगेष्ट॥ संध्वकनानामा॥ दादनिष्ट॥ कृहाश्रुष्ट॥ जगीयत॥ जगीयत॥ जगीयती॥ अ०
 जगीयत॥ मादुमान॥ ममीयत॥ ममीयत॥ ममीयती॥ अ० ममीयत॥ धा० केमैति॥ आ० द०
 द०॥ यदितिपूर्वस्यगुण०॥ यदीष्ट०॥ किलोत्थ० ग०॥ सवीयत॥ सवीयत॥ सवीयती॥ अ० स०
 वीयत॥ ग० ग०॥ जगीयत॥ जगीयत॥ जगीयती॥ अ० जगीयत॥ दादान॥ द० द० पालन॥ दा०
 श्वखद्युन॥ ज० वीदादित्वाहावात्॥ दादायत॥ दादायत॥ दादायती॥ अ० दादायत॥ पापायत॥
 ॥ पापायत॥ पापायती॥ अ० पापायत॥ जाहायत॥ जाहायत॥ जाहायती॥ अ० जाहायत॥ द० पु०
 र० धन॥ दादायत॥ स्वपिस्पमिब्य० ज० सीपसान्तीकिदिति॥ कृ० द्विती॥ साष्यत॥ साष्य
 यत॥ साष्यती॥ अ० साष्यत॥ स्पमिअदन॥ ससिम्यत॥ ससिम्यत॥ ससिम्यती॥ अ० ससिः

सा. स्व
११८

म्यत॥ववीयत॥ववीयत॥ववीयती॥अववीयत॥पापान॥दादनि॥पपीयत॥पपीः
यत॥पपीयती॥अपपीयत॥वनगतिरुक्तया॥वनरुलानुवृत्तनस्यास्या॥वनरुला
होतीयदिपूर्वनगमाहवतिपनस्यास्यउदादग॥याविहस॥ववृयते॥ववृयते॥
ववृयती॥अववृयत॥रुलनिष्यहो॥द्वितीयवृत्तया॥प्रथमरुलीयावितिरुलस्य
प॥परुल्यत॥परुल्यत॥परुल्यती॥अपरुल्यत॥००॥नियदुपल्ययाका॥॥वान्य
गुलनुवहते॥अन्यगुलकेपल्ययस्यसंयार्गविनापियेदालुगुवति॥उग्रपानध॥श्य
वहानया॥अनपिवहसात॥हसाकाइरुनस्ययदालुगुवति॥अनयिविषम॥दद
गूक००॥यादीयदुउकुपल्ययवकति॥तसन्निधायगबलगिति॥लूकेसुनिपिस्मिद

गुनः
११८

कानावकव्य॥६॥स्वनअनपिनापधयागु॥६॥दिनूकस्यधमा॥६॥स्वनपन॥नपिविव
यउपधयागु॥६॥नरुवति॥यदुलूगकपनसोपदंकादिवच्यदृष्टी॥वाउजंति॥वाश
कि॥वाउक॥वाउजति॥वाउजीवि॥वाशकि॥वाउक॥वाउक॥वाउजीमि॥वाः
शकि॥वाउक॥वाउक॥वाउका॥वाउका॥वाउका॥वाउका॥वाउका॥वाउका॥वाउका॥
वाउका॥वाउका॥वाउका॥वाउका॥वाउका॥वाउका॥वाउका॥वाउका॥वाउका॥
का॥वाउका॥मसादिह॥वाउगि॥वाउका॥वाउका॥वाउका॥वाउका॥वाउका॥
वाउका॥वाउका॥वाउका॥वाउका॥वाउका॥वाउका॥वाउका॥वाउका॥वाउका॥
अवाउका॥अवाउका॥वां॥अवाउका॥अवाउका॥अवाउका॥अवाउका॥अ

सा.स्व.
११८

[illegible]

गुनुः
११८

येहसादयेइदिश्व॥अनपिहसात्॥हसाइहनस्ययहालुगवति॥पापवीति॥वा४कु४
॥पापाकि॥पापाक४॥पापवनि॥पापवीमि॥पापकि॥पापकु४॥पापकु॥पापवीमि॥२
पापवि॥पापव४॥पापव४॥पापव्यात्॥पापव्यात्॥पापव्यु४॥पापव्यात्॥पापव्या
त्॥पापव्या॥पापव्याव॥पापव्याम॥पापवी॥पापकु॥पापकात्॥पापकी॥पापवकु
॥पापवि॥पापकात्॥पापकी॥पापका॥पापवनि॥पापवाव॥पापवामा॥दिस्वाहसात्
॥अपापक॥अपापग॥अपापवी॥अपापकी॥अपापवन॥अपापवी४॥अपापको॥अ
पापग॥अपापकी॥अपापक॥अपापवी॥अपापव॥अपापव॥ ॥वदवकार्यवा२
वि॥अन४॥वावदीति॥वावहि॥वावहं॥वावदति॥वावदीसि॥वावत्ति॥वावह४॥वा

सा.सू.
१२०

वरु॥ वावदीमि॥ वावदि॥ वावद्व॥ वावद्व॥ वावद्यान॥ वावद्यानी॥ वावद्यु॥ वावद्या
॥ वावद्यानी॥ वावद्यान॥ वावद्यानी॥ वावद्याव॥ वावद्याम॥ वावदीकु॥ वावकु॥ वावरु॥
वावरु॥ वावदकु॥ वावदि॥ वावरु॥ वावरु॥ वावरु॥ वावदानि॥ वावदाव॥ वावदो
म॥ अवावन्॥ अवावद्॥ अवावरु॥ अवावदन्॥ अवावन्॥ अवावद्॥ अवावदी॥ अ
वावरु॥ अवावरु॥ अवावदी॥ अवावद्व॥ अवावद्व॥ ॥ घटवद्वोयी॥ सीयुर्वेश॥ कुरु
शु॥ मेपानाजववपा॥ सीजाघटीनि॥ सीजाघदि॥ सीजाघद्व॥ सीजाघटनि॥ सीजाघटी
वि॥ सीजाघदि॥ सीजाघद्व॥ सीजाघद्व॥ सीजाघटीमि॥ सीजाघदि॥ सीजाघद्व॥ सीजाघ
द्व॥ सीजाघद्यान॥ सीजाघद्यानी॥ सीजाघद्यु॥ सीजाघद्या॥ सीजाघद्यानी॥ सीजाघद्यान॥

गुनः
१२०

संजाघद्यां॥संजाघद्याव॥संजाघद्याम॥संजाघटीकु॥संजाघट्ट॥संजाघटानू॥संजाघट्टी
॥संजाघट्टु॥संजाघट्टि॥संजाघटानू॥संजाघट्टी॥संजाघट्ट॥संजाघट्टनि॥संजाघट्टावा॥
संजाघटाम॥समजाघता॥समजाघत्ता॥समजाघट्टी॥समजाघट्टनू॥दिस्याहसातू॥वाव
सान॥समजाघट्ट॥समजाघत्ता॥समजाघट्टी॥समजाघट्ट॥समजाघट्टी॥समजाघट्ट॥सम
जाघद्या॥ ॥रुसरायां॥गुध॥कादिवदयालकु॥लूकिसनिपितिसिधकाभावका
व्य॥संवातवीति॥संवातानि॥दितिगुध॥दितियनपूर्वस्यगुधरुवति॥संवातुत॥
॥नूधनानिनिउवादे॥संवातुवति॥संवातवीषि॥संवातु॥संवातुथ॥संवा
तुथ॥संवातुवीमि॥संवातुव॥संवातुम॥संवातुयानू॥संवातुयानी॥संवातुयानां॥सं

सा.स्व
१२९

संवाह्याः॥ संवाह्येयो॥ संवाह्यात॥ संवाह्याम॥ संवाह्याव॥ संवाह्याम॥ संवाह
वीतु॥ संवाह्यु॥ संवाह्यात॥ संवाह्यानी॥ संवाह्यवु॥ संवाह्यहि॥ संवाह्यात॥ संवाह्ये
॥ संवाह्यत॥ संवाह्यानि॥ संवाह्याव॥ संवाह्याम॥ समवाह्यवीतु॥ समवाह्यात॥ समवाह्याद
॥ समवाह्यानी॥ समवाह्यवु॥ समवाह्यवीतु॥ समवाह्याः॥ समवाह्यानी॥ समवाह्यत॥ समवा
ह्यवी॥ समवाह्यव॥ समवाह्यव॥ समवाह्यम॥ ॥ इह ३३ कनर॥ ॥ मकानान्कोम
इपधानीचपूर्वस्य यदुल्लुकि सति नूक्त्रिकनी कृत्वा गमावकाव्यः॥ अतानि ०० स्याप
वादः॥ नः॥ कृहाधुः॥ पितितस्मीति ०० कानेः॥ गुहः॥ चर्कनीति॥ चनिकनीति॥ चनी
कनीति॥ चर्कनीति॥ चनिकहि॥ चनीकहि॥ चर्कतः॥ चनिकतः॥ चनीकतः॥ वः

गुनः
१२९

नित्यननश्रुत्स्याहवति॥चर्कुति॥चनिकुति॥चनीकुति॥चर्कुनीषि॥चनिकनीषि
॥ॐ॥कानाहाव॥चर्कुषि॥चनिकषि॥चनीकषि॥चर्कुथ॥चनिकुथ॥चनीकुथ॥
चर्कुनीमि॥चनिकनीमि॥चनीकनीमि॥चर्कुमि॥चनिकमि॥चनीकमि॥चर्कुव॥
॥चनिकुव॥चनीकुव॥चर्कुम॥चनिकुम॥चनीकुम॥चर्कुयात्॥चनिकुयात्
॥चनीकुयात्॥चर्कुयात्॥चनिकुयात्॥चनीकुयात्॥चर्कुयू॥चनिकुयू॥चनी
कुयू॥चर्कुयो॥चनिकुया॥चनीकुया॥चर्कुयात्॥चनिकुयात्॥चनीकुयात्
॥चर्कुयात्॥चनिकुयात्॥चनीकुयात्॥चर्कुयी॥चनिकुयी॥चनीकुयी॥चर्कुयाव॥
चनिकुव॥चनीकुयाव॥चर्कुयाम॥चनिकुयाम॥चनीकुयाम॥ ॥यद्द्विध्र॥य

इलूक् ॥ न४ ॥ कृहाश्रु४ ॥ पितृपत्र ॥ पूर्ववद्वा ॥ कान४ ॥ चर्कडुंनै ॥ वनिकनीरु ॥ वनीक
नीरु ॥ चर्कडुं ॥ वनिकडुं ॥ वनीकडुं ॥ चर्कगान ॥ वनिकगान ॥ वनीकगान ॥ चर्कगी ॥
वनिकगी ॥ वनीकगी ॥ पूर्ववद्वा ॥ चर्कहि ॥ वनिकहि ॥ वनीकहि ॥ चर्कगान ॥ वनि
कगान ॥ वनीकगान ॥ चर्कगी ॥ वनिकगी ॥ वनीकगी ॥ चर्कग ॥ वनिकग ॥ वनीकग ॥ च
र्कनाधि ॥ वनीकनाधि ॥ वनीकनाधि ॥ चर्कनाव ॥ वनिकनाव ॥ वनीकनाव ॥ चर्कनाम
म ॥ वनिकनाम ॥ वनीकनाम ॥ ॥ कृष्ण ॥ वा ॥ पुण्य ॥ अचर्कनीरु ॥ अवनिकनी
रु ॥ अवनिकनीरु ॥ पक्ष ॥ दिस्पहसा ॥ अचर्क४ ॥ अवनिक४ ॥ अवनिक४ ॥ अचर्कगी ॥
अवनिकगी ॥ अवनिकगी ॥ अतउत् ॥ अचर्कनू४ ॥ अवनिकनू४ ॥ अवनिकनू४ ॥ अचर्कनी

गुनः
१२२

४॥ अवनिकनी॥ अवनी कनी॥ अवर्क॥ अवनिक॥ अवनी क॥ अवर्कनी॥ अवनिक
नी॥ अवनी क॥ अवर्क॥ अवनिक॥ अवनी क॥ अवर्कनी॥ अवनिकनी॥ अवनी क
नी॥ अवर्क॥ अवनिक॥ अवनी क॥ अवर्क॥ अवनिक॥ अवनी क॥ ॥ वृ
वर्क॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिस्ति॥ अतिगयहसा॥ अतिगयहसा॥ अतिगयहसा॥ अतिगयहसा॥
वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥
वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥
वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥
वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥
वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥ वृत्तिपू॥

सा.सु.
१२२

मीमि॥वर्चेत्सि॥वनिवर्त्सि॥वनीवर्त्सि॥वर्चेत्स॥वनिवर्त्स॥वनीवर्त्स॥वर्चेत्स॥वनि
वर्त्स॥वनीवर्त्स॥ ॥विरधो॥वर्चेत्सा॥वनिवर्त्सा॥वनीवर्त्सा॥वर्चेत्सा॥वनि
वर्त्सा॥वनीवर्त्सा॥वर्चेत्सु॥वनिवर्त्सु॥वनीवर्त्सु॥वर्चेत्सा॥वनिवर्त्सा॥वनीवर्
त्सा॥वर्चेत्सा॥वनिवर्त्सा॥वनीवर्त्सा॥वर्चेत्सा॥वनिवर्त्सा॥वनीवर्त्सा॥वर्चे
त्सा॥वनिवर्त्सा॥वनीवर्त्सा॥वर्चेत्सा॥वनिवर्त्सा॥वनीवर्त्सा॥वर्चे
त्सा॥वनिवर्त्सा॥वनीवर्त्सा॥वर्चेत्सा॥वनिवर्त्सा॥वनीवर्त्सा॥वर्चे
त्साम॥वनिवर्त्साम॥वनीवर्त्साम॥ ॥आगिषि॥वर्चेत्की॥वनिवर्त्की॥वनीवर्त्की॥वर्चेत्की॥वनिव
र्त्की॥वनीवर्त्की॥वर्चेत्की॥वनिवर्त्की॥वनीवर्त्की॥वर्चेत्की॥वनिवर्त्की॥वनीवर्त्की॥वर्चे
त्की॥वनिवर्त्की॥वनीवर्त्की॥मसा॥मसाइरुनस्पहृदिर्वेकव्य॥वर्चेत्की॥वनिवर्त्की

गुनः
१२२

॥वनीवृद्धि॥वर्द्धलाग॥वनिवृद्धाग॥वनीवृद्धाग॥वर्द्धल॥वनिवृद्धल॥वनीवृद्धल॥वर्द्धल॥
वनिवृद्धल॥वनीवृद्धल॥वर्द्धलानि॥वनिवृद्धलानि॥वनीवृद्धलानि॥वर्द्धलाव॥वनिवृद्धलाव॥व
नीवृद्धलाव॥वर्द्धलाम॥वनिवृद्धलाम॥वनीवृद्धलाम॥ ॥अनयगन॥अवर्द्धनीग॥अवनिवृ
द्धनीग॥अवनीवृद्धनीग॥अवर्द्धल॥अवनिवृद्धल॥अवनीवृद्धल॥अनउस॥अवर्द्धकुश॥कनः
दिवेवनाइसिपनगुरे॥रवति॥अवनिवृद्धकुश॥अवनीवृद्धकुश॥अवर्द्धनीश॥अवनिवृद्धनीश॥
अवनीवृद्धनीश॥अवर्द्धल॥अवनिवृद्धल॥अवनीवृद्धल॥अवर्द्धल॥अवनिवृद्धल॥अवनीवृ
द्धल॥अवर्द्धल॥अवनिवृद्धल॥अवनीवृद्धल॥अवर्द्धल॥अवनिवृद्धल॥अवनीवृद्धल॥अवर्द्ध
ल॥अवनिवृद्धल॥अवनीवृद्धल॥ ॥कर्तुर्यद॥कर्तुनूपमानादावानरर्थयद्रूपयथा

सा.सू.
१२४

रुवति॥ रगनयनं नृतिरिति॥ यदीर्घः॥ काकः रगनं नृवाचनतीति॥ रगनायनं॥ पधु
तायनं मूर्धः॥ अप्सनसयनं नृतिरिति॥ यदिसलापावकावः॥ यदीर्घः॥ अप्सनायनः
कनूपाः॥ आरभयनं मंगुः॥ पयसु विहायार्था॥ पयायनं॥ पयपस्यनं केके॥ पयस्यनं॥
पयस्यती॥ अपयस्यनं॥ उपमानादाचानर्थविपुलयावकावः॥ वः॥ वलोपावति॥ च
नृवन् आचनतीति वदुति मूर्धः॥ कन्दति॥ कलागति॥ आचान उपमानादा॥ कर्मणि उ
पमानादाचानर्थविपुलयावति॥ आनर्थ अकानसं नृकानः॥ पूनीयति गिब्यमूपाः
धायः॥ पूनीयतः॥ पूनीयति॥ पूनीयन्॥ पूनीयतु॥ अपूनीयन्॥ प्रासादयति कुर्तिरि
रुः॥ रुसहायी॥ नृकायामात्मनः सः॥ अनानिष्ठायामर्थ आत्मनः सप्रत्ययावति॥ साव

गुनः
१२४

57

सा.सू.
१२५

श्रु॥ मपातीजववपा॥ पूर्ववत् ॥ श्रुयति ॥ श्रुयत् ॥ श्रुयतु ॥ अश्रुयत् ॥ नृग
द ॥ नृनृयति ॥ नृनृयत् ॥ नृनृयतु ॥ अनृनृयत् ॥ य॥ स ॥ ॐ श्रुश्रुय॥ अकोनपूर्व
ॐ काशीरुवतिसयन ॥ गुप्त॥ प्रकृत्परार्थान्यगसात् ॥ सप्रत्ययादन्यप्रकृत्परार्थान्यग
द्य॥ अप्रधानरुवति ॥ ननकाशनय॥ पाकत्वमिच्छति तीपाकस्य प्राधान्येन त्विच्छाया॥
काशसंभवेपति ॥ वा॥ क॥ किलात्स॥ स॥ सध॥ दु॥ तियप्रत्यय॥ अप्रकृत्नि ॥
अद॥ ॐ त्यकानलाप॥ काशनयकमिच्छतिपिपकृति ॥ पिपेकृत् ॥ पिपकृत् ॥ अपिप
कृत् ॥ पापान ॥ पापुमिच्छति ॥ पिपासृत् ॥ पिपासृत् ॥ अपिपासृत् ॥ त्यजहानो ॥ सप्रत्यय
॥ द्वित्वं ॥ पूर्वसहसादि॥ ग॥ य॥ स ॥ वा॥ कृ॥ नितिजकानस्यगकान॥ तस्यखसंव

गुनः
१२५

पामसानामितिककान॥ किलात्थ॥ नित्यकृति॥ नित्यकृत॥ नित्यकृत्ता॥ अतित्यकृता॥ व
वपनिशय॥ विवकृति॥ विवकृत॥ विवकृत्ता॥ अविवकृत॥ पृष्ठसंपर्क॥ न॥ पूर्वव
त्वापिपृष्ठकृति॥ पिपृष्ठकृत॥ पिपृष्ठकृत्ता॥ अपिपृष्ठकृत॥ गुरुत्वादान॥ गृहीकृति॥ व
कोत्रसप्तत्ययकविनृद्धिर्लसविनी॥ ननसंप्रसादन॥ पश्चाद्विनी॥ न॥ कृताश्रु॥ य॥
स॥ हा॥ आदिजवानामितिद्यकान॥ क॥ आदिजवानामिति॥ व॥ किलात्थ॥
स॥ कवसंयोगक॥ जिघृक्षति॥ जिघृक्षत॥ जिघृक्षु॥ अजिघृक्षत॥ अवगुरुसंवि
न॥ रुच्यकृति॥ पृष्ठकृती॥ गृहीकृति॥ निसंप्रसादन॥ द्विती॥ न॥ य॥ स॥
पिपृष्ठकृति॥ कृगवनाजादीनामितिवत्नी॥ व॥ क॥ स॥ पिपृष्ठकृत॥ पिपृष्ठकृत्ता॥ अपिपृ

सा.सु.
१२६

कृ॥ हनहिंसागत्या॥ सपत्यय॥ द्विर्त्य॥ कृहाश्रुनितिपूर्वस्या॥ तस्यमयानीजवचपा
००॥ तिजकाव॥ य॥ स॥ हनसाधिरू॥ हनसाधिरू॥ सकोनासिहवति॥ शिखादूपाधवृद्धि
॥ हनाध्रनश्रापदाकमस॥ जिघांसति॥ जिघांसितु॥ जिघांसतु॥ अजिघांसितु॥ शूकशूक
नर॥ मक००॥ मकानस्य००॥ नरवति॥ दितिचपन॥ असार्धति कार्यविधि॥ किकिन
सतिपू००॥ निसिद्ध॥ कृहाश्रु॥ यौर्विहसदीघ॥ विकीर्षति॥ विकीर्षतु॥ विकीर्षदु॥ अ
विकीर्षतु॥ ह००॥ हनर॥ जिहीर्षति॥ जिहीर्षतु॥ जिहीर्षदु॥ अजिहीर्षतु॥ ह००॥ वननन
या॥ नितीर्षति॥ नितीर्षतु॥ नितीर्षदु॥ अनितीर्षतु॥ शूकयकनर॥ सपत्यय॥ कृसकः
००॥ निसिद्ध॥ द्विर्त्यमक००॥ यौर्विहस॥ यक००॥ यक॥ यकानात्पूर्वार्कोनस्यलारव

गुणः
१२६

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वि की र्थे न ॥ वि की र्थे न ॥ अवि की र्थे न ॥ उपव ष्या क ॥ पव ता ॐ नमि स्ति ता ॥ अ नमि ग य ह
सा द य दु द्वि श ॥ अ न ॥ यदि स ति पूर्व स्य अ कान स्य अ काना द र ग्मा र्त्त व ति ॥ अ न वि च ह सा न
॥ सि स ता सि स पा मि न ॥ पा प वि ता ॥ पा प वि ता नो ॥ पा प वि ता न ॥ पा प वि ता सा र थ ॥ पा प
वि ता र ध ॥ पा प वि ता ह ॥ पा प वि ता स्त्वं ह ॥ पा प वि ता स्म ह ॥ दा दा न ॥ दा ति पू ॥ ॐ नमि स्ति ता ॥
ॐ द्वा या मा त्म न ४ स ॥ सा वि द्वि श ॥ ॐ स्म ॥ दा दी नी स्त्वं न स्य स प न ॐ सा द र ग्मा र्त्त व ति ॥ पूर्व
स्य ला प ॥ सी ता ॥ न पी नि स कान ॥ दि त्स ति ॥ दि त्स न ॥ द त्स नु ॥ अ दि त्स न ॥ दू धा ॥ ऊ धा न द
या व द या ॥ पूर्व वे त्सा ध नि का अ ग्रा पि ॥ धि त्स ति ॥ धि त्स न ॥ धि त्स नु ॥ अ धि त्स न ॥ मा रु मा न ॥

सा.सु.
१२७

ठकानात्मनपदार्थः॥ इमिजप्रकायन॥ दयाऽसमानी॥ प्रपूर्वः॥ प्रमित्सुतः॥ प्रमित्सुतः
॥ प्रमित्सुती॥ अप्रमित्सुतः॥ इलरुष्याको॥ इकायेनेकानोअनवन्धकायोरथो॥ रुकान
साकानात्मनपदार्थः॥ ॐ कायामात्मनः॥ द्वित्वं॥ खसचपामसानामितिरुकान
स्यपकानः॥ ॐ स्या॥ ॐ सादग॥ पूर्वस्यवलापः॥ स्क्रानायांश्च ॐ तिसकानस्यलापः॥ लिप्स
तः॥ लिप्सती॥ अलिप्सतः॥ नरुनारु॥ पूर्ववत्॥ लिप्सतः॥ लिप्सतः॥ निप्सती॥ अनिप्सतः॥
पलपतन॥ पताधेतु॥ पताधेतोऽसकानस्यवा ॐ द्रुवति॥ यः॥ पतिदुमिच्छति
पिपतिषति॥ पिपतिषतु॥ पिपतिषतु॥ अपिपतिषतु॥ दीर्घः॥ आपः॥ वाको॥ आप्रा
तनी॥ आप्रातर्द्धाताऽस्वनेस्य ॐ आदरुहवति॥ ॐ स्येति॥ ॐ स्यात्॥ ॐ स्यात्॥ ॐ स्यात्॥

गुनः
१२७

अगलकृ२॥ अगनायावा॥ अगधोतानि द्वायामर्थ अनामपत्य याववति॥ अगयति॥
 अगनायक॥ अगनायकु॥ अगनायक॥ पक॥ ॐ द्वायामात्मनः स॥ सार्वद्विध॥ स्वनहीन
 पनधर्म यात्री॥ सीसतासीस्पामिदू॥ य२॥ अगिगियति॥ अगिगियतु॥ अगिगियदु॥ अ२
 गिगियतु॥ गुपरापनया॥ गुप्ता॥ गुपादिस्व२ स्वार्थ सपत्य याववति॥ तस्मिन्मतिधमाः
 दिर्वचनी॥ कृहाश्रु॥ रुगुप्ता॥ रुगुप्ता॥ रुगुप्ता॥ अरुगुप्ता॥ उरयपदी॥ कितला
 मपनयनसंगयेवा॥ कृहाश्रु॥ विकिसति॥ विकिसतु॥ विकिसदु॥ अचिकिसतु॥ नि
 अनिमानकमायाचि॥ उरयपदी॥ कृमयनाजादीनामिनियत्वी॥ य२॥ क२॥ क२॥ क२॥
 या२॥ क२॥ नितिकृति॥ नितिकृत्॥ नितिकृदु॥ अनितिकृत्॥ मानविवानपूजायाचि

सा.ख
१२८

॥ मानसकं ॐ तिस्रि ॥ द्विती ॥ अस्व ॥ य ॥ ४ ॥ मानादीनां पूर्वस्य दीर्घावकृत्य ॥ नश्च
पदान्तमस ॥ मीमीसकं अर्ध ॥ मीमीसक ॥ मीमासक ॥ मीमीसती ॥ अमीमीसक ॥ वध
निन्दायी ॥ वधसकं ॐ तिस्रि ॥ द्विती ॥ य ॥ ४ ॥ आदिजं बानामिति रुकान ॥ रेवसच
पामसानामिति रुकान ॥ पूर्वस्य दीर्घ ॥ वीरुसक ॥ वीरुसक ॥ विरुसती ॥ अविरु
सक ॥ दानसानकजन ॥ पूर्ववत् ॥ दीदीसति ॥ दीदीसक ॥ दीदीसती ॥ अदीदीसक ॥ उ
रुयपदी ॥ गीमासक ॥ गीमीसक ॥ गीमीसती ॥ अगीमीसक ॥ गुपूनक ॥ येओ ॥ गुपा
दित्यु ॥ स्वार्य आयपत्ययावति ॥ उपधाया लघा गु ॥ ४ ॥ रगपायति ॥ रगपायक ॥ रगपा
यती ॥ रगपायक ॥ अरगपायक ॥ उरुयपदी ॥ उर्वधूपसंताप ॥ धूपायति ॥ धूपायक ॥ धूपाय

गुनः
१२८

ॐ॥धूपायती॥अधूपायतु॥विष्कगती॥विष्कायति॥विष्कायतु॥विष्कायतु॥अविष्काय
तु॥पक्षवावहानसुतोपरधेव॥पक्षयति॥पक्षयतु॥पक्षयतु॥अपक्षयतु॥पनायति
॥पनायतु॥पानायतु॥अपनायतु॥नाम्नाय००चास्य॥नाम्न००कायामरथेयप्रत्ययात
वति॥तस्मिन्निधारणवअकानस्य००कोभारुवति॥आत्मनःपुनर्मिच्छति॥पुनीयति॥पु
नीयतु॥पुनीयतु॥अपुनीयतु॥धनमिच्छतिधनियति॥धनीयतु॥धनीयेयो॥अधनी
यतु॥उदकस्यादनादग॥उदकआत्मन००च्छति॥उदन्यति॥उदन्यतु॥उदन्यतु॥उद
न्यतु॥काम्यमयीमिच्छतिकवितु॥पुरुकाम्यति॥कनरधवय॥कंश्चादिस्य००कनरधरथ
यप्रत्ययातवति॥कर्तुं कर्तव्येति॥कर्तुयति॥कर्तुयतु॥कर्तुयतु॥अकर्तुयतु॥उत्तय

सा.सु.
१२८

पदि॥ नप४ कना नीक पस्यति॥ मन४ कना नीति मनस्यति॥ उरुय पदार्थ४॥ ॐ हामरर्थ
 यप्रत्यय४॥ सुगममध्वा॥ वृषरु० वमभुनमिच्छति॥ वृषस्यति॥ दध्राणि जनमिच्छति॥
 दधिस्यति॥ असुगममध्वा॥ दधस्यति॥ गेहं कना नीति गेहायना॥ वेनं कना नीति वेना
 यन॥ सुखायन॥ इष्टवायन॥ यदीर्य४॥ ०० त्यादिर्यैरु॥ लि३ ठिलकनर॥ नास्त्राजिप्रस
 यातवतिकनरर्थ॥ सचठिरु॥ ठिलाठिलाप४॥ सधकुनिनिधेत्वादिवादय४॥ घटवेष्टा
 या॥ घटतिप्र० तिलित॥ अरुउपधयावृद्धि४॥ मिमिफ्रस्व४॥ धाकुपा२० मिरु० स्वर्व
 पठितानां फ्रस्वातवति॥ अप्रकलनि॥ गुधमादरगो॥ घटं कना नीति घटयति॥ घटयत्
 ॥ घटयतु॥ अघटयत्॥ घटयान्वकान॥ घटयान्॥ घटयिता॥ घटयिष्यति॥ अघटयि

गुनुः
१२८

षात्॥ अघटयीत्॥ महान्कनातीति महायति॥ इटिंकनातीति उधयति॥ उधयत्॥ उटय
तु॥ उधयत्॥ पृथुर्विस्तार॥ पृथुद्वन्द्व॥ पृथुद्वन्द्वोक्तमकानस्य नातवति॥ पथयति॥ प
थयत्॥ पथयतु॥ अपुथयत्॥ दृढंकनातीति डटयति॥ डटयत्॥ डटयतु॥ अडटयत्॥ क
गतनूकेनरक्ष॥ कर्गंकनातीति कगयति॥ युवाल्पया॥ कनवा॥ अल्पयुवानेवावक्ष॥ क
नंकनातीतिकनयति॥ अल्पयति॥ धाता॥ पनरक्ष॥ पनरक्षयथाजकवापानार्थजिप्
त्यया तवति॥ कृर्वर्कानयतीति य॥ स॥ पथाजकलौके॥ उपनययाक॥ पचर्कपचये
ति॥ तस्मिन्नर्थेवा॥ जिप्त्यय॥ अकउपधाया॥ अपकलुनि॥ गुध॥ अज्य॥ पावय
ति॥ पावयत्॥ पावयतु॥ अपावयत्॥ गसूअनुगिषो॥ गसिनिपुं॥ तिसिनि॥ अपकलु

[illegible]

गुनः
१३०

०
७
०
५
०
५
१०
१५
२०
२५

ह॥यापोपक्ष॥यापयति॥यापयतु॥यापयतु॥अयापयतु॥अगतो॥गुरक्षदिसीयाग
थोलघानिगिगुध॥अप्ययति॥अप्ययतु॥अप्ययतु॥अप्ययतु॥अप्ययतु॥ॐअधयने॥ॐछा
द॥उज्ञेपुग्वकाव॥ॐतिकावधूपसर्जनानवाकिचनत॥अधिपूर्वे॥आदिस्वनस्य
दिमिषिद्वि॥ॐआय॥यतॐतियकानलाप॥अपुकरुनि॥अध्यापयति॥अध्या
पयतु॥अध्यापयतु॥अध्यापयतु॥पूछागुरक्षवकाव॥झीलझार्या॥निप्रत्यय॥
ॐछादित्वात्युक्॥ऊपयति॥ऊपयतु॥ऊपयतु॥अऊपयतु॥लाठविलापना॥वि
लापयति॥विलापयतु॥विलापयतु॥अविलापयतु॥वालापयतु॥पापान॥पा
द॥पुग्वकाव॥पापयति॥पापयतु॥पापयतु॥अपापयतु॥गीहस्वप्र॥आ

हिस्वनस्पद्विद्धि॥संध्यक्रनामोक्षे॥भाययति॥भातनूकन॥भाययति॥भापयति॥भा
 ययति॥अभापयति॥पी॥उ॥धू॥अ॥रु॥कवकव्य॥जि॥प॥त्यय॥अ॥पू॥क॥रु॥नि॥पी॥त॥य॥ति॥पी॥
 त॥य॥तू॥पी॥त॥य॥तू॥अ॥पी॥त॥य॥तू॥धू॥उ॥क॥प॥न॥धू॥न॥य॥ति॥धू॥न॥य॥तू॥धू॥न॥य॥तू॥अ॥धू॥न॥य॥तू॥
 प॥क॥पी॥जि॥ति॥पू॥०॥नि॥सि॥रु॥वृ॥द्धि॥ने॥अ॥य॥सं॥धा॥उ॥अ॥पू॥क॥रु॥नि॥गु॥हा॥या॥द॥र॥गो॥पा॥
 प॥य॥ति॥उ॥र्व॥ध॥व॥य॥ति॥जा॥ना॥न॥वा॥ज॥स्व॥रु॥अ॥व॥वा॥ध॥न॥रु॥प॥य॥ति॥रु॥प॥य॥ति॥रु॥त॥य॥
 ति॥रु॥न॥य॥ति॥ग॥म॥य॥ति॥ग॥म॥य॥ति॥व॥उ॥त्स॥दी॥र्घ॥ना॥व॥व॥क॥व्य॥रु॥व॥वा॥ध॥न॥०॥का॥या॥
 मा॥त्म॥न॥०॥स॥०॥द्वि॥त्वी॥ज॥स्व॥०॥पू॥र्व॥स्म॥रु॥सा॥दि॥ग॥व॥०॥य॥०॥स॥ति॥०॥प॥त्य॥य॥०॥ना॥ता॥०॥अ॥पू॥क॥जि॥
 हा॥प॥यि॥०॥नि॥सि॥द्धि॥सं॥धा॥उ॥धा॥उ॥त्वा॥रु॥वा॥द॥य॥जि॥रु॥प॥य॥ति॥जि॥रु॥प॥यि॥ध॥तू॥जि॥रु॥

गुनः
१३१

॥ जिरूपिसुंतिरुहं ॥ सिसतासीस्यपामित् ॥ गुह ॥ ५ ॥ जय ॥ स्वनहीनीपनससंधासं ॥ किलावःसः ॥ १२

[illegible]

सा.सू.
१२२

वा दोप न तः॥ स न प वा दः॥ धातां चि दि व नी॥ जि प्र त्य यः॥ दि वा दा व ता॥ ठि क न धा साम
थो त्या प्रा वि गु र्धा नि व र्ध नः॥ अ वृ च नि अ दि य ०० ति सि नः॥ १७३४॥ कि ति दि ति व प न
१७३ ला पा र व ति॥ ल धा दी र्धः॥ अ दि स ति पृ च्च र्ध नि ना ल धा दी र्ध र व ति॥ अ वृ च न त
॥ अ वृ च न ती॥ अ वृ च न नः॥ अ वृ च नः॥ अ वृ च न ती॥ अ वृ च नी॥ अ वृ च ना व॥ अ वृ च ना
म॥ वि द ह्ना न॥ अ वी वि द न॥ अ वी द नी॥ अ वी वि द न॥ इ ह पु पू न र्धः॥ अ इ इ ह न॥ अ इ इ ह
नी॥ अ दि ल धो र्ध स्व उप धा याः॥ अ दि स ति पृ च्च र्ध नि ना अ का न स्य का ना र व ति ल धो य
न उप धा या र्ध स्व॥ इ प च ष पा क॥ जि प्र त्य यः॥ अ न उप धा या वृ छिः॥ दि वा दा व न॥ अ पा वि
०० ति सि नः॥ १७३ न ह् दि श्व॥ र्धः॥ १७३ वि ति जि ला पः॥ अ पी प च न॥ अ पी प ० न॥ अ जी र्ध न न॥ य

गुनः
१२२

अष्टोक्तं

दगगो॥प्रतिपूर्व॥प्रत्यपीपदन्॥घटवृक्षायी॥अदिदिवचनकन॥कहाधु॥मपानीजव
चपा॥२॥नितितिलोप॥अजीघटन्॥नमन॥मकानताअदुकीनरुवति॥टीकगगो॥
जिप्रत्यय॥अद्विती॥दिवादावन्॥पूर्वस्यहसादिगय॥जस्व॥जस्वादेगसीधकनाम॥
मामिकाभाकाभोवकवो॥मपानीजवचपा॥अष्टोक्तं॥अष्टोक्ती॥अष्टोक्तन्॥टी
कगगो॥अष्टोक्तन्॥अष्टोक्तन्॥अष्टोक्तन्॥अष्टोक्तन्॥अष्टोक्तन्॥अष्टोक्तन्॥अष्टोक्तन्॥
कि॥वहृद्धो॥किप्रत्ययारुवति॥यजीजवनाधु॥सुत॥सप्रसानदी॥हाट॥नरथार्धथाइ
हि॥२॥टिटालोपादीर्घश्च॥जिठिन॥सवति॥सधाडु॥दिवादावन्॥स्वनाद॥२॥
२॥नद्विष्ट॥२॥किनिहितिवचन॥२॥अष्टोक्तं॥स्वनाद॥पना॥२॥निरुक्तानमा

तिरिहत् ॥ १ ॥ अतिरिक्तापः ॥ नन्ति अकान ॥ अदिल्लो जस्व उपधाया ॥ २ ॥ कान
 ॥ लघादीयः ॥ कृष्णः ॥ व्यवक् ॥ यत् ॥ व्यवीक् ॥ यत् ॥ व्यवीक् ॥ यत् ॥ व्यवीक् ॥ यत् ॥
 व्यवीक् ॥ यत् ॥ व्यवीक् ॥ यत् ॥ व्यवीक् ॥ यत् ॥ व्यवीक् ॥ यत् ॥ व्यवीक् ॥ यत् ॥ ॥ ॥
 पृथ्याका ॥ ॥ अथादगविरगविधिर्निनूयत् ॥ दृग्भदः ॥ पृथ्यादि ॥ दृग्भदः ॥ दृग्भदः ॥
 गादिनादरगावति ॥ अवासे विषय ॥ दृग्भदः ॥ अस्पृष्टः ॥ पृथ्यादि ॥ अवि
 कनधत्वा रुवति वदु र्भनयी ॥ पृथ्यादि ॥ पृथ्यादि ॥ अस्पृष्टः ॥ पापान ॥ अस्पृष्टः ॥
 वति ॥ पिवत् ॥ पिवत् ॥ अस्पृष्टः ॥ अस्पृष्टः ॥ अस्पृष्टः ॥ अस्पृष्टः ॥ अस्पृष्टः ॥
 ॥ अस्पृष्टः ॥ अस्पृष्टः ॥ अस्पृष्टः ॥ अस्पृष्टः ॥ अस्पृष्टः ॥ अस्पृष्टः ॥

धमनि १

सा.सु.
१३४

मन्॥धमन्॥अधमन्॥स्वा०००॥स्वस्यतिष्ठादग॥तिष्ठति॥तिष्ठन्॥तिष्ठतु॥अतिष्ठन्
॥दादान॥दा००॥स्वस्ययक्कादग॥यक्कति॥यक्कन्॥यक्कतु॥अयक्कन्॥स्वा०सो०॥००॥
स्वस्यमनादग॥मनति॥मनन्॥मनतु॥अमनन्॥मगतावित्यस्यमक्कादग॥मक्कति
॥मक्कन्॥मक्कतु॥अमक्कन्॥सुगतावित्यस्यधवादग॥धवति॥धवन्॥धवतु॥अः
धवन्॥गद्गुगमन॥अस्यगीयादग॥गीयन्॥गीयन्॥गीयन्॥अगीयन्॥यद्गुवि
सनधगत्यवसादनव॥अस्यसीदादग॥सीदति॥सिदन्॥सीदतु॥असीदन्॥गमीक॥
॥००॥००॥कायी॥००॥कति॥००॥कन्॥००॥कतु॥७०॥कन्॥यमूनियमन॥क्येति॥यक्कन्
॥यक्कतु॥अयक्कन्॥स्वा०जन०॥स्वाववाधन॥अनिपाइरुवि॥७०॥तयाज्जादग॥दिवाद

गुनः
१३४

व
७
७
०

व्यं॥ ना॥ का॥ द॥ जा॥ ना॥ ति॥ जा॥ नी॥ त॥ ॐ॥ ह॥ स॥ ह॥ नृ॥ ग॥ म॥ स॥ प॥ ॥ हं॥ क॥ र्छा॥ ता॥ अ॥ का॥ का॥ ज॥ म॥
ध॥ स॥ प॥ ॐ॥ ज॥ ग॥ मा॥ रु॥ व॥ ति॥ ॥ सृ॥ ग॥ तो॥ स॥ नि॥ व्य॥ ति॥ अ॥ स॥ नि॥ व्य॥ त॥ ॥ क॥ र्छा॥ सि॥ ॥ ति॥ ॥ ति॥ ॥ ति॥ ॥ ति॥ ॥
छि॥ ॥ कि॥ ला॥ त्थ॥ स॥ ॥ स॥ ॥ दि॥ वा॥ दा॥ व॥ ता॥ वा॥ व॥ सा॥ न॥ ॥ अ॥ सा॥ र्वा॥ त॥ ॥ अ॥ सा॥ र्वा॥ ॥ अ॥ सा॥ र्वा॥ ॥ अ॥ सा॥ र्वा॥ ॥
द॥ ॥ सा॥ न॥ ॥ ग॥ म॥ द॥ ॥ ग॥ म॥ ॥ ग॥ म॥ ॥ ग॥ म॥ ॥ अ॥ ग॥ म॥ ॥ ग॥ म॥ ॥ ग॥ म॥ ॥ ग॥ म॥ ॥ ग॥ म॥ ॥ ग॥ म॥ ॥ ग॥ म॥ ॥
ति॥ ॥ स्वा॥ द॥ र्छा॥ नृ॥ प॥ ॥ गृ॥ ॥ ति॥ ॥ गृ॥ ॥ ति॥ ॥ गृ॥ ॥ ति॥ ॥ पू॥ ॥ प॥ व॥ न॥ ॥ चा॥ द॥ ॥ क॥ स्व॥ ॥ ॐ॥ ॥ द॥
छा॥ ता॥ अ॥ स्वा॥ रु॥ व॥ ति॥ ॥ अ॥ वा॥ शे॥ प॥ न॥ ॥ पू॥ ना॥ ति॥ ॥ पू॥ नी॥ त॥ ॥ वि॥ ग॥ प्र॥ व॥ ग॥ न॥ ॥ वि॥ ग॥ ति॥ ॥ नि॥ ग॥ द॥ ॥
नि॥ वि॥ ग॥ द॥ र्छा॥ ता॥ ना॥ त्म॥ न॥ प॥ द॥ रु॥ व॥ ति॥ ॥ नि॥ वि॥ ग॥ न॥ ॥ वि॥ प॥ ना॥ र्वा॥ जि॥ ॥ वि॥ ज॥ य॥ न॥ ॥ प॥ ना॥ ज॥ य॥ न॥ ॥
प्र॥ स॥ व॥ ति॥ रु॥ ॥ सी॥ प॥ ग्ध॥ न॥ ॥ सी॥ ग॥ रु॥ न॥ ॥ सी॥ गृ॥ रु॥ न॥ ॥ सी॥ ह॥ रु॥ न॥ ॥ सी॥ पृ॥ रु॥ न॥ ॥ अ॥ व॥ पृ॥ रु॥ न॥ ॥ अ॥ न॥ नृ॥ न॥

सा.स्व
१३५

॥ आदादास्येनोरुहोने ॥ आरूपूर्वदाज् आत्मनपदैरुवति ॥ ननुमुखप्रसानक्षार्थ ॥
शूदाज्दान ॥ आदरु ॥ मुखप्रसानक्षार्थ ॥ व्यादेदातिमूर्खकृष्टं ॥ कीठकीठन ॥ कीठ
॥ नृसीपनिर्यश्च ॥ अनूकीठन ॥ पनिकीठन ॥ समवप्रापविष्यष्ट ॥ सीतिष्ठन ॥ अवति
ष्टन ॥ पतिष्ठन ॥ उपतिष्ठन ॥ वितिष्ठन ॥ उदिर्यातप ॥ तपसीताप ॥ उलपन ॥ वितपन
॥ आदायमहन् ॥ आयकन ॥ आहनस्वागी ॥ उदश्चनस्वाग ॥ उच्चननमल ॥ समुतीया
युक्ताच्च ॥ सीवनन ॥ नरथनदवदरु ॥ अन्यनसीवनतिदवदरु ॥ व्यापेवेनिर्यष्ट ॥ की
ज् ॥ विकीधीन ॥ अवकीधीन ॥ पनिकीधीन ॥ गपउपालेन ॥ विगपन ॥ अन्यनविग
पति ॥ ह्रागृमृदभीस्वकानामात् ॥ जिह्वासन ॥ गृगृषन ॥ मर्मेषन ॥ दिदृकन ॥ कर्म

गुनः
१३५

वहानमन्युर्हि सादनात् ॥ विवदन्तु वादिनः ॥ अस्माव्यतिरुक्तं ॥ कुमुदादकपः ॥
कुमः सापसर्गस्यैर्पदीर्घताववकावः ॥ स्रुतामतिः ॥ उपक्रामति ॥ कर्मन् ॥ व्यादुपयु
पस्थानमः ॥ विनमति ॥ यविनमति ॥ उपनमति ॥ वृहत् ॥ वृहत्वरुनः ॥ वृध्वृध्वो ॥ गृ
ध्वृत्सायी ॥ स्पृष्टुपगुवः ॥ हृष्टसामर्थ्यं ॥ व्यादित्यः ॥ सप्तयावो ॥ अगमावति ॥
व्याद्युक्तं ॥ विवर्तिष्यति ॥ वत्सति ॥ वर्तिष्यति ॥ वर्तिष्यते ॥ वत्स्यते ॥ मृदादर्मम् ॥ मृदाद
र्तममागमावति ॥ अवादीविषयः ॥ अवादीविषयः ॥ मृदुमाने ॥ उदादनः ॥ मृक
ति ॥ विदुलारु ॥ विदुति ॥ नृतिनानम् ॥ नृदिनावातानमागमावति ॥ दृनदिगवृद्धो
॥ व्यादित्वादर्पः ॥ नन्दति ॥ नन्दत् ॥ नन्दुः ॥ अनन्दत् ॥ बदि अतिवादनस्तुत्याः ॥ वदता ॥

नपिपनस्मेपदं॥मानिष्यति॥अन्यत्रसिद्यता॥नृदादश्चउक्तुहसाद॥चक्रुर्ध्वंतिवादिग
मनामिष्यहकानवर्जयित्वावसाद॥पत्ययस्यजगमाहवतिनृदादयनस्या॥अदादि
त्वान्क॥नृदिनश्रुविभावने॥उपधयालधानितिगुण॥नादिति॥नृदिन॥नृ
दक्ति॥नादिषि॥नृदिथ॥नृदिथ॥नादिमि॥नृदिव॥नृदिम॥नापितिस्वः
पितिरश्वेवश्वसिति॥प्राप्तिसिक्तथा॥यक्रतिरश्वेवविलुप्यानृदादिपैवकागम॥श्व
मयाधन॥श्वसिति॥स्वपिति॥प्राप्तिसि॥जवरुक्रहसनया॥जक्रति॥जक्रत॥ज
क्रति॥वकास्मि॥वकास्म॥वकासक्ति॥जागृनिद्राकृया॥जागर्हि॥जागर्ह॥जा
गृति॥दनिद्रादनिद्रालापश्च॥दनिद्रादद्वानिजगमाहवतिदितिपेना॥२

सा.सु.
१३७

आकाशस्यलापश्चदितिहसपनआकाशसायववकानतिदागमानहवति॥दनि
डाइर्गती॥डनिडानि॥दनिडित॥डनिडिती॥दनिडासि॥दनिडिथ॥दनिडिथ॥दनि
डामि॥दनिडाव॥दनिडामा॥भासूअनसिहो॥भासि॥भासनि॥भासनूपधयाआका
नस्यकाशहवतिद्विहसपन॥मिस्तु॥भासुति॥सासि॥मिष्यातु॥मिष्याती॥मि
ष्यु॥भासु॥मिष्यादा॥मिष्यी॥भासुता॥आभा॥आमिष्यी॥आभासु॥ॐतीसा॥ध
खवदकव्य॥ॐउस्तुती॥ॐउ॥ॐअन॥ॐउन॥ॐतिथ॥ॐअरथ॥ॐतिध्व॥
ॐउ॥ॐतिवह॥ॐतिमह॥ॐमनेधर्य॥ॐह॥ॐभात॥ॐमन॥अवी॥उकान
स्योकाशाहवतिपितितस्मिअवादी॥यूनहुस्तु॥ॐदा॥योति॥यवीति॥नोति॥नवी

गुनः
१३७

वीति॥ नोति॥ नवीति॥ स्तोति॥ सुवीति॥ सुत॥ नृध॥ नानिति उव॥ सुर्वति॥ लापस्त्र दोनेः
दाहानी॥ अनदाहानीतनीदीनीव॥ मस्य लापातवतिकितिदितिमसपत्र॥ हन्ति॥ हत
॥ घ्नन्ति॥ गवीस्वन॥ नम॥ नमप्रत्ययात्यनस्य स्वनस्वानस्य लापातवति॥ हिसिहिंसा
यी॥ नृधदन्त्रस॥ हिनस्ति॥ नमस्वनस्य ०० तिनकाजस्याकाजस्य लाप॥ हिंस्॥ हिंसीति
॥ रंजआमर्दन॥ हनन्ति॥ रंक्॥ रंजीति॥ रंजदं॥ सजस्व रंजीतालाप॥ रंजति॥ दण
ति॥ सजति॥ विदहाने॥ विहनवानीत्यादीनींवादिवा॥ विदडहनानीत्यादीनींनवानींवा
दिनेवकावातवति॥ वद॥ विदकु॥ विड॥ वल्॥ विदथु॥ विद॥ वद॥ विद्व॥ विप्र॥ व
लि॥ विरु॥ विदन्ति॥ विद्यात॥ विद्यानी॥ विद्यु॥ वल्ननीवानृद॥ विदधता॥ वानृज

सा.स्व
१३५

[illegible]

गुनः
११२८

[illegible]

सा.स्व
१३२

लि का ती॥ लि कृ॥ लि ह कु प्र००० ति लि ह॥ हा ट ४ ग र थ ङ ४॥ ह्र त्वं म गु ध ४॥ रि टा
ला पा दी र्घ थ॥ ल द्र॥ लि टा न॥ ली टा॥ लि ह कु॥ म सा छि ह ४॥ ह्र त्वी॥ क वि न ह काः
भा म स व न व क व ४॥ ली टि॥ लि हि हि॥ ल हा ह लि ट् वा व क व ४॥ ली टा न॥ ली टं॥
ली ट॥ पि त्वा मु ध ४॥ ल हा नि॥ ल हा व॥ ल हा म॥ दि वा दा व न॥ गु ध ४॥ दि स्या ह सा न
॥ वा व सा न॥ अ ल द्र॥ अ ल श॥ अ ली टा॥ अ ली ह न॥ अ ल ४॥ अ ली टा॥ अ ली ट॥ अ
ली ही॥ अ ली क॥ अ ली क॥ गु ह इ ह लि ह दि ही॥ दि त्वा त्म न प दं स ल क् वा व स क् व क व
४॥ ह स वा का स क॥ अ लि क न॥ अ ली ट॥ अ ली का ती॥ अ ली हा ती॥ ॥ व कृ द्वा का
य वि वि॥ व कृ न००० ति लि ह॥ स्का ना या थ॥ सं था ग म या ४ सं को ने क का न या ला पा ह व ति

गुनः
१३९

सा.स्व
१४०

ः च का॥ अच का र्सी॥ अच का र्सी॥ अच का र्सी॥ अच का र्सी॥ अच का र्सी॥ अच का र्सी॥ अच का र्सी॥
थन॥ आख्याति॥ आख्याति॥ आख्याति॥ आख्याति॥ आख्याति॥ आख्याति॥ आख्याति॥
निच॥ मृज बुद्धि र्बति पिति पेन॥ कग ना जा द ४ व ४॥ मा र्सी॥ मृ ४॥ मृ ४॥ मृ ४॥ मृ ४॥
क्रान्त॥ मा र्सी॥ मृ ४॥ मृ ४॥ मृ ४॥ मृ ४॥ मृ ४॥ मृ ४॥ मृ ४॥ मृ ४॥
जिगु मे ४॥ निजा दी न प्री व स्प गु र्क्ष॥ त वति॥ अ पिल कि से ति॥ मि जि न र्क्ष व पा व स
या ४॥ आ द ४ व ४ स्त्र ४॥ श हा ला दि व द्वि व व नी॥ नि ने प र्क्ष ४॥ प र्क्ष य स्प पि त्वा इ धा या
गु ४॥ वा ४ क्ता र व स च पा म सानी॥ नि र्क्ष न कि॥ नि र्क्ष नि क ४॥ द नि मि अ क स्या
नि र्क्ष नि ग मि॥ नि र्क्ष न कि नि र्क्ष नि क ४॥ नि र्क्ष नि क ४॥ नि र्क्ष नि क ४॥ नि र्क्ष नि क ४॥ नि र्क्ष नि क ४॥

गुनः
१४०

कु॥ निनरुनक॥ आत्मनपदपि॥ अवननिक॥ अवननिजात॥ अवननिजीत॥ अ
वननिका॥ अवननेनिजाती॥ अवननिक॥ ॐ त्यादि॥ विजिनपृथककनर॥ ववेकि
ववक॥ वविजति॥ वविद्यात॥ ववकु॥ अववक॥ विवृव्याप॥ ववेष्टि॥ ववष्ट॥
ववियति॥ वविद्यात॥ ववष्ट॥ अववता॥ ॥ पृथोनक्षत्रनक्षत्रा॥ काददिष्टा॥ अ
पालक॥ मप्रानि॥ पूर्वस्य॥ मप्रानि॥ पूर्वस्य॥ ॐ कानाहवति॥ अपिलूकिसति॥ वादपू
र्व॥ व्यापिपति॥ व्यापिपृथ॥ व्यापिपृथ॥ व्यापिपृथ॥ व्यापिपृथ॥ मप्रानि॥
वअजगभाहवति॥ व्यापिपन॥ व्यापिपृथ॥ धनिस्यस्यअनडस॥ व्यापिपन॥ ॐ
त्यादि॥ मगता॥ मप्रानि॥ पूर्वस्य॥ मकानस्य॥ कानादरुहवति॥ अस

सा.सु.
१४९

वरुणस्वर्गपर्वस्य कानस्य यादरम्भावकाव्यः॥ॐ यद्वि॥ॐ यत्त॥ॐ यति॥ॐ यः
 वि॥ॐ यृथ॥ॐ यृथ॥ॐ यर्मि॥ॐ यृव॥ॐ यूम॥ॐ यृयात्॥ॐ यृयाती॥ॐ
 यत्तु॥ स्वनादित्वादितीयाजोगमः॥ जेयनता॥ जेनती॥ जयन॥ घृत्तवर्गयित्वस्य
 कत्वाकुतः॥ सिपि॥ जेयं॥ जेयृती॥ जेयृन॥ॐ दगती॥ अजदित्वादिपालक॥ गुह
 ॥ जति॥ॐ त॥ यन्ति॥ॐ यात्॥ जतु॥ॐ तात्॥ॐ ती॥ यन्तु॥ॐ हि॥ जेतात्॥ जेती
 ॥ आयन॥ॐ यत्त॥ यत्तुर्वर्गदित्रा॥ नधाजितिपूर्वॐ कानस्यॐ यादरम्भा॥ धीमान्ना
 मिनॐ निवृद्धि॥ॐ माय॥ॐ यत्तु॥ॐ यृ॥ॐ यिपि॥ॐ येथु॥ॐ य॥ॐ
 याय॥ॐ यय॥ॐ यिव॥ॐ यिम॥ॐ यैॐ कायी॥ॐ यादरम्भाकृतउपधायागु

गुन
१४९

६४॥ ॐ यव ॥ कविद्वयनस्पउवाद्ग ॥ उवदाह ॥ उवाव ॥ धादुनामप्यनकत्वा नाना
 र्थत्वाच्च सर्वथा ॥ अतिधुममकत्वा दलमाख्यातवर्त्तनं ॥ ॥ ॐ खारण्यातप्रक्रिया
 ॥ ॥ अथ कदम्बप्रक्रियानि नूप्यन् ॥ कल्केरुनि ॥ वक्रमाक्ष ॥ प्रत्ययो ॥ कर्त्तृका ॥ न
 वकलेनिहवति ॥ वकानाहावकर्मस्थानपि ॥ उपववपाक ॥ हवूरक्षो ॥ धामोदेवूक्षो
 प्रत्ययोहवतं ॥ वा ॥ कृ ॥ पकृ ॥ ॐ निस्त्रि ॥ नामसंख्यायां स्यादि ॥ सुना ॥ सना ॥ सव
 त्रिष्टित्वादि लाप ॥ पवतीतिपको ॥ पका ॥ पका ॥ पका ॥ ॥ कृ ॥ ३ क ॥ न ॥ गु ॥ ६ ॥ क ॥ न ॥
 तिकर्त्ता ॥ कृ ॥ ३ ॥ ह ॥ न ॥ ह ॥ न ॥ तिकर्त्ता ॥ विहर्त्ता ॥ ह ॥ न ॥ क ॥ तिकर्त्ता ॥ दा ॥ ना ॥ पा ॥ ना
 ॥ स्ता ॥ ना ॥ ॐ ख्यादि ॥ कृ ॥ न ॥ धा ॥ कृ ॥ प्रत्ययस्य वसादनिजगंभाहवति ॥ ह ॥ स ॥ हा ॥ यी ॥ गु ॥ धा

सा.स्व
१४२

वादेरगो॥ हवतीति हविता॥ अधनं० ति० धिता॥ उपूलरु० ॥ उदितावा॥ उदिताधमा॥
वानिजगमा हवति॥ उदितावत्युवाग द्वा० वसहूलूषनिर्वाधरुनीताद० प्रत्ययग
या॥ रगपयतीति रगपिता॥ रगफा॥ विधूभाकुमागल्यवा॥ आद० क० ॥ ४० ॥ त० ॥ ४० ॥
स० ॥ स० धिता॥ वूपसव॥ साता॥ सविता॥ ०० वू० कायी॥ १० ॥ १० ॥ धिता॥ सहमवर्ष
॥ सह० ति० ति० ॥ हवुधवि० ति० हप्रत्यय० ॥ हा० ॥ सहिवहात्रादवर्षस्य॥ सहिवहा
र्वागानेकात्रस्योकात्रादेरगहवति० प० ॥ त० ॥ ४० ॥ ह० ॥ ४० ॥ रि० ॥ ला० पा० दी० र्घ्य
॥ सहन० ति० सा० ॥ वहप्राप० ॥ वहतीति वा० ॥ उपववपाक॥ युवानस्यको॥ युव० ॥
त्यनयो० प्रत्ययाननश्रुक० ॥ तावादेरगहवत० ॥ यथासीर्यन॥ पवतीति पानवयतिवा

गुनः
१४२

मि४

पाचक४॥ शिल्पाइ पधयावृद्धि४॥ गर्भदेववत्त॥ प० वक्ता याविवि॥ प० नीतिपा० यमी२
तिवापा० क४॥ लोकनाचृदग्नित॥ लोकयतीतिवे लोयमीतिवा लोकक४॥ श्रुयाचृयाच४॥
यी॥ याचयतीतियाचक४॥ श्रुत७३ कन१६॥ कनातीतिकानयतिवा कानक४॥ हनन१६
॥ ननतीज्ञानयतीतिवानानक४॥ मानक४॥ हसहायि॥ वृधप्रत्यय४॥ शकानावृचार्थ४॥
यवानधको॥ आवाइग४॥ हवतीतिहावावयतीतिहावक४॥ ल७३ कुंदन॥ लूनानिलाव
यतिवालावक४॥ पू७३ पवने॥ पूनातिपावयतीतिवापावक४॥ ०० लादि॥ किपेपे
न१६॥ नाम्पधक४॥ नाम्पधका४॥ कप्रत्ययात्तवति॥ ककानागुहप्रतिषधार्थ
४॥ किप्यतीतिकिप४॥ तिदिनविद्वान१६॥ तिनतिरितिदि४॥ किदिनदधीकन१६॥ कि

सा.सु
१४३

नहीतिदिद॥ हाश्रववाधन॥ आशानपि त्याका नलोप॥ जानातश्रक॥ जानातश्रक
प्रत्ययाहवति॥ सूरजानातीतिस्सूर॥ पृष्ठगृह्यश्रक॥ मरुत्त॥ दृष्टगृह्यविनि
मय॥ किन॥ पृषानक्षपूषनया॥ पिन॥ गृनिगनर॥ गिन॥ पविनन्दिगृहादन
यूतिनि॥ पवादन्नुद्यादगृहादश्रधमात्रयूतिनि॥ सूरप्रत्ययाहवति॥ यथासूरव
न॥ हाकाभाहृद्यथ॥ अप्रत्यय॥ उपवयपाक॥ पचतीतिपच॥ विदहान॥ वहीति
विद॥ वदव्यकार्यावावि॥ वदतीतिवद॥ दिवूकीजया॥ दीवतीतिदव॥ सनृसवाया
॥ सवतीतिसव॥ दूनदि समृद्धी॥ नन्दिवासिमादि इषिमादिवधि॥ भातिभावीत्यादया
नद्यादय॥ यूपप्रत्यय॥ यूपानक्षको॥ ॐदिमान्म॥ ॐदिताहतानमागमाहवति॥

गुनः
१४३

कमदविक्रय २

नाधसाधसीसिद्धो ॥ नाधयतीति नाधन ३

नन्दयतीति नन्दन ४ ॥ नमस्कीर्तयतीति नमस्त ४ ॥ वामकमसीरुध ॥ वामतीति वाम
न ४ ॥ कमतीति कमन ४ ॥ अर्द्धमर्द्धमर्द्धन ॥ जर्नमर्द्धयतीति जनार्द्धन ४ ॥ मदिरुध ॥ मेद
तीति मदन ४ ॥ मेदयतीति मेदन ४ ॥ इव इव १ ॥ इवयतीति इवध ४ ॥ साधयतीति साध
न ४ ॥ स्मृतीति स्मृतन ४ ॥ तपतीति तपन ४ ॥ दमममउपसम ॥ दमतीति दमन ४ ॥ जपज
ल्यताप १ ॥ जल्ययतीति जल्यन ४ ॥ दय्यहीका न ॥ दय्यतीति दय्यन ४ ॥ नूय १ ॥ नूय
॥ नूयतीति नूयन ४ ॥ नूयतीति नूयन ४ ॥ नूयतीति नूयन ४ ॥ नूयतीति नूयन ४ ॥ नूयतीति नूयन ४ ॥
१ ॥ गृहादर्थिनिप्रत्ययान्वति ॥ गृहादीनामिटादीधोत्वस्यपनाकासी ॥ गृहउपादान
॥ गृहातीति गृहाही ॥ आनीयूक् ॥ स्वागतिनिवृत्ति ॥ स्वाङ्ग्यस्यति स्वादन ॥ निस्वतीति

स्वर्गात्तन ५

तपसनाप ५

सा.सु
१४४

स्वायी॥ ययदवपूजासंगतिकर्त्तृदाभय॥ यजतीति याजी॥ नृगद॥ विष्णुर्वेश॥ विनाः
वी॥ याप्रापर॥ यायी॥ चनगतिरुक्तयो॥ विवनतीतीविवाजी॥ दृग्भेद॥ ग॥ दृ
ग॥ दृक्ता॥ ग॥ प्रत्ययातवतिभ॥ उत्पन्नीति उत्पन्नी॥ रध्नूपात॥ धयतीति धय॥ ध्म
ग॥ दृग्निर्वागया॥ धमाद॥ ग॥ उत्तमतीति उत्तम॥ पापान॥ उत्पिव॥ प्रागरम्भः
पापान॥ उत्तिष्ठतीति उत्तिष्ठ॥ गवस्त्विने॥ लूपधयालाप॥ रुनाये॥ गर्भतीति गर्भ
घ्न॥ कर्त्तृकीति कर्त्तृ॥ सूत्रादम्भम्॥ विद्वेला॥ गर्भविन्दतीति गर्भविन्द॥ ॥
कलादन्त्र॥ कलादन्त्रा॥ प्रत्ययातवति॥ एकानावृत्त्यर्थ॥ कनदिप्ति॥ कल
तीति काल॥ तपसकाय॥ तपतीति तप॥ पथिगती॥ पथतीति पथ॥ अण्वृत्त्य

गुनः
१४४

न नु नम माग म॥ व्यध ता उने॥ व्यधतीति व्याध॥ इ क ऊ क न र धा॥ का र्थ ३ धा॥ धा ना ४ क
म शि प यु क मान अ र पु ल य या रु व ति॥ धा ना नो मि न ँ मि वृ षि ४॥ कू र्त् क ने ती ति कू
रु का न॥ गु र्त् क ना ती ति गु र्थ को न॥ ग म लु क ना ती ति ग म लु का न॥ वि रु का न॥ अ
रु का न॥ ग म कान॥ इ र उ र स न॥ आ ना उ॥ आ का ना का ङा ना ४ क म्प धू प प र स ति
उ पु ल य या रु व ति॥ छि त्वा दि ला पे ४॥ गी र दा ती ति र ग म र ४॥ ध न र द सा ती ति ध न र ४॥ ना
मि व उ॥ ना म मा र्त्त प यु क मान पि रु पु ल य या रु व ति॥ छि त्वा दि ला पे ४॥ क म ल र द सा
ती ति क म ल र ४॥ द्वा र्था पि व ती ति द्वि प ४॥ गी र्त्ति प्रो इ र वि॥ द्वा र्था जि भा प न य ना र्था जि
य र ँ ति द्वि र ४॥ गृ ह ति ष ती ति गृ ह र ४॥ इ ग ना॥ गु वा उ व ती ति गू उ॥ गु व गू उ

तनसुनव॥४

सा.स
१४५

॥ शुचगुआदरगहवति। डपन॥ उनसः सलापामुमानामनिवकार्ये उनसः सकानः
स्यलापानवतिनाममागमः॥ गच्छगती॥ उनसागच्छतीति उनगः॥ उनमी॥ उनमिमः॥
विहायसाविहवः॥ विहायसगदस्यविहआदरगहवतिवकानाद्याममागमः॥ वि
हायसिगच्छतीतिविहगः॥ विहमी॥ तनसगदस्य कुनआदरगहवतिवकात्रागवा
ममागमः॥ तनसावरेगनगच्छतीति कुनगः॥ कुनमी॥ कुजसदस्यववाममागमः॥
कुजगच्छतीति कुजगः॥ कुजमी॥ प्रवगदस्यवाममागमः॥ प्रवगः॥ प्रवमी॥ अटी॥
धानात्रोमिकाथेनसत्यकानटकानोपत्योतवतः॥ तकानवर्थः॥ लघागुणः॥
अस्तिहवतीति अस्तिहनः॥ कववहनतीतिकववहनः॥ तानहनतीति तानहनः॥

गुनः
१४५

धृजधनरक्ष॥धन४धनतीतिधन४धन४॥चनगतिरुक्तया४॥कनूचनतीतिकू
नूचन४॥टकान००वर्थ४॥कनूचनीअपत्ययसर्वधनुसाधनती॥टकानपत्य
यसुचनद्वनव॥रुगककनीतीतिरुगककनीकन्या॥यग४कनीतीतियगस्कनीवि
या॥द्विदशनरक्ष॥पूनीशनयतीतिपूनीनन्दन४॥यमूनियमन॥वाचयमतीतिवाचय
म४॥सर्वसहतीतिसर्वसह४॥द्विषतपतीतिद्विषतप४॥गर्तपतीतिगर्तप४॥द्वि
शनरक्ष॥रुगशनयतीतिरुगन्दन४॥लस्कन४॥दिवाकन४॥पुलाकन४॥लेपिकन४
॥००त्यादि॥००खरिव॥धनानामिकार्यसेति००खरिव००त्यनपत्ययोक्तवकि॥सर्वकनी
तीतिसर्वकनी४॥वृहहनि४॥आप्००वाफो॥देवानाम्नीतीतिदेवापि॥वातापि४॥खि

सा.ख
१४६

तिपदस्य॥रिविनिप्रत्ययपदपदस्यमूमागमातवति॥कर्मकभातीति कर्मकन॥पि
 र्यकदतीतिपिर्यवद॥आत्मानिविरुद्धीतिआत्मीरुनि॥उदनीविरुद्धीतिउदनीरु
 नि॥कृत्तिरुनि॥उज्ज्वल॥उज्ज्वलपद॥आदीनीरुप्रत्ययातवति॥रवकाभासूः
 मागमार्थ॥गकानघुर्वकायार्थ॥वृन्नादृजि॥लघागुह॥ऊर्न॥ऊजयतीतिऊन
 मऊय॥जिऊय॥धनऊयतीतिधनऊय॥मनरूनि॥पहितमात्मानमन्यरु॥तिपीडि
 तमन्य॥दिवादस्य॥रव्युदकन॥कन॥रथरव्युदप्रत्ययातवति॥रवकाभासूमाग
 मार्थ॥यूवाननाकी॥यूव॥प्रत्ययातया॥प्रत्ययानेनेमूक॥प्रत्ययावाद॥रवत॥
 ॥अन॥अनग्र॥क्रियरु॥नेनेतिनग्रकन॥इती॥अस्तूल॥स्तूलीक्रियरु॥अननेतिस्तू

गुनः
१४६

लंकनर्षदधि॥ रुजाविश॥ रुजादृक्का॥ कर्तुनिविष्टप्रत्ययारुवति॥ व॥ वलापाह
वति॥ एकाभावद्वयार्थ॥ वा॥ कृ॥ वावसानगस्यक॥ रुजसवायी॥ अर्थरुजगीतिअर्थः
राक॥ कृकृताक॥ ककृताक॥ पनिवृत्त॥ वरुप्रोपन॥ रात्रवाट॥ हाट॥ वावसान॥ वा
हावीगसादीस्वने॥ अत्रवर्ततेनस्यवाहीवाकानस्योकात्रादृग्भारुवति॥ संसादीस्वनेप
न॥ रात्रोह॥ रात्रोहा॥ रात्रवाट्यामिषोदि॥ अत्रयजगीतिअत्रयान॥ सहस्रवर्षे॥ स
ह॥ ष॥ संदि॥ सारिनुपसति॥ सह॥ सेकानस्यषकात्रादृग्भारुवति॥ नसंपेदाकृत्वा॥ दुना
सहस्रं॥ तिदुनायात्॥ दुनावा॥ दुनासाही॥ दुनासाह॥ मानाधारी॥ मकानाकस्य
धारी॥ मकानस्यनकात्रादृग्भारुवति॥ नसंपेदाकृत्वा॥ गमूदमूपगम॥ प्रकर्षनगमगीति

सा.ख
१४७

[illegible]

गुनः
१४७

नपकानुउच्चानधार्थशसुखारुनोदामा नोमस्यससुदामा॥नापधायार्दीर्घश॥नामना
लापश्ला॥धो॥नाऊगदवत्युक्रिया॥सुामी॥सुपोमदीनामीरुवतिकितियन॥नकि
पि॥सुदूपीवतीतिसुपिवा॥रुनिददातीतिरुनिदाया॥कविदनयथापिदुग्धन॥सुसु
कनातीतिसुकर्मा॥उतीति०त्वावल॥गुगुवर्षा॥गुद॥नापधायार्दीर्घश॥गृह्णती
तिसर्वा०ति॥किप॥सर्वधुस्य०किपुपुत्यथारुवति॥ऊस्वस्यपितिक्रुतिदुक॥पि
तिक्रुतिपनऊस्वस्यउगगमारुवति॥किप॥सर्वापहानीलाप॥कर्मकनातीतिक
र्मकृत्॥अग्निविनातीतिअग्निवित॥दवानस्मोतीतिदवसुत्॥सामीपिवतीतिसामपा॥
दीर्घत्वानुक्॥सर्वपग्धतीतिसर्वदृक्॥दिग्भेमिति कृत्वी॥वि०३॥सवायी॥सुपूर्व॥प

सा.सु.
१४८

काददीर्घतावकवा॥सुग्री॥प्रकृष्टीप्रायसि॥किप्॥कृगवनाजादीनीष॥वा
३॥नर्त्तपृष्ठतीतिनत्वपाट्॥वचपनिस्तुष॥वचवाक॥नहर्वधन॥किपिपत्र
नकृपापसर्जस्यदीर्घतावकवा॥नहाट्॥उपसमीपनकृत्॥तिउपानता॥व
कानोत्त॥वृषगकिर्वधन॥प्रकर्षनवधयतीतिपावृत्त॥समावित्॥कट्टिचिकीर्षः
निकट्टिचिकी॥मन॥संयोगनस्यलाप॥धार्चिहस॥तिदीर्घ॥सपुत्रय
॥॥॥विनाया॥धायन॥किपिसंप्रसादन॥सुष्टुधायतीतिस्त्री॥दृग्दृक्कसः
कोवापमानकार्य॥दृग्दृक्कसकोपुत्रयोरुवत्॥उपमानकार्यवकानात्किप्
॥आसचोद॥॥नवृपुत्रययूपनवृसचोद॥पूर्वस्यात्तवति॥अन्य॥वृद्धत॥तिम्

गुनः
१४८

न्यादगः॥अन्यादकः॥अन्यादकः॥कान०वर्थः॥अन्यादगी॥तद्वत्तुदग्धं०तिताद
 गः॥तादकः॥तादकः॥तादगी॥अहमिवदग्धं०तिमादगः॥मादकः॥मादकः॥दिग्ध
 मिति कर्त्तव्यं॥तान्वन्धत्वादीपतादगी॥अन्यादगी॥किमिदमः॥कीगः॥किमगदस्य०द
 मगदस्यचकी०गीग००त्यतावादः॥रुवतः॥क०वदग्धं०तिकीदगः॥कीदकः
 ॥कीदकः॥कीदगी॥०रीय००वदग्धं०ति००दगः॥००दकः॥००दकः॥००दगीवा
 लीरुवतोदिष्टुदग्धंविधिनार्थः॥कानादेयादीर्घतावकवा॥रुवामिवदग्धंरुवा
 दगः॥रुवपूर्वः॥रुवादकः॥रुवादकः॥सदगः॥सदकः॥सदकः॥तिनिजतीतः॥धः
 तानतीतं कालेचतिनिपत्यारुवति॥०नीसो०॥अग्निश्चर्मवयेतीतिअग्निश्चमया

सा.सु.
१४८

जी॥ उर्ध्वं न कृतीति उक्ता जी॥ किं वनि प्रजा॥ धाता न नील कालगील वकि प्रवनि
प्रजुं स्येन प्रत्यया वनि॥ वरुम वधीति॥ वृर्गुह वो ते नूँति वृगुहा॥ यजनीति येका
॥ वृजु प्राणि प्रसव॥ वनि प्रपित्वा उक्ता कित्वा मुष्मा तावे॥ सृजवान् नूँति सूत्वा॥ स न
सिजो न स वसि जी॥ उक्ता दिलाप॥ स च मे गमादिति स च्वे ग॥ सामं अग्नेदिनि साम ग॥ २
का कवृ॥ धाता न नील काल कवृ प्रत्यया वनि॥ ताव कार्यथा १४८॥ कत टपत॥
॥ क का ना गु प्रतिष धार्थ॥ कर्त्तु नि कवृ उ॥ उ का ना नून्वि धानार्थ॥ कट् कित्तमान॥ आ
गता देवदल॥ आ गतं देवदलना॥ कट् कृत्वा ताव न पीस कत्वी॥ गत्यर्थे दकर्म का च्वे कर्त्तु
निक॥ गत्यर्थे दकर्म का च्वे धाता १४८ कर्त्तु नि क प्रत्यया वनि॥ अट गता॥ आटी नूँति

गुनः
१४८

अटीत॥ अनन्यपाप॥ कृत॥ धाता॥ कृत्युत्यस्यवसादनिजगमानरुवति॥ स्मृत॥
गमूदमूउपगमा॥ गमादीर्घ॥ गमक॥ दानक॥ कमूकाको॥ कानक॥ कोवासद॥ सदक
पुत्यथावाकिरुवति॥ कित्वादानगुह॥ युनथातनपु कर्षनयातिन००तिप्रथातिन॥
पुयुतिन॥ पुतिन॥ वदिन॥ वादिन॥ नूदिन॥ नादिन॥ मूहवेरु॥ आमाहीत००ति
मूषित॥ माषित॥ ००तागुहामितिदीर्घ॥ गृहीत॥ गृहीत॥ नादिन॥ नूदिन॥ वि
दिन॥ वदिन॥ वृषि०३॥ कित॥ उवर्हकादेवर्हकाच्चशि०३॥ वधाता॥ पेनस्यकि
कित॥ पुत्यस्यवसादनिजगमानरुवति॥ वृत॥ रूत॥ शित॥ आदीदिन॥ आ
दिन००दिन॥ अद्वेनरुवति॥ ०३ताककवर्हमानपि॥ ०३ताधारुनातिकूपुत्यथातव॥

सा.स्व
१५०

तिवर्हमानकालपि॥दरुस्यनादृश॥दकानाकाइहनस्यकिरगदस्यवनत्वरुव
तिदकोनस्यवनकान॥जि३मिदास्त्रहन॥जि३कानेसुककेपुत्ययाथ॥आकानेअ
निदृख्यापनार्थ॥मिदृकक००तिस्ति॥ककानागुधपुतिधधार्थ॥रकानस्यन
काने॥दस्यवनकान॥मिन्नमेन्नैलनवरुह॥जि३धिदागभपुक्रपन॥पूवव
रुहकान॥आदरु॥स्त्र॥आयासनखिन्न॥जि३किदासीवृह्न॥कि३॥अदरु
के॥अदाजघ॥किलनन्य॥अदाधताजघादरुगवकि३कि३पनअन्यवाथनरु
वति॥जघकपुत्यय॥र॥थ॥जगधमन्नमि३कर्म३॥न॥नरुइहनस्यरुका
नस्यनत्वरुवति॥क३हि३सायीविक्रपनव॥अरु००॥मकानस्य००नैरुवति॥धा

गुनः
१५०

विहसंतिदीर्घः॥विंकीर्कः॥रुषुमिषवयाहानो॥मषं॥अषं॥नरवतिहस
पन॥जीर्ण॥मीर्णवागनीनी॥ल्वदनादिन॥ल्वदनादिनश्चधोनास्मानोवेति॥लू३
कदन॥लून॥क्रिकय॥कदीधोनिष्टायाम्वा॥क्रिह॥कीह॥रुषुमिषवयाहानो॥सध
कनाश॥मा॥रुन॥म्रान॥अहाकत्याग॥रुमिनि॥कान॥हीन॥दीन॥अयायी
वृक्षो॥याययी॥यायाधना॥पी॥यवमाद॥रुवति॥पीन॥बृहपुगव॥आद॥क
॥स्र॥स्रन॥दादलि॥दा॥स्यस्यदरुवति॥तकानादीकितिपन॥अदोयिदली॥अदात
॥तिदलवान्॥रु३उपसीताप॥आवि॥तिदून॥स्वनाहवा॥स्वनादूरुनस्यदा॥
स्येतावावति॥तकानादीकितिपन॥पदरु॥पेरु॥दप॥धन॥अवली॥अवद

सा.सु.
१५१

ह्रीं॥ यज देव पूजायी॥ यजयि वनाक्षमिति संपुमानदी॥ छुगयनाजाद४व४॥ ॐ ह्रीं॥
ॐ वान्॥ द्रवपुवीजसकानि॥ उफवीर्जं॥ वहुपापरा॥ संपुसानदी॥ हाट४००॥ ति४ः
लेकन॥ तरभाई॥ सुत्वी॥ रि४लापादीर्घश्च॥ उ४अन४रूपीपु४॥ क४३आकान॥
संपुसानदी॥ दीर्घश्च॥ क४प्रत्यय४॥ आरुत४॥ व४३संवन४॥ संपुसानदी॥ सीवीत४॥
वदवकायीवाचि॥ ववपनिहावर४॥ वा४क४॥ उ४कं॥ वसनिवास४॥ उ४विर्त४॥ क४त४०॥
ति४००॥ क४धवू४कायी॥ वसि४क४॥ धनि४॥ क४धित४॥ घसा४४स४॥ स्वपस्वप्र४॥ सूफ
४॥ उ४४पालन॥ जा४क्षयावानिपात्य४॥ जा४त४॥ जा४त४॥ जी४त४॥ जी४त४॥ घ्रा४त४॥ घ्रा४त४॥
वि४वि४वाने४॥ वि४न्न४॥ वि४रु४॥ उ४दि४क्र४दन॥ उ४न्न४॥ उ४रु४॥ वा४गति४गन्धनया४॥ नि४र्वा

गुनः
१५१

६४॥ निर्वोक्तः॥ स पय्यूपस्यः कना नरुयस्य सूर्यः॥ संस्कृतः॥ पत्रिस्तुतः॥ रावयः ७३॥
धना रावयः ७३ पुष्यथा रवति॥ संस्कृतः॥ अलीकानः॥ जनकः॥ जनकः॥ जाओ
६२॥ रावति॥ जातः॥ पञ्चावः॥ पञ्चउरुनस्य कितस्तु कानस्य वकाना रवति॥ पक्षः॥
पक्षवान्॥ कुरुयः॥ संधि कना धमा॥ कायामः॥ कायामा मपुष्यथा रवति॥ कामः॥
गुयः॥ रावयः॥ गुयः॥ गुयनूरुनस्य कितस्तु कानक काना रवति॥ गुयः॥ स्नायीवृ
क्षी॥ स्नायः॥ स्नाया धमा॥ स्नी॥ स्नीवमादे॥ रावति॥ स्नीतः॥ कस्तु कानो धवव
तः॥ धमा कस्तु कानो पस्यथा रवति॥ स्नीतः॥ कालः॥ गोवधपु॥ स्नीववतः॥ धवादि व
होवादि ववनी॥ ननु वृक्षादि॥ यथा धपुपनस्य पदं तथा कस्तु॥ यथा आत्मन पदं

सा.सु.
१५२

उत्पत्तिकावः॥ कका नागुधप्रतिषेधार्थः॥ विद्वान्॥ उका नानुचिन्तनार्थः॥ वृत्तानु
मू॥ स्याग्नकस्य लापः॥ हसपः संज्ञापः॥ वहीति विद्वान्॥ विवदः ॐति विद्वान्॥ इह
उत्कनः॥ कसूपस्य यः॥ द्वितीयः॥ नः ॐत्यकावः॥ कृष्णः॥ वृत्तानुमू॥ हसपः संज्ञापः
॥ स्याग्नकस्य लापः॥ वृत्तानुचकावः ॐत्यर्थः॥ चकावः॥ कानपस्य यः॥ हनहिंसा
या कसूपस्य यः॥ ज्ञान ॐति ज्ञानान्॥ जगन्वान्॥ दहनिवान्॥ दहन्वान्॥ विविनिवा
न्॥ विगपवगनः॥ विविश्वान्॥ गहग्नौति फवक्रियायी॥ क्रियापपदगम्यमानगह
ग्नौति प्रत्ययोरुवतः॥ नोवति प्रवत् ॐति पनस्तेपदात्मनपदयोरुवतः॥ पवमृत्
ॐति स्थितः॥ अय्कहनि॥ अदे ॐत्यकावः लापः॥ नामसीत्तासीत्यादिर्विरुक्तिः॥ वृ

गुनः
१५२

नानुम् ॥ हसप४सलोप४ ॥ पवननास् ॥ पवनास् ॥ प० स्तिष्टति ॥ रगे ॥ गायनाच्छ्रुति ॥
 मृगानेत४ ॥ अकानस्यानपत्रमृगागमाहवति ॥ पवने० तिपवमान ॥ प० कीतिपवनाम
 ऊमानस्तीति ॥ तनादनूप ॥ मनूत० तिमन्वान४ ॥ आसनान० ॥ आसच्छात्रासोनेका
 नस्प० का नादगाहवति ॥ अदादलेक् ॥ आस० तिआसीन४ ॥ वादीपा४ ग४ ॥ अवधू
 त्यनस्पगहृप्रत्ययस्वानुमागमाहवति ॥ ०० कान० ०० पिचपत्र ॥ दुदव्यथन ॥ गहृषः
 त्यय ॥ दुदत् ॥ दुदति ॥ दुदकी ॥ कुले ॥ अप्ययोनित्य ॥ अप्रत्ययप्रत्ययस्वर्वभिः
 नाअकानात्यनस्पगदुर्निर्त्तनमागमाहवति ॥ रुवतीतिरुवकी ॥ पवतीतिपवकी ॥ प०
 तीतिप० की ॥ हसतीतिहसकी ॥ दिव्यतीतिदिव्यकी ॥ नामाहृगधक ॥ श्लिआलिर्न४ ॥ श्लिष्य

सा.स्व
१५३

मीतिश्लिष्यती॥दिब्रूकानायकादीनीवैकुन्तसुपतिष्वधवकाव्य॥ददातीतिददत्॥दद
ती॥यकतीतियकत्॥यकती॥जागृनिडाकथ॥जागृतीतिजागृत्॥जागृती॥दनिडाइर्न
तो॥दनिडादनालापोवकाव्य॥दनिडातीतिदनिडत्॥दनिडातीतिदनिडती॥वकासः
तीतिवकासत्॥वकासती॥गुणुअनसिक्तो॥अनूभागेत्॥अनूभागती॥विदधोवसु॥
विदधोता॥गहविषयवावसूपथाहवति॥वलीतिविहोत्॥पक्र॥विदत्॥अनूगुहवत्
नरुवक्तृदीपूकार्थनिपात्यत्॥अनूगुहवत्कारुहमिश्र॥तुगेरुवहिरुगवत्यादीरुहित
॥मीलहत्॥धमासूत्पुत्यथाहवतिमीलस्वरोवर्थ॥नकानपुत्ययहदरूपनार्थ॥क
नधमीला॥कली॥हनेधमीलाहली॥नयनमीलानता॥हनधमीलाहली॥विचनधमी

गुनः
१५३

लाविवनता॥ ॐ ह्यादि॥ अनित्यत्वानता॥ गुह्य॥ ॐ कस्तूरक॥ धाता॥ गीलसुखावर्थ॥
कस्तूरक॥ ॐ ह्यनपुत्रपुत्रवर्ति॥ गुह्य॥ अर्लपुर्व॥ अर्लकनधगील॥ अर्लकनिक॥ नि
लाक॥ गीलमस्यनिनाकेनिक॥ जाहदुदिको॥ जाजननगीलाजाजिक॥ गसअदन
॥ गसनगील॥ गसिक॥ सहमवर्ध॥ सहनेगील॥ सहिक॥ अर्लगीलमस्यतिजिक॥
रवनगीलाहक॥ स्त्रीनगील॥ स्त्रीस्त॥ विष्णुवाको॥ विष्णुगील॥ विष्णु॥ गृध्रअर्लिक
क्रोयी॥ गृध्रनगीले॥ गृध्र॥ वाकोकध॥ धाता॥ गीलर्थवाकउडकध॥ ॐ ह्यनपुत्रपुत्रव
र्ति॥ धकागावृध्वर्थ॥ वननिद्रायी॥ वनधगीलावनोक॥ वाकपुत्रय॥ वकान॥
वर्थ॥ वनाकी॥ जल्पव्यकार्यावावि॥ जल्पाक॥ रिक्क्यावज्ज्या॥ रिक्किर्लगीलम

यमनमादयः॥ नमनगीलः नमः॥ हिमिहिमायी॥ अजसनगीलः अजसुः॥ कमनगी
लः कमः॥ कपुः॥ दीपुः॥ घसुः अदनः॥ घसादः कनः॥ घसादः कनः॥ कनपुत्यथा
हवति॥ ककानगुद्यपुतिषधार्थः॥ घसनगीलः घसनः॥ अदनगीलः अदनः॥ सस
नः॥ सनधगीलः सनमनः॥ क्विदिहिदिविदिकनः॥ क्विदनी॥ हिदनी॥ विदनी॥ रासा
दधनः॥ रासादः कनः॥ घनपुत्यथाहवति॥ घकानाधित्कार्यार्थः॥ रासनगीलः रासुः
नः॥ यजदेवपूजासंगतिकनदानेव॥ अतिगयहसादयद्विधुः॥ यदुदुक्॥ यदका
कानाकूपुत्यथाहवति॥ यदालुक्॥ तत्सन्निधागयदालुहवति॥ पूर्वस्यहसादिः॥
वः॥ ययकः॥ अतिहिदः॥ अतः॥ पूर्वस्येवभिनाअकानस्यआकानाहवति॥ याय

सा.स्व
१५५

रूकः॥ तंशुआमर्दन॥ वजाः॥ करणेधिति॥ वजाः॥ करणविनिककानगकानोरुवतः
॥ धितिपने॥ रुजनगीलः॥ गुनः॥ नूधादनेम॥ दशनगीलः॥ उमजुषीनृगितिन
मागमः॥ पूर्वस्य॥ ददशूक॥ जपनगीलः॥ जजेपूकः॥ वदनगीलः॥ वावदूकः॥
जागननगीलः॥ जागनूकः॥ आदतः॥ किर्दिशुलः॥ आकानाकादकानाकाद्यानांगील
र्थरुनकालकिः॥ प्रत्ययातवति॥ धाताधुदिवेवनी॥ गमादधु॥ नामः॥ सामेयपियरुददि
गधुकिनरुनजाजकान्विनाजजिः॥ पोषुनीकमहादिजान्॥ सर्वसिदयः॥ सर्वसिः
नूकानउद्यः॥ दयः॥ प्रत्ययातवति॥ शूकः॥ उकनरः॥ धकानावृध्यर्थः॥ कनामीतिकानूः
॥ वागतिर्वधनयाः॥ वागीतिवायूः॥ आतामूः॥ शूमिः॥ प्रकपः॥ मिनामीतिमायूः॥

गुनः
१५५

स्वदस्वादस्वादना॥ स्वाइ॥ कुगआकाननादनव॥ कृगयनाजाद॥ व॥ इति॥ इ॥
 ॥ कागतीति का॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥
 यार्थ॥ कित्वात्सपसानर॥ अवतीति॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
 नावृद्धार्थ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
 सनका नाद॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥ ए॥
 नक्षपावधया॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥
 नृनिपुण्यारवति॥ ध॥ ध॥ ध॥ ध॥ ध॥ ध॥ ध॥ ध॥ ध॥ ध॥ ध॥ ध॥ ध॥ ध॥ ध॥ ध॥
 गम॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥

नमो॥ सप्तलवरा॥ २

सा. स्व
१५८

मिष्यत अतिभास्वती॥ गमहि मायी॥ गमतीतिभास्वती॥ असूकपरदा॥ असू॥ पापान॥
पापु॥ नाशपाप॥ दासु॥ गमरुगती॥ आरुपूर्वोतिनिपत्यय॥ दकानावृध्यथ॥
॥००॥ कानउच्चानर्थ॥ आगदुभीमस्यआगमी॥ रुसकायी॥ रुविदुभीलमस्यरावी॥००॥
भादेवेन॥००॥ भादृक्षातोर्वनप्रत्ययोरुवति॥००॥ गनुष्वर्थ॥००॥ सु००॥ नि००॥ धेन॥०॥
सुगतिनिवृत्ती॥ सुदुभीलमस्यसुवावन॥ नाहजोदीफो॥ नाजादेनन॥ नाजो॥ यमि॥
॥ मोतीनियुवा॥ न्धाता॥ मनगुस्का॥ सर्वधुत्य॥ मनरुअसूक००॥ सप्तप्रत्ययोरुव
ति॥ कर्मन॥ पापु॥ कर्मपापु॥ ऊर्गु॥ नजो॥ वचादेनस॥ वचादेक्षातो नसुप्रत्ययोरुव
ति॥ वव॥ अहमहपूजायी॥ अह॥ मह॥ रूप॥ सोकार्यलिम॥ सुधनेकीयनय

गुनः
१५८

ह३ क३

तत्तुल्यकार्यं॥ हिंदुनिर्मकाष्टी॥ देवदहननिश्चयमानीकाष्टीस्वयमवतिष्ठति॥ पवन
मयोरु॥ पवलिमादक॥ युवहृद्गुणानि॥ यदितीतिथानि॥ वरुणीतिवक्रि॥ अगनी
तिअग्नि॥ ॐतिपनमेश्वर्य॥ वदिआज्ञादन॥ ॐतिवदिगकिनूदिस्थान॥ ॐदिन॥
तिनम॥ ॐन्दुमीति॥ चन्दमीतिवन्दु॥ गच्छन्ति॥ नूदमीतिनूद॥ पुष्य
मीतिपुष्य॥ रुलमीतिरुल॥ मूलमीतिमूल॥ उदनादयपनिमिता॥ पथागमनरूपपथा
कव्य॥ कुम्भदध्यायविषयि॥ धातारुविषयिकालकुम्भपुष्यथारुवति॥ तदध्यायकि
यायापुयुक्तेमानाया॥ कुम्भपालनात्यवहानया॥ गवसवपाजसात्री॥ राकुं वजति॥ प
थिपथन॥ पठि कुमिष्ठान॥ स्नातुमीरु॥ चउलव॥ धातारुविरथचउपुष्यथारुवति

मा.स्व
१५१

॥ वज्रो ४ क १ गो धिति ॥ वज्रो ४ क कानग कानो रु व न ४ धिति प न ॥ प च्य त ० ० ति पा क ४ ॥
 ७३ का वृ च्छ र्थ ४ ॥ त्यज हानो ॥ त्यज न ० ० ति त्या ग ४ ॥ ज ह्ना १ नु प या ग ४ ॥ अ नू ० ० क न ० ० ति
 अ नू या ग ४ ॥ रु ज स वा यी ॥ वि रु ज नी वि हा ग ४ ॥ ० ० ष ग नो अ य नी आ य ४ ॥ स रू या म क र्त्त ०
 नि व ॥ क र्त्तु व र्त्त न कान क हा ध क र्म्म शि व घ ७ पु त्य या रु व ति स रू या यी वि ष य ॥ पु ति व
 ति का र्थ मा जि य त ० ० ति पु त्या हा न ४ ॥ उ च्य त १ स्मि न ० ० ति वा स ४ ॥ दी य त ० ० ति दा य ४ ॥ वि डि
 य त ० ० ति वि का न ४ ॥ पी य त ० ० ति पा य ४ ॥ सा ध ना धा ने श या र्थ ज ना काना स्वे ना काना वि ष य
 ७३ व क व ४ ॥ मृ ज वृ द्धि ४ धिति व ॥ अ प मृ च्छ ते अ न न ति अ पा मा र्ग ४ ॥ लि र वा र्त्त अ स्मि त्र ति
 ले र व ४ ॥ अ वा न ल स्मि त्र ति त्या वा न ४ ॥ ० ० दू अ ध य न ॥ अ धी य त ० ० ति अ ध्या य ४ ॥ स्व ना द

गुणः
१३१

१॥ स्वनादहोमानप्रत्ययाहवतिलावाहो॥ सवीयन०००तिस्वीय१॥ नीयन०००तिनय१॥
उनीयन०००तिउन्नय१॥ सुवन०००तिसुव१॥ नृविक्रय॥ नीयनविक्रियन०००कोमादिलिनि
तिनन१॥ पनिलयन०००तिपनिरुव१॥ मदी॥ मदीनाम१॥ प्रत्ययाहवतिलावाहो॥ मदीरु
ध॥ प्रमायन०००तिप्रदम१॥ अनमावतिप्रदम१॥ पदव्यवहानसुतोव॥ पद्वन०००
तिपद१॥ गम्यन०००तिगमभायमउपयम॥ यम्यन०००तियम१॥ दम्यन०००तिदम१॥ दी
बनविश्वमननतिदेव१॥ विज्वन्धन॥ विरगषससीयन०००तिविषय१॥ मूर्खघन१॥
मूर्खोकाठिन्यपनिच्छदवाहिरुधयहन१॥ प्रत्ययाहवतिलावाहो॥ प्रनादगश्री॥ कठि०
नंदधिदधिघन१॥ पनिच्छदसेधवचन१॥ वरुविपर्यय॥ हलादहोमावरुविर्ययाहव

सा.स्व
१५८

ति॥हिंसिहिंसायी॥हिंसास्तीतिर्हिंस॥दिना॥थु॥दिनाधनथूप्रत्ययातवतितावाशे॥द्व
पृकपन॥वप्यन॥ननेतिवपथु॥द्रुपृकपन॥कपनकप्यन॥ननेतिकपथु॥द्रुनदि
गमृक्षी॥नन्थु॥द्वथु॥स्वपथु॥०००॥सादि॥द्रुतस्मि मकतत्कन॥दिनाधनास्मि म
कपप्रत्ययातवतिनधत्वरथेनकनरथेवाच्यसतिक्रियायानिवृत्ते॥द्रुद्रु॥कनर॥
कृतिमाद्य॥द्रुद्रु॥धनधपाषाया॥सीतनरधननिवृत्तीसीतुमिर्मयुद्ध॥द्रुपव
षपाक॥पाकननिवृत्ती॥पकिर्मजदनी॥नद्रुकी॥धनानेकी॥मनोपुत्र्ययोतवत॥रा
वाशे॥यतिप्रयत्न॥यतनीयव॥पृच्छ॥प्र॥पृच्छा॥४॥कानाद॥४॥रुवतिनपनरावा
शे॥पृच्छान॥००॥निप्र॥विच्छान॥००॥निविप्र॥विच्छगती॥अगुगुरेताव॥सा॥४॥

गुनः
१५८

लि० ध्रु० ॥ य० उ० ॥ ॐ क० अ० न० न० म० न० म० न० ॥ उ० ग० न० ॥ उ० व० नी० ति० उ० ध० ॥ टी० ला० दी० पू० डा० दी०
क्रि० य० न० के० न० ध० ॥ टि० ला० क० र्क० ॥ ना० ला० धी० य० नी० ति० ना० ज० ध० नी० ॥ स्व० म० नी० स्व० प्रा० ॥ आ० न० न० पी० ला० का०
न० ला० प० ॥ कि० प्र० ल० य० ॥ वि० धी० य० न० ॥ ति० वि० धि० ॥ सी० धी० य० न० ॥ ति० सी० धि० ॥ आ० धी० य० न० ॥ ति० आ० धि०
॥ अ० नी० ति० नि० धी० य० न० ॥ अ० नी० ति० नि० धि० ॥ ला० व० य० द० ॥ ध० ना० ला० वि० य० द० पु० ल० य० ला० व० ति० ॥ यु० वा० न० ना० की०
॥ क्रि० य० न० ॥ ति० क० न० र्क० ॥ जी० य० न० ॥ ति० रु० न० र्क० ॥ रु० य० न० ॥ ति० रु० व० न० ॥ रु० य० न० ॥ ति० रु० व० र्क० ॥ दी० य०
न० ॥ ति० दा० न० ॥ रु० य० न० ॥ ति० नि० य० र्क० ॥ नि० य० न० ॥ ति० न० न० र्क० ॥ द० वृ० द० व० न० ॥ द० व० नी० ति० द० व० न० ॥ ग० मी०
दी० र्क० ॥ उ० द० ॥ रु० द० स० लो० प० ध्रु० ॥ उ० लू० व० ति० न० रु० ग० ति० नि० वृ० ला० वि० ला० द० र्क० ना० ॥ स० का० न० स० य० ला०
पा० रु० व० ति० ॥ रु० ग० ति० नि० वृ० ला० ॥ उ० लू० व० ॥ उ० लि० वृ० नी० ति० उ० लू० न० ग० म० नी० ॥ रु० रु० ना० ध० न० ॥ उ० रु०

सा.सू.
१३८

[illegible]

गुनः
१३५

कृष्णानीषे यो लपयात्तवतः॥ रावा दोरविष्यतिकालः॥ रविष्यतः०० रविष्यतः०० कृतः०० निः००
 दः॥ आसुडवसनः॥ आसुडः०० निः०० आसुडः०० कनिष्यतः०० निः०० कनिष्यतः०० दानः०० दानीयः०० पा
 नः०० पानीयः०० स्नानः०० स्नानीयः०० नमयतीति नमनीयः००० लपु कर्तव्यं धनीयप्रत्यः
 यः॥००० निः०० कविः॥००० टागुही॥ गृहादीनामिटादीरवति॥ गृहेतः०० निः०० गृहीतः०० वृज
 सवनः॥ वनिष्यतः०० निः०० वनीतः०० स्वनायः॥ स्वनाकाकाकार्यप्रत्ययात्तवति॥ कुरु
 योग्यं कुर्यात्॥ कुरुयोग्यं कुर्यात्॥ अन्यगुरुकुर्यात्कुर्यात्मनः॥ कुरुयोग्यं कुर्यात्॥ अन्यगुरुकुर्यात्कुर्यात्मनः॥
 कुर्यात्कुर्यात्कार्यनिपात्यतः॥ कुरुगर्ककुर्यात्॥ कुरुयोग्यं कुर्यात्॥ अन्यगुरुकुर्यात्कुर्यात्मनः॥
 नः॥ पूगकार्त्तापवर्गोकाकाकाः॥ कादश्च यप्रत्ययात्तवति॥ कुरुयोग्यं कुर्यात्॥

सा.सु
१६०

ललवपाको॥ ललवार्थलस्य॥ कुंयार्थभर्की॥ बहमवर्त॥ सहव॥ सादृगर्कीसर्की॥ जर
मेधन॥ जवृगर्कीजर्की॥ नविभावनदीकोव॥ नाचयिर्कुगर्कीनर्ची॥ ००वात॥ आकाः
नाकोधकागोयप्रत्ययोरुवत्याकानस्येकान॥ हाकुयार्थदयी॥ हाकुयार्थरुयी॥ पाकुया
गर्पयी॥ अहसाकाकुयार्थमवर्तनाकुसाकावधार्थप्रत्ययोरुवतिहावादी॥ हाकाभा
वृद्धार्थ॥ हायतयतयार्थकार्यी॥ वृज्ज्रावनरहसंरकोव॥ वानयिर्कुयार्थवार्थी॥ वकु
यार्थवार्थी॥ वाधयिर्कुयार्थवार्थम॥ लविर्कुयार्थवार्थी॥ हसहसन॥ हसिर्कुयार्थहार्थी
॥ पित्रातवकानस्यककाभाऽपिरवति॥ पकुयार्थवार्थी॥ उरुतावकर्मरुविहितास्त
वादयविरुधोववकावा॥ नानामसदृग्मी॥ दृग्मीदीनीमसपनअनानीरुवतिमसपन॥

गुनः
१६०

[illegible]

व३

सा.सु
१८९

प्रत्ययः स्व न वत् ॥ अवस्यं त वि दु या र्थं अवग्ध ला वी ॥ नू सु तो ॥ अवग्ध ना वी ॥ लू ७३ क
दन ॥ अवग्ध ल ये दु या र्थं अवग्ध ला वी ॥ लू य द वग्ध मः कृ त् कृ त् ॥ प व स मा र्वा नाः क
प घ् य हो रा व क म् ॥ १८४ ॥ त व्या नी यो स्व ना य ध्व क लि मः क म् क र्त्तु नि ॥ लू स र्त्तु का म म
ने सा नी पे ॥ स मा व हि त त त या म् सी स्य प वि य द् घ ७३ ॥ त व्या नी यो नी कृ त् स र्त्तु मा हि
नी यो नी ॥ अवग्ध ला वी ॥ वग्ध ला वी ॥ घ ७३ रा व ॥ य स्य ला प ४ ॥ रा कृ का म ४ ॥ रा कृ का
म ४ ॥ १८५ ॥ उ म न ४ ॥ उ म न ४ ॥ सी हि नी ॥ सी हि नी ॥ सी त नी ॥ सी त त म ॥ सी स्य प व च नी ॥ सी स
प व च नी ॥ सी स्य पा की ॥ सी स पा क म् ॥ अ इ प धा या क प ॥ अ इ प धा यो ना ४ क प पु ल्प या रु व ति
॥ रा व का यो या ४ ॥ क र्त्तु नि कृ द न ॥ क र्त्तु या र्थं कृ त् ॥ नि त नी कृ त् नि कृ त् ॥ जे स्वा नू क प्पि

गुनः
१८९

लातुक॥ सु० सु० गो॥ ग० सु० गु० हा० क० प॥ सा० सु० या० गर्भ० सु० र्प॥ ग० सु० या० गर्भ० ग० र्प॥ १॥ ग० सु० या० गर्भ०
१॥ ग० र्प०॥ गु० ह० से० व० न० २॥ गु० र्क० रु० या० गर्भ० गु० र्क०॥ व० ४० क० प० ला० वा० दो॥ मृ० वा० उ० य० न० ००॥ ति० मृ० वा० य० मृ०
॥ व० क० १॥ उ० य० न० या० क० थ० सा० व० क० या०॥ गु० ही० रु० या० ग० गु० को० से० ना॥ सि० र्पा० य० जी० ला० वे॥ य० जा० द० र्घो
ना० १॥ सि० र्पा० य० ला० वे० क० प० प्र० त्य० या० ह० व० ति॥ कि० त्वा० र्प० सा० न० र्घो॥ वृ० जी० व० र्ज० न॥ प० क० र्घ० व० क० न० अ०
स्या० मि० ति० प० व० क०॥ ह० र्क० सु० १॥ ह० र्क० न० का० न० स्य० त० का० ना० ह० व० ति० कि० ति० प० न॥ व० क० र्घो० ह० न्य० त० ००॥
ति० व० क० ह० र्प०॥ ००॥ र्क० न० ००॥ ति० ००॥ क०॥ स० म्य० क० ००॥ क० न० ००॥ ति० स० म० क०॥ अ० र्ज० ग० गो० र्प० न० च॥ कि०
१॥ ध० ना० १॥ कि० प्र० त्य० या० ह० व० ति० सि० र्पा० ला० वे० अ० के० र्घो० व० का० न० के॥ अ० न० ह० ति० १॥ वि० मि० ह० र्प० ति० १॥
वि० ह० ति० १॥ ह० व० न० ह० ति० १॥ ह० व० ह० ति० १॥ १॥ ध० न० र्गु० छि० १॥ प० चि० वि० स्त० न॥ ००॥ दि० ना० न० म्॥ प० च

०ति१॥गमि१॥गच्छति१॥विहिदामद॥विताधमा१रिदादश्रुतियामदप्रत्ययारवः
 ति॥पविता००तिपव॥अकानप्रत्ययोल्लसत्तुआवतस्त्रियमित्यापे॥मृश्वशु०
 क्षो॥मृजतीतिजासा मृजा॥रिदा॥क्षिदा॥जनत्यगुदानुवधनहिमअदप्रयोल्लवकाव्य
 १॥शष्वयाहानो॥जना॥गुनाहसाता॥गुनर्ममाधमाहसातादप्रत्ययारवति॥००रुवश
 यी॥००हा॥उरुवितक्का॥००ीरुदगुनाकनया१॥००का॥प्रत्ययानाञ्च॥प्रत्ययानाञ्च
 तानकानप्रत्ययारवति॥चिकीर्षासादित्यनननेकुनयकारुवायर्थ॥पूनामीतिपू
 न॥पूनीया॥आवतस्त्रियी॥पूर्वकालेका॥समानकहकधमापयूक्तमानपूर्वकाल
 काप्रत्ययारवति॥स्त्रात्वाउका॥उक्ताप्रगति॥कासद्॥वरित्वा॥वदित्वा॥विदित्वा॥अ

सा.स.
१६३

लीखत्वा पुनि वरधत्वा ॥ अलङ्कृत्वा ॥ उदितः कावता ॥ उदितः कावता ॥ कावतु गवति ॥ ॐ सु
ॐ काया ॥ ॐ का ॥ उचित्वा ॥ उका ॥ उचित्वा ॥ दृष्ट्वा ॥ दृष्टित्वा ॥ समाप्त कप ॥ समाप्त सति
नि पूर्व काल कप प्रत्यया रवति तत्कलुके धातो प्रयुक्तमान ॥ अलङ्कृत्वा ॥ पितृलुके ॥ स
हस्य कभाति ॥ प्रथम्य गच्छति ॥ सम्यक् कलुके ॥ अन्तर्गु पूर्व ॐ त्यक् ॥ नो ॐ त्यका नो द
ग ॥ कृत्वा कपि ॥ गुह्य ॥ अकृत्वा पति ॥ सम्यक् ॥ तत्कालपि दृष्टम् ॥ न गृहीतमीत्यहस
ति ॥ मीलमीलन ॥ वी आरु पूर्व ॥ मूर्ख व्यादाय स्वपिति ॥ यो न ॥ पृथग्धमदिश्व ॥ समानः
कलुके प्रयुक्तमान प्र पूर्व कालपो न ॥ पृथग्धमदिश्व ॥ सम्यक् प्रत्यया रवति ॥ तस्य पदस्य
द्विचर्चन ॥ आतोयक् ॥ पोर्य पायगेच्छति ॥ होर्ज होर्जवृजति ॥ कथमादिमूस्वार्थमम् ॥

गुनुः
१६३

सा.ख
१६४

नामानि शुक्ला गुरुसनावनः॥ नत्नानि नमनीयानि सुगमजनयकिम॥ ॥ लाका
रुं वसुसिद्धि यथा मात नपित नोदः॥ ॥ स्व नूपा कानू रूपादिः गदा रूयगु
गुसाथः॥ समस्त नीशु र्ताचकः प्रकृत्यो वदुना चित्ता॥ ॥ सुवता धारुयगीवः कम
लाकनः ००११ नः॥ सुना सुननना कान मधूपा पीतप कीजः॥ ॥ ००० तिशीपनम
हंसपनि वाजकानू रूति स्व नूपा वाय्ये विन चित्ता सान स्वती प्रक्रियो समाफा॥
॥ ०००००॥ लिखितं यैव जेदया च नय कमल एवित दिज वीर गुरु वा वाय्ये गी यागः
नन सिंह नति॥ ॥ फरीशीन्द्र रत्न वज्राचार्यस्य पुस्तकमिदम् ॥

गुनः
१६४

सालिनी

ॐ नमो वाणिवाय
४४

01

5

0

5

10

15

20

25

